खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 03 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-91

## वक्फ की हरकतों और हकीकतों से वाकिफ होना जरूरी

# गोरी ने की थी शुरुआत, जिन्ना ने दिया था कानूनी शक्ल

### शुभ-लाभ विमर्श

**दो गांवों** से शुरू हुआ वक्फ आज 9.4 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। इसमें 8.7 लाख से ज्यादा सम्पत्तियां शामिल हैं। मस्जिदें, दरगाहें, कब्रिस्तान और इमामबाड़े इसके बड़े हिस्से हैं। यहां तक कि सरकारी जमीनें, इमारतें, गांव के गांव, पुरातात्विक महत्व के स्थान, हिंदू मंदिर भी वक्फ सम्पत्ति के दावे में हैं। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में 70 साल के किसान राजगोपाल अपनी बेटी की शादी के लिए अपनी 1.2 एकड़ जमीन बेचने की तैयारी कर रहे थे। सपने संजोए हुए थे कि बेटी का हाथ पीले करके उसे विदा करेंगे। लेकिन जब वे सब-रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें 20 पन्नों का एक दस्तावेज थमाया गया, जिसमें लिखा था कि उनकी जमीन तमिलनाडु वक्फ बोर्ड की है। सिर्फ उनकी जमीन ही नहीं, बल्कि उनका पूरा गांव तिरुचेन्थुरई, जहां 1500 साल पुराना सुंदरेश्वरार मंदिर भी है, सभी को वक्फ की सम्पत्ति बता दिया गया। गांव वाले हैरान थे, गुस्से में थे और डरे हुए भी। यह खबर जंगल की आग की तरह फैली और पूरे देश में वक्फ कानून पर बहस छिड़ गई। यह कोई अकेला मामला नहीं था। आसपास के 18 और गांवों को भी वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर दिया गया। लोग सवाल उठाने लगे कि आखिर यह वक्फ बोर्ड है क्या, जिसके पास आज 9.4 लाख एकड़ जमीन है? यह करीब 3,804 वर्ग किलोमीटर का इलाका है, जो भारतीय रेलवे और भारतीय सेना के बाद देश का सबसे बड़ा जमींदार माना जाता है।

इसकी शुरुआत 12वीं सदी में दो गांवों के दान से हुई थी, और आज यह एक विशाल साम्राज्य बन चुका है। केंद्र सरकार अब वक्फ संशोधन विधेयक ला रही है। ऐसे में चलते हैं वक्फ की जड़ों तक, और समझते हैं कि वक्फ क्या है, भारत में कैसे आया और आज क्यों विवादों में है। वक्फ अरबी शब्द वकुफा से आया है, जिसका मतलब है ठहरना या रोकना। इस्लाम में वक्फ का अर्थ है ऐसी सम्पत्ति जो जन-कल्याण के लिए दान की जाए। इसे एक तरह का स्थायी दान कह सकते हैं, जिसे न बेचा जा सकता है, न उपहार में दिया जा सकता है, और न ही विरासत में हस्तांतरित किया जा सकता है। जो इसे दान करता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वाकिफ यह भी तय कर सकता है कि उसकी सम्पत्ति या उससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल किस काम के लिए होगा। मिसाल के तौर पर, अगर कोई कहे कि उसकी जमीन से होने वाली कमाई सिर्फ अनाथ बच्चों की पढ़ाई पर खर्च हो, तो ऐसा ही होगा।

वक्फ की प्रतीकात्मक तस्वीर

### गोरी और जिन्ना का पाप : झेल रहा था भारत

इस्लाम में वक्फ की शुरुआत पैगंबर मोहम्मद के समय से मानी जाती है। एक कहानी है कि खलीफा उमर ने खैबर में एक जमीन हासिल की और पैगंबर से पूछा कि इसका सबसे अच्छा इस्तेमाल क्या हो सकता है। पैगंबर ने कहा, इसे रोक लो, बांध लो, और इससे होने वाला फायदा लोगों की जरूरतों पर खर्च करो। इसी तरह, मदीना में 600 खजूर के पेड़ों का एक बाग वक्फ किया गया था, जिसकी कमाई से गरीबों की मदद होती थी। यह वक्फ के सबसे पुराने उदाहरणों में से एक है।

भारत में वक्फ की कहानी इस्लाम के साथ शुरू होती है। इस्लामिक परंपरा के महत्वपूर्ण हिस्से वक्फ की भारत में सैकड़ों सालों से मौजूदगी है। इसका मतलब है ऐसी सम्पत्ति को जन-कल्याण के लिए दान करना, जिसे न बेचा जा सके, न उपहार में दिया जा सके, और न ही किसी को विरासत में हस्तांतरित किया जा सके। भारत में इसकी शुरुआत इस्लाम के आगमन से मानी जाती है, जो 7वीं सदी में अरब व्यापारियों के साथ शुरू हुई। लेकिन इसे शासकीय स्तर पर लागू करने की कहानी 12वीं सदी से शुरू होती है, जब मोहम्मद गोरी ने पहला कदम उठाया। इसके बाद कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, मुगल शासकों, ब्रिटिश काल और 20वीं सदी में मोहम्मद अली जिन्ना से जुड़े मुस्लिम वक्फ एक्ट तक यह परंपरा विकसित होती रही। ▶10पर

## लोकसभा से पारित हुआ वक्फ संशोधन विधेयक-2025

# नया वक्फ कानून बनने का रास्ता साफ

**नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पर देर रात तक चली बहस के बाद मतदान के जरिए वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से 232 मतों के मुकाबले 288 मतों से पास हो गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वक्फ संशोधन विधेयक-2025 के लोकसभा से पारित होने की औपचारिक घोषणा की। बहस की शुरुआत विधेयक पेश करने वाले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने की। इसके बाद प्रमुख रूप से गृह मंत्री अमित शाह, जगदंबिका पाल, रविशंकर प्रसाद, अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल, ए राजा समेत अन्य सांसदों ने हिस्सा लिया।

विधेयक पेश करते हुए रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक के विशेष पहलुओं से संसद को परिचित कराया था और कहा था कि देश के सभी सांसदों और राजनीतिक दलों को वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि यह देशहित में लिया गया फैसला है, वोटहित में लिया जाने वाला फैसला नहीं हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना के बाद सबसे अधिक जमीनें वक्फ बोर्ड की हैं। रेलवे की सम्पत्तियां देश की हैं। उस सम्पत्ति की सुविधाएं देश के लोगों को मिलती हैं। इसी तरह सेना की सम्पत्ति भी देश की है। जिस पर सेना का प्रशिक्षण, शोध, प्रयोग, अभ्यास, शिक्षण और रिहाइश होती। सेना की सम्पत्ति देश की सुरक्षा में इस्तेमाल होती है। उसके बाद सबसे अधिक सम्पत्ति वक्फ बोर्ड की है। वक्फ सम्पत्ति भी देश की है, लेकिन उसका इस्तेमाल देश के लिए क्या हो रहा है, इसका

### विधेयक के पक्ष में पड़े 288 वोट, विरोध में 232

### मैंने एक शमा जलाई है हवाओं के खिलाफ : रिजिजू

कोई प्रमाण नहीं है। जितनी सम्पत्ति वक्फ बोर्ड के पास थी, उससे देश के गरीब मुसलमान सम्पन्न हो गए होते, महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई होतीं, बच्चे-बच्चियां सहूलियत से अपनी शिक्षा-दीक्षा कर रहे होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तो वक्फ बोर्ड का धन कहां इस्तेमाल होता रहा? रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक इन्हीं ज्वलंत सवालों का हल तलाशने का प्रयास है।

अल्पसंख्यक कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान संसद में कहा कि वक्फ का मामला सम्पत्ति का है, इन सम्पत्तियों का प्रबंधन मुतव्वली करते हैं। उन्होंने इस दौरान सदन में 3 मामलों का जिक्र किया, ताकि समझा सकें कि वक्फ का मजहब से कोई लेना-देना नहीं है। पहला, सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया। इसमें केरल हाईकोर्ट ने फ़ैसला दिया था कि वक्फ बोर्ड एक नियामक संस्था है, ये मुस्लिमों की प्रतिनिधि संस्था नहीं है। दूसरा, हाफिज जफर अहमद बनाम यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि वक्फ बोर्ड का काम सिर्फ़ सम्पत्तियों का प्रबंधन है, मुनव्वलियों के कामकाज की प्रकृति सेक्युलर है, मजहबी नहीं। ▶10पर

## केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया

# 13000 वर्ग किमी वन क्षेत्र पर अवैध कब्जा

**नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के समक्ष यह स्वीकार किया है कि देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है। यह इतना बड़ा क्षेत्र है कि इतने में नौ दिल्ली (कुल क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर) बसाई जा सकती है। यह जमीन दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल भौगोलिक क्षेत्र से भी अधिक है।

### मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा भूमि पर अवैध कब्जा

### यूपी में 265 वर्ग किलोमीटर भूमि अवैध कब्जे में

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13,056 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र पर अतिक्रमण था। अभी 10 राज्यों ने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं। एनजीटी ने पिछले साल एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया था, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया था कि देश में 7,50,648 हेक्टेयर (या 7506.48 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जो दिल्ली के आकार की तुलना में पांच गुना अधिक है।

मध्य प्रदेश में सबसे अधिक वन (5,460.9 वर्ग किलोमीटर) पर अतिक्रमण था। असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है। वहीं, कर्नाटक में कुल 863.08 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 575.54 वर्ग किलोमीटर, अरुणाचल प्रदेश में 534.9 वर्ग किलोमीटर और ओड़ीशा में 405.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अतिक्रमण है। उत्तर प्रदेश में 264.97 वर्ग किलोमीटर, मिजोरम में 247.72 वर्ग किलोमीटर, झारखंड में 200.40 वर्ग किलोमीटर और छत्तीसगढ़ में 168.91 वर्ग किलोमीटर वन भूमि अतिक्रमण के अधीन है।

तमिलनाडु में यह आंकड़ा 157.68 वर्ग किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में 133.18 वर्ग किलोमीटर, गुजरात में 130.08 वर्ग किलोमीटर, पंजाब में 75.67 वर्ग किलोमीटर, उत्तराखंड में 49.92 वर्ग किलोमीटर, केरल में 49.75 वर्ग किलोमीटर, त्रिपुरा में 42.42 वर्ग किलोमीटर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 37.42 वर्ग किलोमीटर और मणिपुर में 32.7 वर्ग किलोमीटर है। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अभी वन अतिक्रमण पर विवरण नहीं दिया है, उनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 409.77 वर्ग किलोमीटर वन भूमि अतिक्रमण मुक्त की जा चुकी है। ▶10पर

## राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा

### लोकतंत्र में शासन कार्यपालिका करती है, न्यायालय नहीं

**नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र में शासन केवल कार्यपालिका द्वारा ही किया जा सकता है, न्यायालयों द्वारा नहीं, क्योंकि कार्यपालिका संसद और उसे चुनने वाले लोगों के प्रति जवाबदेह होती है। प्रश्नकाल के दौरान यह टिप्पणी जगदीप धनखड़ ने डीएमके सदस्य कनिमोझी की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के विकेंद्रीकरण की मांग पर की। ▶10पर

# नेपाल सीमा से हो रही टेरर फंडिंग और सोने की तस्करी

### नकली नोटों और मनी लॉन्ड्रिंग का धंधा खुलेआम

**सोनौली (नेपाल सीमा), 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** नेपाल से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में सभी करेंसी बदलने की अवैध सुविधा है। इसके लिए देश और मांग के हिसाब से तीन से चार प्रतिशत तक कमीशन तय है। यहां सोने की तस्करी के लिए भी कमीशन तय होता है। भार-नेपाल बॉर्डर पर नकली नोटों के धंधे के साथ-साथ काले नोटों को सफेद करने (मनी लॉन्ड्रिंग) का धंधा भी बेखौफ चल रहा है।

नेपाल बॉर्डर पर करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर के विस्तृत भ्रमण के दौरान सीमा के सात जिलों में पीलीभीत से महराजगंज तक तस्करों का मजबूत नेटवर्क सामने दिखता है। गेहूं के साथ राइस ब्राउन का खेल खुलेआम हो रहा है। सोने की सौदेबाजी हो रही है। मनी एक्सचेंज का काला कारोबार बेतहाशा हो रहा है। सीमा पर हर करेंसी को 3 से 4 फीसदी कमीशन में नेपाली और भारतीय रुपए में बदलने का पूरा इंतजाम है। इसका खामियाजा नेपाल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची की कार्रवाई के रूप में भुगत रहा है। संस्था के अनुसार नेपाल टेरर फंडिंग के लिए सुरक्षित ठिकाना है। इसकी एक कड़ी अवैध मनी एक्सचेंज भी है। मनी एक्सचेंज में कमीशन देश, मांग और जरूरत के हिसाब से बदलता रहता है। बहराइच जिले के रुपईडीहा बॉर्डर पर तीन प्रतिशत पर भारतीय दो हजार रुपए को नेपाली मुद्रा में बदला जा रहा है। वहां पाकिस्तानी करेंसी भी बदली जा रही है। धंधे के एक एजेंट ने कहा, कितनी भी करेंसी हो एक्सचेंज होगी। ▶10पर

## पाकिस्तानी सेना के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब

### भारतीय सेना ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

**पुंछ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के नापाक इरादों को नाकाम कर दिया है। दरअसल, पड़ोसी मुल्क की सेना ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश की। उनकी ओर से फायरिंग भी की गई। हालांकि, भारतीय सेना के मुस्तैद जवानों की जवाबी कार्रवाई ने उन्हें उल्टे पैर भागने को मजबूर कर दिया। ▶10पर

## तमिलनाडु विधानसभा में सर्व-समर्थन से प्रस्ताव पारित

### भारत में वापस चाहिए कच्चातिवु द्वीप

**चेन्नई, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के लिए तमिलनाडु विधानसभा में आज एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव को लेकर सीएम स्टालिन ने कहा कि इस द्वीप को वापस पाना ही इस समस्या का हल है और केंद्र सरकार को श्रीलंका के साथ समझौते में संशोधन करना चाहिए।तमिलनाडु में एक बार फिर कच्चातिवु द्विप लेकर राजनीतिक गलियारे में सियासी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया, जिसे सभी राजनीतिक दलों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। विधानसभा के स्पीकर अप्पावु ने इस प्रस्ताव की घोषणा की। प्रस्ताव के पारित होने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब दिया। बता दें कि विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने डीएमके पर आरोप लगाया था कि सत्ता में रहते हुए सरकार ने इस मुद्दे को अनदेखा किया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कच्चातीवु द्वीप को वापस लेने के प्रस्ताव पर अब बात हो रही है, ▶10पर

## विमानन क्षेत्र से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक राज्यसभा में मंजूर

### मनमाने किराये और महंगे सामान पर कसेगी लगाम

**नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** राज्यसभा ने विमानन क्षेत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें विमान एवं इंजन जैसी विमानन परिसम्पत्ति की वसूली को लेकर एयरलाइन और पट्टा देने वालों के बीच विवादों का समाधान अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार करने का प्रावधान है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इससे हवाई किराए को कम करने में आंशिक रूप से मदद मिलने की उम्मीद है। ▶10पर

# पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी अस्वस्थ कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया

**इस्लामाबाद,02 अप्रैल (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मीडिया में उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबरें आने के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से संपर्क किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

हालांकि राष्ट्रपति कार्यालय या पीपीपी की ओर से अपने सह अध्यक्ष के स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सुबह मीडिया आउटलेट्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति जरदारी को नवाबशाह से लाए जाने के बाद कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पार्टी के एक करीबी सूत्र ने बताया कि उनकी कुछ जांचें की जा रही हैं और उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।

प्रेस सूचना विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज ने राष्ट्रपति से संपर्क किया और उनका हालचाल पूछा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस बीच, सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन को फोन कर जरदारी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा और अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। अक्टूबर 2024 में विमान से उतरते समय राष्ट्रपति के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। गिरने के बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने उनके पैर में प्लास्टर चढ़ा दिया।

69 वर्षीय राष्ट्रपति को हाल के वर्षों में स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हुई हैं। मार्च 2023 में उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में आंख की सर्जरी करवाई।

## न्यूज़ ब्रीफ

### बांग्लादेश में ढाका-चटगांव राजमार्ग पर 12 घंटे में दो हादसे, 10 की मौत, 27 घायल

**ढाका।** बांग्लादेश के ढाका-चटगांव राजमार्ग पर लगभग 12 घंटों के दौरान दो सड़क हादसे में 10 यात्रियों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए। सुबह हुए हादसे में जान गंवाने वाले सात लोगों में से किसी की भी अब तक पहचान नहीं हो पाई है। सुबह करीब सात बजे चटगांव के लोहागरा उप जिला में ढाका-चटगांव राजमार्ग पर एक यात्री बस और एक मिनी बस के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। लोहागरा पुलिस थाने के प्रभारी आरिफुर रहमान ने बताया कि मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। यह हादसा चुंटी राजमार्ग खंड के जंगलिया इलाके में हुआ। रिलैक्स परिवहन की बस की कॉक्स बाजार जा रही एक मिनी बस से टक्कर हो गई। मिनी बस के सात यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी शव लोहागरा उप जिला स्वास्थ्य केंद्र भेज दिए गए हैं। इसके अलावा इसी राजमार्ग पर मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे कुमिला के चंदिना उप जिला में एक बस के बिजली के खंभे और पेड़ से टकरा जाने से तीन यात्रियों (सभी पुरुष) की मौत हो गई और कम से कम 25 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। घायलों को चंदिना उप जिला स्वास्थ्य केंद्र से कमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

### नेपाल-थाईलैंड प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता, कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

**काठमांडू।** थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा पर गए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पेटोंगट्रान शिनावात्रा के बीच बुधवार को बैंकाक में हुई मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। बैंकाक में दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच बैठक में शामिल हुईं नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा ने कहा कि थाईलैंड के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापना के 65 साल के बाद पहली बार नेपाल के प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा होना अपने आप में ऐतिहासिक है। इससे पहले थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने एक सरकारी इमारत में प्रधानमंत्री ओली का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बैठक के बाद संस्कृति और पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. आरजू ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

### दक्षिण कोरिया: राष्ट्रपति के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 को, 14 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

**सोल।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 अप्रैल को होना है। कहीं कोई अप्रिय स्थिति न बने इसके लिए 14 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने पुलिस बलों को गैफो अलर्ट पर रखा है, जो उच्चतम स्तर है और सभी उपलब्ध पुलिस बलों को आपातकालीन स्टैंडबाय पर रखता है। सभी संवैधानिक न्यायालय के जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस संवैधानिक न्यायालय परिसर में घुसने का प्रयास करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी। यदि यून फैसले के लिए अदालत में उपस्थित होते हैं, तो पुलिस राष्ट्रपति निवास से संवैधानिक न्यायालय तक के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाएगी और रास्ते में उनके पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अलग करेगी। लॉयर्स फॉर ए डेमोक्रेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष यून बोक-नाम, जिन्हें मिनब्यून के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि यून के महाभियोग के फैसले की तारीख बहुत देर से आई है, लेकिन फिर भी यह राहत की बात है।हालांकि, संवैधानिक न्यायालय के पास यून समर्थक प्रदर्शनकारियों ने कोरियाई और अमेरिकी झंडे लहराते हुए महाभियोग खारिज करो के नारे लगाए। पुलिस ने कथित तौर पर न्यायालय की घोषणा के बाद मंगलवार दोपहर तक संवैधानिक न्यायालय के पास लगभग 3,200 कर्मियों को तैनात कर दिया। न्यायालय यदि महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखता है, तो यून को पद से हटा दिया जाएगा। अगर इसे खारिज कर दिया जाता है, तो उन्हें मई 2027 तक अपने शेष कार्यकाल को पूरा करने के लिए बहाल कर दिया जाएगा।

# इमरान के पुन: नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट होने पर घिरेगी सरकार

**इस्लामाबाद,02 अप्रैल (एजेंसियां)।**

दुनियां में शानदार क्रिकेटर के तौर पर मशहूर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्हें पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए नामांकित किया गया है। नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी 'पार्टियेट सेंट्रम' से जुड़े पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस (पीडब्ल्यूए) ने यह घोषणा की है। इससे पर राजनीतिक तौर पर पाकिस्तान की शाहबाज सरकार घिर सकती है, क्योंकि उस पर जबरन इमरान को जेल में बंद रखने के आरोप भी समय-समय पर लगते रहे हैं। यहां बताते चलें कि इससे पहले, 2019 में भी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का नाम नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया था। उस वक्त उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के प्रयासों के लिए यह नामांकन मिला था। दरअसल बालाकोट हवाई हमले के बाद इमरान खान ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की पहल की थी, जिसके समर्थन में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव भी पेश किया गया था।

### पीडब्ल्यूए ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

पार्टियेट सेंट्रम ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इमरान खान को बार-बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए यूं नामित किए जाने से पाकिस्तान की मौजूदा सरकार की खासी किरकिरी होना लाजमी है। इमरान समर्थक इसे ढाल बनाकर शाहबाज सरकार पर निशाना साध सकते हैं। जानकारों की मानें तो इस समय पाकिस्तान की मौजूदा सरकार विश्व में हुए बदलाव से खासे दबाव में है।

### रावलपिंडी की जेल में बंद हैं इमरान

इमरान खान 2023 से पाकिस्तान की रावलपिंडी स्थित अडियाला जेल में बंद हैं। जनवरी 2025 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने उन्हें 14 साल की सजा सुनाई। उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। यहां बताते चलें कि 9 मई 2023 को इमरान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में सेना के अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

### क्या इमरान को मिल सकता है नोबेल

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई चरणों में प्रक्रिया संपन्न होती है। यह तय करना नोबेल समिति के हाथ में होता है कि किसे अंतिम सूची में रखा जाएगा। इमरान खान का नामांकन एक बड़ा मुद्दा बन सकता है, क्योंकि वे इस समय जेल में बंद हैं और पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल जारी है।

### बच्चों से दरिंदगी करने वालों को जेल से छूटने से पहले बनाया जाएगा नपुंसक

**रोम।** वर्ष 2014 में, साइप्रस ने दोषी बाल यौन अपराधियों के लिए अनिवार्य आजीवन कारावास की सजा लागू की थी। प्रस्ताव के अनुसार न्यूनतम सजा को 18 साल तक बढ़ाया जाएगा, और रिहाई की शर्त यह होगी कि उनका एंड्रोजन-ब्लॉकिंग दवाओं के साथ बधियाकरण किया जाएगा। बच्चों से दरिंदगी के दोषी ठहराए गए अपराधियों को जल्द ही जीवन भर जेल में रहने के बजाय रासायनिक ढंग से बधियाकरण करके जेल से बाहर भेजा सकता है। पिछले साल सितंबर में इटली में एक समान योजना पेश की गई थी। इस विवादास्पद योजना का नेतृत्व इटली की दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने किया था, जो 2022 से सत्ता में हैं। वह कानून और व्यवस्था पर सख्ती से कार्रवाई करना चाहती थीं और नए कानूनों के साथ-साथ कड़े दंड लाने की योजना बना रही थीं। उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से, उसने दर्जनों नए अपराधों को कायम करने और दंड में बढ़ोतरी करने वाले कानून पेश किए हैं। उनके रासायनिक बधियाकरण की योजनाओं की विपक्षी समूहों द्वारा 'चरमपंथी' और 'मानवता और न्याय का उल्लंघन' कहकर आलोचना की गई है। साइप्रस इस लिस्ट में सबसे नया यूरोपीय देश है, जो बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषियों को रोकने के लिए इस विवादास्पद तरीके का उपयोग करना चाहता है। साइप्रस के डेमोक्रेटिक एलाइनमेंट पार्टी के सांसद मिचालिस यियाकूमी ने देश में बाल शोषण के मामलों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए नए कानून की योजना बनाई है।यियाकूमी ने कहा कि संसदीय अध्ययन बताते हैं कि बाल बलात्कारी अक्सर फिर से अपराध करते हैं। यदि आजीवन कारावास नहीं लगाया जाता है, तो आगे के अपराधों और एक और बच्चे के जीवन के विनाश को रोकने के लिए यह अतिरिक्त दंड आवश्यक है। यह अस्वीकार्य है कि वे इतनी छोटी सजा काटें और बिना कड़े प्रतिबंधों के रिहा हो जाएं। यह विधेयक अभी साइप्रस में मंजूर नहीं हुआ है और इसे बाद में संसद में चर्चा के लिए पेश किया जाएगा, जबकि इसके विरोधी इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन मानते हैं। यह प्रक्रिया पहले से ही 12 यूरोपीय देशों में स्वैच्छिक रूप से उपयोग की जा रही है। रूस और पोलैंड में और कुछ अमेरिकी राज्यों में कुछ अपराधों के लिए अनिवार्य रासायनिक बधियाकरण की अनुमति है। 2024 में कजाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर रासायनिक बधियाकरण की घोषणा की। ग्यारह बाल यौन अपराधियों को देश के यौन अपराधियों पर नवीनतम कार्रवाई में एक साल में 24 इंजेक्शन लगवाए गए। उसी साल की शुरुआत में मेडागास्कर की संसद ने एक नया कानून मंजूर किया, जिसके तहत 10 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बलात्कार करने का दोषी पाए जाने पर सर्जिकल बधियाकरण और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। जबकि यदि पीड़ित की उम्र 10 से 13 साल के बीच है, तो उन्हें रासायनिक बधियाकरण और 15 से 20 साल के कठोर श्रम की सजा दी जाएगी।

# तीसरे विश्व युद्ध की आहट नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वीडन ने बनाए परमाणु निरोधक बंकर

**स्टॉकहोम,02 अप्रैल (एजेंसियां)।**

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच स्वीडन को लगने लगा है कि तीसरा विश्व युद्ध होगा। इसी आशंका के बीच स्वीडन ने आपनी तैयारी शुरु कर दी है। नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए 64 हजार से अधिक सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल बनाए हैं। इससे नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों के नुकसान से बचाया जा सकता है। स्वीडन की नागरिक सुरक्षा एजेंसी (एमएसबी) ने घोषणा की है कि वह अपनी नागरिक सुरक्षा बंकरों के नवीनीकरण के लिए 100 मिलियन क्रोनर का निवेश करेगी। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों से बचाना है।

स्वीडन में पहले से ही लगभग 64,000 सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। ये बंकर लगभग सात मिलियन नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं, जो स्वीडन की कुल जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा है। इसके बावजूद, स्वीडन ने अपने सुरक्षा उपायों को और अधिक उन्नत करने के लिए बंकरों की जांच और नवीनीकरण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। विशेष रूप से, मार्च 2024 में स्वीडन के नाटो में शामिल होने के बाद से इन बंकरों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने बताया कि इस नवीनीकरण परियोजना के तहत, बंकरों में मौजूद फिल्टर सिस्टम को उन्नत किया जाएगा ताकि रासायनिक और रेडियोलॉजिकल हमलों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, इन बंकरों को परमाणु हमलों, बम के टुकड़ों, शॉकवेव्स, और हीटवेव से बचाव के लिए भी डिजाइन किया गया है। बंकरों में नागरिकों को रेडियोधर्मी फॉलआउट, रासायनिक गैस, और जैविक हथियारों से सुरक्षा प्राप्त होगी।

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने जनवरी 2024 में कहा था, स्वीडन युद्ध में नहीं है, लेकिन शांति भी नहीं है। यह बयान यूरोप में बढ़ते सुरक्षा खतरे और एक संभावित बड़े संघर्ष की आशंका को दर्शाता है। स्वीडन में इस प्रकार की तैयारियां विशेष रूप से इसलिए की जा रही हैं क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति अस्थिर हो गई है।

### ज्वालामुखी से निकला लावा

आईसलैंड में एक ज्वालामुखी से निकलता हुआ लावा।

# अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी शरणार्थियों में से तीन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया

**काठमांडू,02 अप्रैल (एजेंसियां)।**

**अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी नागरिकों को भूटान सरकार ने अपने यहां रखने से इनकार करते हुए उन सभी को वापस नेपाल भेज दिया है। इनमें से तीन भूटानी शरणार्थियों को नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिका जाने से पहले ये सभी 10 लोग नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविरों में रह रहे थे।**

नेपाल के झापा जिले के एसपी मिलन केसी ने बुधवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने के बाद अवैध रूप से नेपाल में प्रवेश करने वाले 10 में से तीन भूटानी नागरिकों को मंगलवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता लगा है कि अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद भूटान सरकार ने उन्हें अपने यहां रखने से इनकार कर दिया जिसके बाद वो भारत के रास्ते नेपाल में दोबारा आ गए हैं।

अमेरिका की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा नेपाल में रह रहे भूटानी शरणार्थियों को ले जाया गया था लेकिन अब उनको अमेरिका से वापस भेजा जा रहा है। बीते सोमवार को अमेरिका से दिल्ली होते हुए थिंपू भेजे गए 10 नागरिकों को भूटान सरकार ने अपने यहां रखने से इनकार किया है। नेपाल में पुलिस नियंत्रण में लिए गए भूटानी नागरिकों ने बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद उन्हें जब सोमवार को थिंपू एयरपोर्ट पर उतारा गया तो वहां की सरकार ने प्रति व्यक्ति 30 हजार रुपये देकर भूटान से विदा कर दिया। नेपाल में गिरफ्तार किए गए भूटानी नागरिकों ने बताया कि चूंकि वो नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविर से अमेरिका गए थे इसलिए भूटान सरकार ने उन्हें दोबारा शरणार्थी शिविर में रहने के लिए भेजा है।

# डेमोक्रेटिक बुकर 25 घंटे तक सीनेट में लगातार बोलते रहे राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के खिलाफ

**वाशिंगटन,02 अप्रैल (एजेंसियां)।**

अमेरिकी सांसद (सीनेटर) कॉरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यूजर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर बुकर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 25 घंटे और पांच मिनट लगातार बोलकर1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था।

खबर में बुकर के इस ऐतिहासिक भाषण पर विस्तार से चर्चा की गई है। 55 वर्षीय बुकर ने सोमवार शाम सात बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा, मैं रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है। बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से फिलिबस्टर नहीं था। इसका सीधा मतलब है कि यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। न ही कार्यवाही को रोकने के लिए किसी विशिष्ट उपाय पर बहस के दौरान हुआ। यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ था। बुकर ने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया। कॉरी ने कहा कि पिछले 71 दिन में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकियों को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। बुकर ने मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला और ट्रंप की विदेश नीति का तीखा विरोध किया। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र भी पढ़े। इनमें ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र था। बुकर ने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का कई बार उल्लेख किया। इस दौरान कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। इनमें चक शूमर प्रमुख हैं। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है।

### नहीं थम रहे भूकंप के झटके, म्यांमार और थाईलैंड के बाद हिली पाकिस्तान की धरती

**इस्लामाबाद।** दुनिया में लगभग हर रोज कहीं न कहीं भूकंप के कम या ज्यादा झटके महसूस हो रहे हैं। म्यांमार और थाईलैंड में तबाही मचाने के बाद भूकंप ने अब पाकिस्तान में खबलची मचाई है। पाकिस्तान में देर रात भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की वजह से पाकिस्तान की धरती कांप उठी। रात में सोए लोगों की नींद खुल गई और वे घर से बाहर भागने लगे। फिलहाल, किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, पाकिस्तान में 2 अप्रैल को तड़के 2 बजकर 58 मिनट पर यह भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 थी। इसकी वजह से पाकिस्तान की धरती रात में ही डोलने लगी। लोगों को बेड हिलते महसूस हुए। फिलहाल, अब तक किसी के नुकसान की कोई खबर नहीं है। यह भूकंप ऐसे वक्त में आया है, जब म्यांमार और बैंकॉक में भूकंप की विनाशलीला दुनिया देख रही है। म्यांमार में पिछले सप्ताह आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,700 से अधिक हो गई है जबकि हजारों लोग घायल हैं।

## चिली के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी की तारीफ में खूब पढ़े कसीदे

# मोदी भू-राजनीति के सबसे अहम खिलाड़ी

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने भारत दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी को इस वक्त का सबसे ताकतवर नेता बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल में प्रधानमंत्री मोदी सबसे अहम खिलाड़ी हैं। भारत के भू-राजनीतिक रुख पर बोलते हुए चिली के राष्ट्रपति ने कहा, भारत विश्व में शांति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी की आजकल एक अजीब स्थिति है कि वे दुनिया के हर नेता व्लादिमीर पुतिन, डोनाल्ड ट्रंप, वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात कर सकते हैं। वे यूरोपीय संघ, ब्रिक्स या ईरान और ब्रिक्स में लैटिन अमेरिकी नेताओं समेत सभी से संपर्क कर सकते हैं, उन्हें अहम सुझाव दे सकते हैं। यह कुछ ऐसा है, जो अब कोई अन्य नेता नहीं कर सकता। आप आजकल भू-राजनीतिक माहौल में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में चिली के राष्ट्रपति का स्वागत किया और उनके सम्मान में भोज का आयोजन किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चिली के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों सहित अन्य नेता मौजूद थे। यहां उन्होंने कहा, भारत में किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत हूं। मैं पहली बार राजकीय यात्रा पर यहां आया हूं। मैं यहां मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 16 वर्षों से चिली से कोई भी यहां नहीं आया है और इन 16 वर्षों में भारत बहुत बदल गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट के सम्मान में एक भोज का आयोजन किया। इस दौरान वहां मौजूद अतिथिगणों को संबोधित करते हुए चिली के राष्ट्रपति कहा कि चिली भारत के साथ हमारे संबंधों पर काम करना चाहता है। उन्होंने कहा, चिली एक ऐसा देश है जो दुनिया से जुड़ा हुआ है और अब हम भारत के साथ अपने संबंधों पर काम करना चाहते हैं। आज हमने कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने भारत के साथ अपने देश के संबंधों की अहमियत पर भी बात की। उन्होंने रणनीतिक आजादी और आपसी सहयोग की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, चिली एक ऐसा देश है जो दुनिया से जुड़ा हुआ है। हम किसी एक विशेष देश पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि हमारे चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, हमारे क्षेत्र के देशों, लैटिन अमेरिका, एशिया प्रशांत, जापान, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध हैं। अब हम भारत के साथ अपने संबंधों को और अधिक गहराई से काम करना चाहते हैं। इसके लिए हमने आज कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक और प्रधानमंत्री मोदी दोनों की पहली मुलाकात नवंबर 2024 में रियो डी जेनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। वायुसेना स्टेशन पालम पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति बोरिक के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी राष्ट्रपति बोरिक से मुलाकात की। राष्ट्रपति बोरिक के साथ विदेश मामलों, कृषि, खनन, महिला और लैंगिक समानता तथा संस्कृति, कला और विरासत मंत्री, संसद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी नेता भी आए हैं।

# भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया : अश्विनी

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया है जिसमें परिचालनिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

भारतीय जनता पार्टी के बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री से भारतीय रेलवे, विशेषकर छत्तीसगढ़ में रिक्तियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी। उन्होंने इन रिक्तियों को भरने की समय-सीमा और नए भर्ती कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर जानकारी मांगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रेलवे में रोजगार और उनके प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रेलवे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता आवश्यक है ताकि योग्य अभ्यर्थियों को उचित अवसर मिल सके। छत्तीसगढ़ में रेलवे भर्ती और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधनों को सुदृढ़ करने की मांग करते हुए उन्होंने रेल मंत्रालय से विशेष ध्यान देने का आग्रह किया ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

रेल मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील देने के बाद रेलवे ने दो प्रमुख परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया और 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गयी। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल (2004-2014) में 4.11 लाख भर्तियां हुई थीं, जबकि भाजपा के 10 वर्ष के शासनकाल (2014-2024) में 5.2 लाख भर्तियां हुई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि रेल मंत्रालय ने 2024 से समूह 'ग' पदों की भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है, जिससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति आएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य या क्षेत्र के उम्मीदवारों को विशेष प्राथमिकता नहीं दी जाती और न ही भर्ती प्रक्रिया को किसी राज्य तक सीमित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में रेलवे कर्मचारियों के प्रशिक्षण को लेकर भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोनल मुख्यालय बिलासपुर स्थित क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान और रायपुर, भिलाई, उसलापुर (बिलासपुर) में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र रेलवे कर्मचारियों की दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही तकनीकी कौशल को उन्नत करने के लिए पुनश्चर्या और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

## गुजरात के जामनगर में बड़ा हादसा

# जगुआर फाइटर प्लेन क्रैश, दूर तक बिखरे विमान के टुकड़े

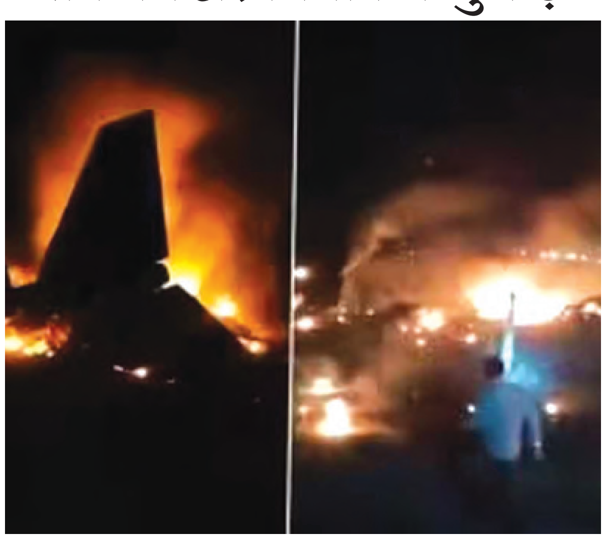

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर में उस समय हड़ंप मच गया जब एक फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। रक्षा सूत्रों के मुताबिक घटना सुवरडा गांव के बाहरी इलाके की है, जहां जगुआर फाइटर प्लेन क्रैश होकर कई टुकड़ों में टूट गया। विमान के टुकड़े दूर तक जाकर गिरे। हादसे के बाद इलाके में धुएं का गुबार फैल गया।

घटना के बाद का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पायलट जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है और उसके आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा है. साथ ही आसपास विमान के टुकड़े बिखरे पड़े हैं और आग लगी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पायलट को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वायुसेना के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और क्रैश के कारणों का पता लगाने में जुट गए। बता दें कि पिछले महीने भी हरियाणा के पंचकूला के पास सिस्टम में खराबी के कारण एक और जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। पायलट सुरक्षित रूप से विमान को आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने में कामयाब रहा। विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी।

# नक्सल विरोधी अभियान में मुठभेड़ में 02 खूंखार नक्सली धराशायी

भोपाल, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्र एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा मार्च, 2026 तक भारत को वामपंथी अतिवाद की पुरानी समस्या से मुक्त करने के उद्देश्य से अपनाई गई बहुआयामी रणनीति के तहत मध्यप्रदेश पुलिस ने आज एक मुठभेड़ में माओवादियों के एम.एम.सी. जोन (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) के के.बी. डिवीजन (कान्हा भोरमदेव) की भोरमदेव एरिया कमेटी के 02 हार्डकोर महिला नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के विरूद्ध लगातार आक्रामक कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के मुंडीदादर-गनेरीदादर-परसाटोला जंगल क्षेत्र में माओवादियों की सूचनाएं मिलने पर इनकी तलाश के लिए सुरक्षा बलों को जंगल में भेजा गया था।

# आप्रवास विधेयक को संसद की मंजूरी, देश में आने वालों पर कड़ी नजर रखी जायेगी: राय

नई दिल्ली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा ने देश में प्रवेश, निवास और यात्रा से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल तथा पारदर्शी बनाने और विदेशियों तथा आप्रवासन से संबंधित सभी मामलों को विनियमित करने वाले आप्रवास और विदेशी विषयक विधेयक 2025 को विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इसके साथ ही इस विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है।

विपक्षी सदस्यों ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन से बहिर्गमन किया।

श्री राय ने विधेयक पर चार घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पुराने कानून के कमजोर और बिखरे हुए होने के कारण संबंधित कानूनों को समाहित करके नया कानून बनाना जरूरी हो गया था। उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश की आंतरिक सुरक्षा तथा अर्थतंत्र को मजबूती देगा और वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के लिए मजबूत नींव रखने के लिए लाया गया है।

विपक्ष के देश में भय का माहौल बनाने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में भय का माहौल बनाने के लिए नहीं बल्कि देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त विदेशियों को देश से बाहर निकालने तथा उनके देश में प्रवेश पर रोक लगाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि देश में आने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जायेगी।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक को तीन वर्ष के गहन विचार विमर्श के बाद देश की आवश्यकता के अनुरूप लाया गया है और इसमें देश में आने वाले के लिए वैध दस्तावेजों की अनिवार्यता की गयी है।

उन्होंने कहा कि देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए आने वाले लोगों का स्वागत है लेकिन देश विरोधी गतिविधि चलाने वालों को देश में नहीं रूकने दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसीलिए देश में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सूचना और निगरानी को अनिवार्य बनाया गया है।

श्री राय ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तत्कालीन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के शासन में घुसपैठ को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सीमा में अभेद्य बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है। जमीन मिलते ही सरकार वहां बाड़ लगाने का काम शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को वहीं सफलता मिल रही है जहां भाजपा की सरकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बीएसएफ के कार्य में बाधा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों से घुसपैठ में कमी आयी है और राज्य सरकार को इसमें और सहयोग करना चाहिए।

विपक्ष के ज्यादातर दलों ने उनकी इस बात का विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

उन्होंने कहा कि आप्रवास ब्यूरो देश में पहले से ही कार्य कर रहा है और इस तरह के ब्यूरो कई अन्य देशों में भी हैं। इससे अप्रवासियों की सुविधा बढ़ेगी ।

श्री राय ने कहा कि विधेयक के प्रावधानों में देश के करोड़ 72 लाख एनआरआई की सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार किसी को डराना नहीं चाहती है लेकिन देश विरोधी गतिविधियां चलाने वालों को तो डरना ही पडेगा। उन्होंने सदस्यों के इस आरोप का खंडन किया कि सीएए कानून अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सीएए कानून की अधिसूचना पिछले वर्ष ही कर दी गयी थी। उन्होंने कहा कि इस कानून के आधार पर 36 हजार घुसपैठियों को बाहर किया गया है। विधेयक में अपील का कानून नहीं होने पर उन्होंने कहा कि यह किसी देश में नहीं है।

इस विधेयक से देश की छवि बिगडने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि देश की छवि उस समय बिगडती है जब देश में आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है।

विधेयक में पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) एक्ट, 1920, विदेशियों का पंजीकरण एक्ट, 1939, विदेशी विषयक एक्ट, 1946 और आप्रवास (वाहक दायित्व) एक्ट, 2000 को निरस्त कर इसकी जगह पर एक समावेशी कानून बनाया गया है।

# पीलीभीत टाइगर रिजर्व के माला जंगल में धधकी आग

पीलीभीत, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में सप्ताहभर में आग लगने की दूसरी घटना हुई है। माला जंगल में मंगलवार को भड़की आग ने बुधवार को विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों और किसानों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में मंगलवार को माला रेंज के जंगल में धधकी आग ने बुधवार को विकराल रूप धारण कर लिया। आग खेतों के नजदीक बढ़ती देख हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों के अलावा किसानों ने 10 से अधिक ट्रैक्टरों की मदद से आग पर बमुश्किल काबू पाया। किसानों का आरोप है कि जंगल में आग बुझाने में लापरवाही से बरती गई।

गर्मी और तेज हवा चलने से आग की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। इसको देखते हुए पीटीआर में भी फायर सीजन शुरू कर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। कंट्रोल

रूम स्थापित करने के साथ रेंज स्तर पर भी गंभीरता बरतने की हिदायत दी गई, लेकिन सतर्कता के दावों के बीच पांच दिन पूर्व महोफ के जंगल में आग लगने से 50 हेक्टेयर दायरे में ग्रासलैंड और पेड़ों को नुकसान पहुंचा था।

मंगलवार को माला रेंज के जंगल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देर शाम जानकारी होने पर पीटीआर की टीम आग पर काबू पाने के प्रयासों में जुटी, लेकिन बुधवार को हवा चलते ही आग फिर धधक उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मथना बैरियर के निकट नहर के क्षेत्र में होकर आग जंगल सीमा की ओर बढ़ने लगी। आग की लपटें देख जंगल से सटे इलाकों के किसानों में खलबली मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गेहूं की फसल को बचाने के लिए किसान एकत्र हुए और 10 से अधिक ट्रैक्टरों की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए।

माला जंगल के मथना क्षेत्र में लगी आग जैसे ही मथना जप्ती और पुरैनी दीपनगर की सीमा में पहुंची तो सैकड़ों किसान एकत्र हो गए। किसानों ने स्प्रे मशीन के अलावा जुताई कर आग पर काबू पाया। सुरक्षा के लिहाज से किसान देर शाम तक खेतों की ओर जुटे रहे। किसानों का आरोप है कि मंगलवार को जंगल में आग लगी थी। बुझाने में लापरवाही बरतने से आग जंगल सीमा से सटे इलाके तक पहुंच गई। प्रयास कर आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तो फसलों को बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 भी मौके पर पहुंची थी।

माला जंगल में लगी आग का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आग कितने दायरे में फैली और नुकसान की क्या स्थिति रही, इसपर भी अभी संशय है। अफसरों ने घटना की हकीकत परखने के लिए एसडीओ स्तर के अधिकारी जिम्मेदारी सौंपी है। डीएफओ मनीष सिंह ने बताया कि माला रेंज के जंगल में आग लगने की वजह आदि की जांच कराई जा रही है।

जिले में आग की घटनाओं से निपटने के लिए संसाधनों की भी काफी कमी है। दमकल विभाग के आंकड़ों के अनुसार उनके पास तीन बड़े वाहन हैं। इसमें एक मुख्यालय व एक-एक पूरनपुर और बीसलपुर में वाहन उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा कूड़े आदि की आग बुझाने के लिए एक फायर बाइक है। तीन बड़े वाहनों में ढाई से लेकर पांच हजार लीटर तक का स्टोरेज ड्रम हैं। सीएफओ अनुराग सिंह ने बताया कि उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। सूचना पर टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुट जाती है। चालक की कमी नहीं है।

# वक्फ बिल पर चर्चा संसद में, हलचल यूपी में

लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में वक्फ अधिनियम 1995 पर चर्चा चल रही थी। इस बीच उत्तर प्रदेश में शांति व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बलों की तैनाती चाक-चौबंद की गई। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। स्वीकृत छुट्टियां लेने वाले जवानों को वापस ड्यूटी पर बुला लिया गया। उत्तर प्रदेश के आईजी (लॉ एंड ऑर्डर) की ओर से प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदेश दिया।

उधर, वक्फ संशोधन बिल को लेकर पुराना लखनऊ के घंटाघर इलाके में पुलिस फोर्स और पैरामिलिट्री फुट पेट्रोलिंग कर रहे हैं। पुलिस हजरतगंज, परिवर्तन चौक, लोक भवन और विधान भवन के आस-पास भी पेट्रोलिंग कर रहे है। वाराणसी में बिल को लेकर विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस प्रशासन लगातार संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रही है।

इंटेलिजेंस की सूचना के अनुसार, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया से जुड़े लोग इन दिनों वाराणसी में सक्रिय हैं। मस्जिदों के आसपास फोर्स तैनात की गई है। कानपुर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जिले में ईद से पहले जुमा की नमाज में कुछ लोगों ने काली पट्टी बांधकर वक्फ बिल का विरोध किया था। इसे देखते हुए पुलिस सावधानी बरत रही है।

# सायरा बानो और फरीदा जलाल संग ईद का जश्न मनाया ताहा शाह

ताहा शाह बदुशा के लिए 2025 की ईद यादगार रही। और क्यों न हो, जब उन्होंने रमज़ान के पाक महीने के समापन का जश्न सायरा बानो और फरीदा जलाल जैसी दिग्गज हस्तियों के साथ मनाया? कोई भी होता, तो यह खास मौका बन जाता! ताहा ने अपनी ईद सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा, लीजेंड सायरा जी और फरीदा जी की मौजूदगी में ईद किसी जादू से कम नहीं लगती। उनकी गरिमा, समझदारी और स्नेह हर पल को आशीर्वाद बना देता है। उनकी कहानियों, उनकी रोशनी और उनके द्वारा दी गई बेपनाह मोहब्बत के लिए दिल से शुक्रगुजार हूँ।

इस जश्न में ताहा की 'हीरामंडी' टीम भी शामिल हुई। फरीदा जलाल, जो पहले से मौजूद थीं, उन्होंने कुदसिया बेगम (ताजदार की दादी) की भूमिका निभाई थी। इनके साथ 'हीरामंडी' के लेखक मोइन बेग भी इस खास मौके का हिस्सा बने। ताहा ने सभी के साथ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें एक फोटो दिलीप कुमार और सायरा बानो के खूबसूरत पोर्ट्रेट के साथ खिंचवाई गई उनकी तस्वीर भी शामिल थी।

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में ताजदार बलोच के किरदार से जबरदस्त प्रसिद्धि पाने वाले ताहा शाह बदुशा अब अपनी अगली फिल्म 'पारो – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' की रिलीज़ की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में वह प्रसिद्ध मराठी अभिनेत्री तृप्ति भोइर के साथ नज़र आएंगे। यह फिल्म दुनिया भर के फिल्म समारोहों में तथा चुनिंदा भारतीय फिल्म बिरादरी के लोगों के लिए प्रदर्शित की जा चुकी है, 'पारो' ब्राइड्स, जिन्हें मोलकी ब्राइड्स के नाम से भी जाना जाता है, उनकी पीड़ा और संघर्ष को उजागर करने के लिए फिल्म की काफी सराहना हो रही है।

# करीना कपूर खान, आदित्य रॉय कपूर, रोहित सराफ और अन्य सितारें भारत में विविएन वेस्टवुड के डेब्यू शो में हुए शामिल

फैशन इंडस्ट्री के सबसे प्रतिष्ठित लग्ज़री ब्रांड्स में से एक, यूके स्थित विवियन वेस्टवुड ने 1 अप्रैल को भारत में अपना पहला शो आयोजित किया। मुंबई के प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया में हुए इस भव्य आयोजन में पूरा बॉलीवुड सितारों से जगमगा उठा। करीना कपूर खान, मीरा राजपूत, रोहित सराफ, दिशा पटानी, राधिका मर्चेंट, अंजलि मर्चेंट, आदित्य रॉय कपूर, विजय वर्मा, मानुषी छिल्लर, जान्हवी कपूर, ट्विंकल खन्ना, पत्रलेखा, वाणी कपूर सहित कई बड़े सितारों ने इस हाई-प्रोफाइल फैशन इवेंट में शिरकत की। अधिकतर सेलिब्रिटीज ने दिवंगत डिज़ाइनर को श्रद्धांजलि देने के लिए विवियन वेस्टवुड के क्रिएशन्स पहने थे।

मुंबई में हुए इस फैशन शो का उद्देश्य भारत की समृद्ध पारंपरिक टेक्सटाइल विरासत को सम्मानित करना और प्रदर्शित करना था। इस आयोजन में विवियन वेस्टवुड के स्प्रिंग-समर 2025 कस्टम लुक्स और आर्काइव पीस पेश किए गए। इसके अलावा, एक विशेष कैप्सूल कलेक्शन भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें हाथ से बुने चंदेरी सिल्क और खादी कॉटन, ऊन व सिल्क से तैयार विवियन वेस्टवुड के हाई-कॉउचर लुक्स शामिल थे। खादी, जिसे महात्मा गांधी ने पुनर्जीवित किया था, भारत में स्वतंत्रता का प्रतीक मानी जाती है।

हाल के वर्षों में, भारत धीरे-धीरे ग्लोबल फैशन इंडस्ट्री में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। अबू जानी-संदीप खोसला, गौरव गुप्ता, फाल्गुनी-शेन पीकॉक, राहुल मिश्रा, मनीष मल्होत्रा जैसे भारतीय डिज़ाइनर न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड के बड़े सितारों को भी अपने डिज़ाइन्स में स्टाइल कर रहे हैं। वहीं, मौनी रॉय जैसी भारतीय हस्तियां भी दुनिया भर के फैशन वीक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

# सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम : राघव जुयाल

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं।राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं।राघव हाल ही में एक्शन फिल्म 'किल' में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है।उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर 'किल' के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए 'स्लो मोशन किंग' के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस 3' में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2' जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'सोनाली केबल' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

# 'बैटमैन' अभिनेता वैल किल्मर ने 65 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

'बैटमैन' फेम हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर का 65 वर्ष में निधन हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी एक खबर के अनुसार अभिनेता के निधन की पुष्टि उनकी बेटी मर्सिडीज किल्मर ने किया है। वह निमोनिया से पीड़ित थे। कैलिफोर्निया में जन्में अभिनेता ने अपने अभिनय की पढ़ाई एक्टिंग स्कूल जुइलियार्ड से की थी। अभिनेता वैल किल्मर 1990 के दशक में हॉलीवुड के सबसे प्रमुख कलाकारों में से एक थे। वैल किल्मर के

...हालांकि, वह कैंसर से ठीक ... वजह से उनका निधन हो ... अंतिम सांस ली। वैल के ... में तो किल्मर को 'बैटमैन' ... फिल्मों के लिए जाना जाता ... बाल और लुक्स के लिए ... जाते थे। किल्मर ने 1984 में आई फिल्म 'टॉप सीक्रेट' के साथ अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था। कॉमेडी फिल्मों में शानदार अभिनय कर फिल्मी दुनिया में एक बेहतर मुकाम हासिल की।

अभिनेता 'टॉप सीक्रेट', 'रियल जीनियस' के साथ एक्शन फिल्म 'टॉप गन' और 'विलो', 'द घोस्ट एंड द डार्कनेस', 'द सेंट', 'द प्रिंस ऑफ इजिप्ट', 'अलेक्जेंडर' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। इससे पहले वह कॉमेडी शो 'रियल जीनियस' में दिखाई दिए थे। उन्हें 1986 की हिट 'टॉप गन' में अभिनेता टॉम क्रूज के सह-कलाकार के रूप में पहचान मिली।वैल किल्मर 1995 में आई 'बैटमैन फॉरेवर' से छा गए। अभिनेता की अंतिम रिलीज साल 2022 में आई 'टॉप गन: मेवरिक' थी, जिसमें वह अभिनेता टॉम क्रूज के साथ दिखाई दिए थे।

# राशि खन्ना ने अपनी एनर्जेटिक जिम रूटीन से फिटनेस को बनाया मजेदार!

कौन कहता है कि वर्कआउट सिर्फ पसीना बहाने और थकने का नाम है? पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना फिटनेस को एक नया रूप दे रही हैं, जहां मेहनत और मस्ती का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है! अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाने वाली राशि इन दिनों जिम में पहले से ज्यादा मेहनत कर रही हैं, लेकिन उनके वर्कआउट सेशन्स में सिर्फ इंटेंस एक्सरसाइज़ ही नहीं, बल्कि ढेर सारी मस्ती और जोश भी शामिल है। भी शेयर कर रही हैं, यह साबित करते हुए कि मेहनत और मस्ती एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ लिखा, एवरी डे, आई शो अप। एवरी डे, आई कम्प्लेन। एवरी डे, आई सर्वाइव। रिलेटेबल?

राशि के फिटनेस सफर की यह झलक प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है, लोग उनकी मेहनत और पॉजिटिव एनर्जी की तारीफ कर रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' में अपने दमदार किरदार से सबका दिल जीतने वाली राशि आज की सबसे प्रतिभाशाली पैन-इंडिया स्टार्स

अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में, राशि एकदम बीस्ट मोड में नजर आ रही हैं-वेट लिफ्टिंग, एगिलिटी ड्रिल्स और जबरदस्त वर्कआउट कर रही है। लेकिन जो चीज़ उनकी रूटीन को सबसे ज्यादा प्रेरणादायक बनाती है, वो है उनकी इंफेक्शियस एनर्जी और चुलबुला अंदाज। एक-सरसाइज़ के बीच-बीच में वह अपने ट्रेनर के साथ मजेदार पल में से एक मानी जाती हैं और वह स्क्रीन के अंदर और बाहर, दोनों जगह अपने फैंस को लगातार प्रभावित कर रही हैं।

राशि ने हाल ही में इस साल के लिए कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट्स की ओर इशारा किया है, हालांकि अभी तक ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। इसके अलावा, उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया, जिससे फैंस के बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। फिटनेस, मस्ती और प्रोफेशनल सफलता को बैलेंस करते हुए राशि खन्ना लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की सबसे शानदार और दमदार कलाकारों में से एक हैं!

# सनी देओल-रणदीप हुड्डा स्टारर जाट का पहला गीत टच किया रिलीज

अभिनेता सनी देओल-रणदीप हुड्डा स्टारर ...पकमिंग एक्शन फिल्म ...ाट' का पहला गाना जारी ... गया है। धमाकेदार डांस ...बर 'टच किया' में ...भिनेत्री उर्वशी रौतेला ...कर थिरकती नजर आईं। ... में उर्वशी रौतेला के साथ ...म में खलनायक रणतुंगा ...किरदार निभा रहे रणदीप ...र अभिनेता विनीत कुमार ... नजर आए। उर्वशी को ...केदार डांस मूव्स के साथ ...ब थिरकती नजर आईं। ... सॉन्ग को मधुबंती बागची ... ने अपनी आवाज दी है, ...लिखे हैं और संगीत थमन ...पहले अभिनेत्री ने बताया ...ाद अभिनेता सनी देओल ...र उत्साहित और खुश हैं।

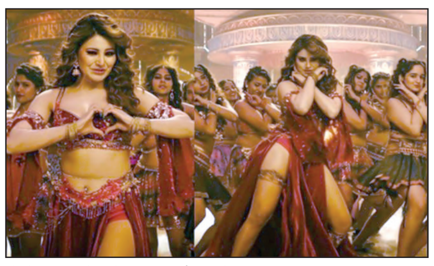

प्रोजेक्ट को लेकर उर्वशी ने बताया था, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं।

उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं। उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी।

# मंगल आज कर्क राशि में करेंगे गोचर

ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह 3 अप्रैल को मिथुन राशि से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क चंद्रमा की राशि है और यह मंगल देव की नीच राशि मानी जाती है। जबकि मकर राशि में ये उच्च के माने जाते हैं। मंगल ग्रह कर्क और सिंह राशि में अधिक शुभ फल देते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल ग्रह जिन्हें मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह माना गया है वह 3 अप्रैल को कर्क राशि में गोचर करेंगे। ग्रहों के सेनापति मंगल देव 3 अप्रैल 2025 को कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और 6 जून 2025 तक इसी राशि में रहेंगे। मंगल का यह गोचर विशेष रूप से ऊर्जा और साहस में वृद्धि करेगा, जिससे कुछ जातकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मंगल ग्रह भूमि, जमीन-जायदाद, प्रापर्टी, युद्ध, सेना, रक्त और क्रोध के कारक ग्रह माने जाते हैं। जब भी मंगल ग्रह राशि परिवर्तन करते हैं तो इनका विशेष प्रभाव लोगों के जीवन पर पड़ता है। कर्क राशि में मंगल ग्रह का गोचर करने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने के संकेत हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा और धन लाभ के मौके बनेंगे।

मंगल दिनांक 3 अप्रैल, 2025 रात्रि के 01:35 मिनट पर चंद्र की राशि कर्क में प्रवेश करने जा रहे हैं। यहां सेनापति ग्रह मंगल 7 जून 2025 तक विराजमान रहेंगे। नीच अवस्था में होने के कारण मंगल नकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। इस गोचर का प्रभाव कर्क राशि के जातकों पर नकारात्मक पड़ने वाला है। जातक अपने बल में कमी महसूस करेंगे शारीरिक दुर्बलता और मानसिक अवसाद का सामना करना पड़ सकता है। जातक हीन भावना महसूस कर सकते हैं। वैदिक ज्योतिष में भूमि पुत्र मंगल को अग्नि का कारक कहा गया है इसलिए चन्द्रमा की राशि कर्क में जाकर वो नीच के हो जाते हैं। चन्द्रमा जल का कारक है और अग्नि जल का कोई मेल नहीं है इसलिए मंगल पूर्ण बलहीन होकर अपना कोई भी शुभ प्रभाव यहां नहीं देते हैं। मंगल के लिए कर्क राशि नीच राशि कहलाती है इसलिए मंगल का यह गोचर बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नवग्रहों में सेनापति का दर्जा मंगल को प्राप्त है। यह गोचर शीघ्रता से परिणाम देने वाला साबित होगा और देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी। मंगल के कारण प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

**ग्रहों के सेनापति हैं मंगल**

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

**शुभ-अशुभ प्रभाव**

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना विमान में खराबी, रेल दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव

होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

**करें पूजा-पाठ और दान**

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का कर्क राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

**मेष राशि** – कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। मनमुटाव हो सकता है।

**वृष राशि**–मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य से काम लें। कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। धन- लाभ होने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

**मिथुन राशि** –किसी भी तरह के वाद- विवाद से दूर रहें। धन- हानि हो सकती है, इसलिए खर्च सोच- समझकर ही करें। लेन- देन के लिए समय शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

**कर्क राशि** – तनाव का सामना करना पड़ सकता है। गुस्सा करने से नुकसान हो सकता है, इसलिए गुस्से पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

**सिंह राशि** – व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। धन- हानि हो सकती है। लेन- देन न करें। इस समय निवेश करने से नुकसान हो सकता है। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

**कन्या राशि** – आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन- खर्च न करें। निवेश सोच- समझकर ही करें। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना होगा।

**तुला राशि**– कार्यक्षेत्र में दबाव और तनाव रह सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ अनबन हो सकती है।

**वृश्चिक राशि** – शारीरिक और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**धनु राशि** – धनु राशि के जातकों को इस गोचर से सावधान रहने की आवश्यकता है। अधिक मेहनत करनी होगी। अधिक खर्चों से बचने का प्रयास करें। लेन- देन से दूर रहें। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

**मकर राशि** – जीवनसाथी के साथ मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। खान- पान का विशेष ध्यान रखें नहीं तो स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

**कुंभ राशि** –गुस्से पर नियंत्रण करने का प्रयास करें। अधिक खर्च करने से बचें। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधूर बनाए रखने के लिए जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करें।

**मीन राशि** – संतान पक्ष की तरफ से कुछ समस्याएं हो सकती हैं। आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। खर्चा सोच- समझकर ही करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

**डॉ. अनीष व्यास**
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

# माता जयंती को समर्पित ध्वज मंदिर

माँ काली व माँ भद्रकाली से पूर्व माँ के जिस स्वरुप का शब्दों के माध्यम से स्मरण किया जाता है,वह नाम है माँ जयंती का और माँ जयंती से ही शुरु होता है माँ का एक सुन्दर मन्त्र...

**जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी**
**दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा**
**नमोऽस्तुते।**

अर्थात् जयंती, मंगला, काली, भद्रकाली, कपालिनी, दुर्गा, क्षमा, शिवा,धात्री,स्वाहा और स्वधा- इन नामों से प्रसिद्ध माँ जगदम्बिके आपको मेरा नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती के अर्गलास्तोत्र का यह पहला श्लोक है। इस मन्त्र के बारे कहा गया है,यहां मंत्र सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाला है। इसमें आदि शक्ति मातेश्वरी के 11 नामों का स्मरण होता है, इन्हीं 11 नामों में माँ का प्रथम नाम है जयंती अर्थात् 'जयति सर्वोत्कर्षेण वर्तते इति'। सबसे प्रमुख एवं विजयशालिनी सर्व सौभाग्य दायिनी माँ जयंती का भव्य दरबार कहां पर स्थित है इस विषय पर आज हम अपने पाठकों के सम्मुख इस दुर्लभ एवं खोजपरक आलेख के माध्यम से प्रकाश डाल रहे है।

माँ जयंती की महिमा अनंत व अगोचर है। जनपद पिथौरागढ़ के आंचल में माता जयंती का भव्य दरबार पवित्र पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। जनपद मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तय करने के पश्चात् आगे 5 किलोमीटर की दुर्गम चढ़ाई चढ़ने के बाद माँ जयंती के भव्य भवन के दर्शन होते हैं। जिस चोटी पर माता का मन्दिर विराजमान है वह पर्वत शिखर पिथौरागढ़ जनपद की सबसे ऊंची चोटियों में एक है। यहां से चारों ओर पर्वत मालाओं का नजारा बड़ा ही भव्य दिखाई पड़ता है। दूर-दूर तक फैले पर्वतों के शिखर इस चोटी के सामने बहुत ही छोटे प्रतीत होते हैं। समुद्र तल से लगभग 21 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर को ध्वज मंदिर भी कहते हैं। माँ जयंती को समर्पित इस मंदिर से थोड़ा सा पहले एक अद्भुत गुफा है। इस गुफा में भगवान शंकर एक भव्य अलौकिक स्वरूप में पिंडी के रूप में विराजमान है जिन्हें खण्डे नाथ के नाम से पुकारा जाता है। शिव और शक्ति की यह पावन भूमि युगों- युगों से पूजनीय है। स्कंद पुराण के मानस खण्ड में यहाँ का सुन्दर वर्णन मिलता है। इस स्थान की महिमा के बारे में जब ऋषियों ने व्यास जी से पूछा 'ध्वजपर्वत' की स्थिति, तीर्थस्थान, नदियों का उद्गम एवं वहां स्थित शिवलिङ्गों के माहात्म्य का वर्णन करें। ध्वज पर्वत कहाँ पर स्थित है ? उस पर आरुढ़ होने का क्या फल है ? वहाँ किन देवों की पूजा होती है।

ऋषियों के इस प्रश्न पर व्यासजी ने उत्तर दिया-मुनिवरों! 'रामगङ्गा' के बांई ओर 'पावन' पर्वत है। उसके दक्षिण में 'ध्वज' पर्वत है। उसका शिखर उन्नत है । अनेक

धातुओं और औषधियों से वह प्रदीप्त है। सिद्ध, विद्याधर, यक्ष आदि के परिवारों से वह पर्वत वेष्टित है। दिव्य धातुओं की इसमें सहस्रशः खानें हैं। 'हिमालय' को नमस्कार करता हुआ यह 'ध्वजा' की तरह स्थित है। 'श्यामा' (काली नदी) के तीरवासी सिद्धों और चित्रसेनादि गन्धर्वों से यह सेवित है। इस पर्वत पर विशेषत: सिद्धों एवं विद्याधर-गणों का वास है। यहाँ 'चतुर्दशी के दिन आरूढ़ होने पर कामनायें पूर्ण होती हैं। पूर्णिमा के दिन जागरण करने से आठों सिद्धियाँ प्राप्त की जाती हैं। 'शनिप्रदोष' के दिन वहाँ जाने पर कुछ भी शेष नहीं रह जाता।

सर्वसिद्धिदायक एवं धनधान्यवर्धक 'ध्वजेश' का माहात्म्य बतलाते हुए व्यास जी ने कहा है कि इस स्थान पर गणनायक 'विकुम्भ'' ने ' भगवान शंकर' की ध्वजा धारण की है। 'ध्वज' की आकृति के रूप में उन्नत शिखर पर 'ध्वजेश' शिव विराजमान हैं। उनका पूजन कर निःसन्देह सब सिद्धियाँ मिलती हैं । उनका पूजन न करने पर दुःख सम्भावित रहता है । 'कनेल' के फूलों से 'ध्वजेश' का पूजन करने पर सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं। 'ध्वजेश' के अतिरिक्त कोई अन्य देव अभीष्ट सिद्धि दायक नहीं हैं। इस पर्वत पर औषधियों का विशाल भंडार बताया जाता है। इस स्थान से एक प्रसन्न नामक वैश्य की भी कथा जुड़ी हुई है। पुराणों के अनुसार वह धार्मिक, जितेन्द्रिय, मितभाषी और अतिथिपूजक था। उसी के समान उसका पुत्र 'सत्यधर्मा' भी बड़ा शिवभक्त एवं सत्यनिष्ठ था समय के चलते चक्र में एक बार उसे दरिद्रता ने आ घेरा। वह अपनी पत्नी समेत निर्जन वन में आ गया यहाँ एक शिवयोगी से उसकी भेंट हुई दोनों शाम्ब सदाशिव का ध्यान करते हुए ध्वज पर्वत पर पहुंचे शिव एवं शक्ति की कृपा से उन्हें यहां अलौकिक सिद्धियां प्राप्त हुई तथा ज्ञात हुआ कि चतुर्दशी को 'ध्वजेश' का पूजन करने पर मानवों को अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो मनुष्य एकाकी 'ध्वजेश' का पूजन कर रात्रिजागरण करता है, उसे सिद्धि प्राप्त होती है।

ध्वज क्षेत्र की महिमा का बखान करते हुए स्कंद पुराण के मानस में महर्षि व्यास जी ने लिखा है 'ध्वज' के दाहिनी ओर 'ध्वजगुहा' है । वहाँ शंकर का पूजन करके गङ्गा स्नान का फल प्राप्त होता है । फिर 'ध्वज' के पूर्व भाग में 'सिद्धगुहा' है, वहां 'सिद्धेश' का पूजन कर सिद्धजल से स्नान करने पर गूंगापन दूर होता है। ध्वज-पर्वत से 'नन्दा', 'चर्मण्वती'' तथा 'सत्यवती' ये तीन नदियाँ निकलती हैं । इनका जल पीने से गोदान का फल मिलता है। ये तीनों नदियाँ 'काली' ( श्यामा ) नदी में मिलती हैं । 'नन्दा' और 'चर्मण्वती' के मध्य 'चर्मेश' का पूजन कर शिवलोक प्राप्त होता है । 'नन्दा' में स्नान कर 'ध्वजेश' का पूजन करने से धन-लाभ होता है। उसके पश्चिम भाग में 'कालिका' का पूजन तथा कालिका-जलों में स्नान कर 'शिवलोक' प्राप्त होता है। 'ध्वज' के पश्चिम में 'कालापी'' नदी है। उसमें स्नान करने से गङ्गास्नान का फल मिलता है। उसके मूल में महादेवी और शंकर का पूजन होता है। आगे बला नदी और कालापी का सङ्गम है । वहाँ बलेश शंकर का पूजन होता है। यहां की विराट महिमां को लेकर अलौकिक गाथाओं का भंडार है, जिसे पुराणों में विस्तार के साथ पढ़ा जा सकता है माँ जयंती को समर्पित इस पावन स्थल की महिमा कुल मिलाकर अपरम्पार है।

**– रमाकांत पंत**

# देवी के दर्शन से दूर होते हैं कष्ट

नवरात्र की पावन अवधि चल रही है, जो माता रानी की कृपा प्राप्ति हेतु बहुत ही शुभ मानी जाती है। भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी देवी को समर्पित कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी मान्यताएं दूर-दूर तक फैली हुई हैं। उत्तर प्रदेश में स्थित कई मंदिरों का इतिहास सालों पुराना है, जिन्हें लेकर पौराणिक कथाएं भी मिलती हैं।

**अन्नपूर्णा मंदिर**

काशी, जिसे भगवान शिव की नगरी के रूप में जाना जाता है, वहां देवी पार्वती के ही स्वरूप को समर्पित माता अन्नपूर्णा का मंदिर स्थित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में माता के इस स्वरूप के दर्शन करने से सुख-समृद्धि के साथ-साथ अन्न-धन का भी आशीर्वाद मिलता है। इस मंदिर की एक खासियत यह भी है कि यह देश का इकलौता मंदिर है, जो श्री यंत्र के आकार में है। नवरात्र में यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

**मां विशालाक्षी मंदिर**

वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर स्थित मां विशालाक्षी मंदिर भी 51 शक्तिपीठों में से एक है। साथ ही यह भी मान्यता है कि भगवान विश्वनाथ मां विशालाक्षी मंदिर में विश्राम करते हैं, जिस कारण इस मंदिर की प्रसिद्धि और भी बढ़ जाती है। यही कारण है कि नवरात्र की पावन अवधि में इस स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

**माता ललिता मंदिर**

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, प्रयागराज में प्रयाग संगम में मां सती के हाथ की उंगली गिरी थी। इसलिए यह मंदिर भी 51 शक्तिपीठों में महत्वपूर्ण स्थान

रखता है। इस स्थान पर माता ललिता रूप में विराजमान हैं। मान्यता है कि पवित्र संगम में स्नान के बाद इस शक्तिपीठ में दर्शन और पूजन करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नवरात्र में यहां माता के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ती है।

**कात्यायनी शक्ति पीठ**

वृंदावन के राधाबाग के पास बना मां कात्यायनी मंदिर इस क्षेत्र में स्थित सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। यह मंदिर देवी पार्वती को समर्पित है, जो कात्यायनी रूप में हैं। यह मंदिर में 51 शक्तिपीठों में शामिल है।

इस स्थान को मां शक्तिपीठ के नाम से भी जाना जाता है। पूरा मंदिर सफेद संगमरमर से बना है और इसके खंभे काले पत्थर से बने हुए हैं, जो इसे आकर्षक बनाते हैं। इसी के साथ मुख्य प्रांगण के रास्ते में दो शेरों की मूर्तियां बनी हुई हैं।

**मां विंध्यवासिनी धाम**

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में गंगा नदी के किनारे माता विंध्यवासिनी का मंदिर स्थापित है। देवी के इस स्वरूप को महामाया या योगमाया का स्वरूप माना जाता है। माता त्रिकोण यंत्र पर स्थित तीन रूपों को धारण करती हैं अर्थात महालक्ष्मी, महाकाली तथा महासरस्वती का रूप। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का अस्तित्व सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी बना रहेगा।

# नवरात्रि – असंतुलन से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का समय

अष्टाँग योग के पाँच नियमों में से एक नियम है 'तप' जिसका अर्थ है अपअश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम केने शरीर को किसी भी रूप में कष्ट देकर तपाना। तप, एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो कि नकारात्मक कर्मों को निष्फल करने में और आत्मिक उत्थान में सहायक होती है। उपवास भी स्वयं को तपाने का एक माध्यम है। यही कारण है कि शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए, नवरात्रों में उपवास किए जाते हैं। देवी माँ के दस 'शक्ति'- रूप- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रकान्ता, कुशमंदा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री तथा अपराजिता, इन नौ रातों और दस दिनों में समाये हुए हैं। इस प्रकार, नवरात्रों में, प्रत्येक रात की एक विशेष शक्ति है और उस शक्ति का एक विशेष उद्देश्य।

इस अवधि के दौरान मौसम परिवर्तन होता है, अर्थात सृष्टि की विभिन्न शक्तियाँ एक असंतुलन से संतुलन की ओर बढ़ती हैं। चूँकि, हम इस सृष्टि के पूर्ण अंश हैं, तो इस समय में हमारी प्राण शक्ति भी सृष्टि की अन्य शक्तियों की तरह एक संतुलन, एक पुनः निर्माण की प्रक्रिया से होकर गुजरती है। इस समय शरीर को अल्प और सुपाच्य आहार के माध्यम से हल्का रखा जाता है तथा सम्पूर्ण विषहरण के लिए, उपवास के अलावा कुछ विशेष मन्त्रों का जाप भी किया जाता है।

नौ दिनों तक शरीर को पुनः संगठित किया जाता है और दसवें दिन एक नयी ऊर्जा, एक नयी शक्ति को ग्रहण किया जाता है। साधक की क्षमता व आवश्यकता अनुसार ही 'गुरु' उसके लिए उपवास व मन्त्र साधना निर्धारित करते हैं। बिना किसी निरिक्षण या वज़न घटाने के उद्देश्य से किए गए उपवास का शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो कि शरीर में असंतुलन पैदा करता है। किसी भी उपवास या साधना का परिणाम तभी फलित होता है जब वह वैराग्य भाव से किया जाता है। इसलिए किसी भी उपवास या साधना से पूर्व वैराग्य भाव अति आवश्यक है जो कि अष्टाँग योग और सनातन क्रिया के अभ्यास द्वारा सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

**–अश्विनीजी गुरुजी**
**ध्यान आश्रम**

संपादकीय

# स्मार्ट सिटी कितनी हकीकत

**अब** अर्ज किया है कि स्थिति में हिमाचल के दो स्मार्ट शहर अपनी हस्ती का सामान लेकर आए हैं। देश ने करीब दस साल पहले सौ स्मार्ट सिटी के कदम चुने, तो वकालत के चश्मों ने सर्वप्रथम धर्मशाला देखा, फिर शिमला को निहारा और इस तरह हिमाचल में शहरीकरण को एक नए पहलू में अंगीकार किया गया। यह दीगर है कि इस फैसले में फासले बहुत रहे हैं और यही वजह है कि तीसरी मोहलत मार्च आते-आते गुजर गई और अब फिर अर्जियां खाली तख्तियों पर गुजारिश कर रही हैं। न धर्मशाला की परियोजनाएं और न ही शिमला की महत्त्वाकांक्षा में स्मार्ट सिटी अपनी जवानी में आई। एक मुकाबला इन दोनों शहरों के बीच व्यवस्था का भी रहा और खींचतान से समय की बर्बादी कर दी। प्रदेश की पहली स्मार्ट सिटी घोषित होते ही धर्मशाला को नाको चने चबाने के लिए भाजपा के सुरेश भारद्वाज अदालत सिर्फ इसलिए चल गए कि यह चयन शिमला की छाती पर मूंग दल रहा था। यही सुरेश भारद्वाज जब शहरी विकास मंत्री बनते हैं, तो शिमला स्मार्ट सिटी की पलकें खोलने के बजाय धर्मशाला के कई रोशनदान बंद करने लगे और इस अखाड़े में परियोजनाएं सिकुड़ गईं, राज्य सरकार की हिस्सेदारी बदल गई। अगर डबल इंजन सरकार की नीयत से भाजपा की तत्कालीन सरकार पैरवी करती तो अंग्रेजों के बसाए दो शहर हिमाचल के शहरी विकास को आगे के लिए एक मॉडल की हैसियत और शहरी आर्थिकी को प्रमाणित करते। भले ही सुरेश भारद्वाज धर्मशाला के इंटेग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल एरिया को दरी समझकर शिमला में बिछाने की कोशिश करते रहे, लेकिन इससे स्मार्ट सिटी का आधारभूत प्रारूप ही चोटिल हो गया। ऐसा नहीं इस दौरान सरवीण चौधरी भी कुछ समय शहरी विकास मंत्री रहीं, लेकिन वह धर्मशाला के तत्कालीन विधायक स्व. किशन कपूर के साथ व्यक्तिगत विवादों के कारण स्मार्ट सिटी परियोजना के महत्त्व को समझ ही नहीं पाईं। आज जब पुनः दो स्मार्ट सिटी परियोजनाएं मुकम्मल होने की दरख्वास्त दे रही हैं, तो इसे राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी समझना होगा। राष्ट्रीय स्तर पर अन्य 84 स्मार्ट शहरों में करीब पंद्रह हजार करोड़ के कार्य अधूरे हैं। हिमाचल में शिमला के बजाय धर्मशाला में कुछ हद तक परियोजनाओं के अर्थ दिखाई देते हैं, लेकिन दोनों ही शहरों में स्मार्ट सिटी के धन से सरकारों ने अपने विभागीय खर्च के वैकल्पिक मार्ग चुने हैं। मसलन शिमला में बीस तो धर्मशाला में 15 इलेक्ट्रिक बसों पर करोड़ों खर्च करके इन्हें बिना शर्त-बिना फर्ज अदा किए एचआरटीसी को सौंप दिया। क्या इससे शहरी या स्थानीय परिवहन सेवाओं में सुधार हुआ। धर्मशाला में अगर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत एक बहुआयामी बस स्टैंड विकसित होता, तो आय का संचार भी होता, लेकिन इसके बजाय एचआरटीसी की वर्कशाप में बारह करोड़ लगा दिए गए। स्मार्ट सिटी जोनल अस्पताल को मशीनें, स्कूलों के स्मार्ट रूम और उधर शिमला में एंट्री गेट, बुक कैफे और लोहे व कंक्रीट के जाल बुन रही थीं। शिमला में दो बस अड्डों व लिफ्टों का निर्माण, धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबाल ग्राउंड व फूड स्ट्रीट जैसी परियोजनाएं सार्थक हो सकती हैं, लेकिन अभी भी रेहड़ी-फड़ी वाले फुटपाथों पर घमासान मचाए हुए हैं, ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था शहरी जीवन को अफरातफरी में फंसाए हुए हैं। बस स्टाप सिर्फ बनाए गए, सुविधा के लिए चलाए नहीं गए। कहना न होगा स्मार्ट सिटी के विजन को हिमाचल का शहरीकरण न कुछ सीख और न ही कुछ कर पाया। यह दीगर है कि अब शिमला-धर्मशाला में नगर निगमों के बाद होड़ यह है कि इनकी संख्या पटवारखानों की तरह बढ़ जाए, लेकिन परिकल्पना, बजट और आर्थिक स्रोत क्या होंगे, कोई नहीं जानता। कौनसा शहर किस रूप-किस प्रारूप में बेहतर नागरिक सुविधाओं और आर्थिक क्षमता में निखर सकता है, कोई कल्पना नहीं। बहुत पहले स्व. सुखराम ने मंडी शहर के केंद्रीय हिस्से की व्यथा को इंदिरा मार्किट की क्षमता में बदल दिया था।

देश ने करीब दस साल पहले सौ स्मार्ट सिटी के कदम चुने, तो वकालत के चश्मों ने सर्वप्रथम धर्मशाला देखा, फिर शिमला को निहारा और इस तरह हिमाचल में शहरीकरण को एक नए पहलू में अंगीकार किया गया। यह दीगर है कि इस फैसले में फासले बहुत रहे हैं और यही वजह है कि तीसरी मोहलत मार्च आते-आते गुजर गई और अब फिर अर्जियां खाली तख्तियों पर गुजारिश कर रही हैं। न धर्मशाला की परियोजनाएं और न ही शिमला की महत्त्वाकांक्षा में स्मार्ट सिटी अपनी जवानी में आई। एक मुकाबला इन दोनों शहरों के बीच व्यवस्था का भी रहा और खींचतान से समय की बर्बादी कर दी। प्रदेश की पहली स्मार्ट सिटी घोषित होते ही धर्मशाला को नाको चने चबाने के लिए भाजपा के सुरेश भारद्वाज अदालत सिर्फ इसलिए चल गए कि यह चयन शिमला की छाती पर मूंग दल रहा था। यही सुरेश भारद्वाज जब शहरी विकास मंत्री बनते हैं, तो शिमला स्मार्ट सिटी की पलकें खोलने के बजाय धर्मशाला के कई रोशनदान बंद करने लगे और इस अखाड़े में परियोजनाएं सिकुड़ गईं, राज्य सरकार की हिस्सेदारी बदल गई। अगर डबल इंजन सरकार की नीयत से भाजपा की तत्कालीन सरकार पैरवी करती तो अंग्रेजों के बसाए दो शहर हिमाचल के शहरी विकास को आगे के लिए एक मॉडल की हैसियत और शहरी आर्थिकी को प्रमाणित करते।

भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा

# कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

**भारत** में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो

सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है। केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है।

दृष्टि कोण

# हिमालयी प्राकृतिक स्वरूप का संरक्षण जरूरी

**गत** माह उत्तराखंड के चमोली में हिमस्खलन हुआ। चमोली जनपद के सीमांत गांव माणा के समीप हुए हिमस्खलन के बाद उसके नीचे 55 श्रमिक दब गए थे। इनमें से 50 श्रमिकों को तो कुछ घंटों के बाद सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था, लेकिन 4 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। जिस दिन सीमा सडक़ संगठन के श्रमिक हिम से ढके मार्गों को साफ कर रहे थे, उससे एक-दो पहले लगभग पूरी हिमालय श्रृंखला में तेज वर्षा के साथ अत्यधिक हिमपात भी हुआ था। चमोली में भी बहुत अधिक हिमपात हुआ। यह पहली बार नहीं है, जब उत्तराखंड के संवेदनशील पर्वतीय जनपद में इस तरह की दुर्घटना हुई है। उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में भी गत कई वर्षों से ऋतुविकृतियों के कारण अनेक दुर्घटनाएं घट चुकी हैं। प्रायः वर्षा ऋतु में तो पर्वतीय क्षेत्र प्राकृतिक विप्लवों, विघटनों, विचलनों एवं विनाशक गतिविधियों का सामना करते ही करते हैं, लेकिन इस बार तो बसंत ऋतु में भी हिमालयी पट्टिका में वर्षा व हिमपात के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित व असुरक्षित हुआ है। अभी भी स्थिति संतुलित नहीं है। प्रति वर्ष, प्रति माह, प्रति सप्ताह, प्रति दिन और एक दिन में भी प्रहर-प्रति-प्रहर पर्यावरण की गति भयंकर असंतुलन को प्राप्त हो रही है। दस-बारह वर्ष पूर्व केदारनाथ में हुई अतिवृष्टि के बाद तो उत्तराखंड के पर्वतीय भूभाग अत्यंत संवेदनशील एवं शक्तिहीन हो चुके हैं। तब से कई प्राकृतिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। वर्षाजन्य, हिमजन्य और भूकंपजन्य आपदाओं की निरंतरता के कारण पर्वतों का भौगोलिक स्थायित्व समाप्त हो चुका है। वर्षा ऋतु में तो पहाड़ों पर अतिवृष्टियों की आशंकाएं प्रतिक्षण बनी रहती हैं। इस बार तो बसंत ऋतु में भी मौसम का विचलन प्राकृतिक विपदा के रूप में सम्मुख है। यह विचित्र है। हमें प्रकृति के इस संकेत पर ध्यान देना चाहिए। हिमालय के पर्वतों का, विकास-यात्रा तीव्र करने के लिए जिस प्रकार दोहन किया जा रहा है, उस पर नियंत्रण एवं प्रतिबंध लगाने की युक्तियां करनी होंगी। पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध सामरिक दीवाल के रूप में उपयोग होती आ रही हिमालयी पट्टी को धीरे-धीरे इसके स्वाभाविक स्वरूप में छोड़ देने का समय आ चुका है। जम्मू कश्मीर से होते हुए हिमाचल और फिर उत्तराखंड तक बांधों, विद्युत उत्पादन निर्माणियों व राजमार्गों के निर्माण के लिए पर्वतीय संरचनाओं को जिस प्रकार व्यापक स्तर पर तोड़ा-फोड़ा-जोड़ा गया और जिस तरह आए दिन इनकी टूट-फूट हो रही है, उससे प्रतिकूल प्राकृतिक स्थितियां उत्पन्न होती जा रही हैं। कहीं ऐसा न हो कि शत्रु देशों के विरुद्ध इन्हें सामरिक संसाधन बनाने हेतु किए जा रहे तरह-तरह के निर्माण कार्य आगामी दिनों में बड़े प्राकृतिक विप्लव का कारण बनें। आज विद्युतीय आवश्यकताओं के लिए पहाड़ों पर बांध निर्माण से लेकर परिवहन के लिए मार्ग निर्माण के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। आधुनिक व आर्थिक विकास की प्रतिस्पद्र्धा, चकाचौंध में ऐसे निर्माण कार्यों के विनाशक परिणामों की जानबूझ कर उपेक्षा की जा रही है। जम्मू-कश्मीर से नीचे हिमाचल और फिर उत्तराखंड में उतरती हुई हिमालय पर्वतों की श्रृंखलाएं भीतर ही भीतर चट्टानों से रिक्त होती जा रही हैं। पर्वतों के बहुत नीचे कहीं गहराई में एक-दूसरे पर अवलंबित रहीं चट्टानें अपने स्थान से खिसक चुकी हैं। आधुनिक यंत्रों, विस्फोटकों और खुदाई की मशीनों द्वारा जितनी तेजी से पहाड़ काटे जा रहे हैं तथा जितनी गहराई तक उनकी खुदाई की जा रही है, उतनी ही तेजी व गहराई से धरातल पर हिमालयी पर्वतों की पकड़ शक्तिहीन हो रही है। संतुलित भूस्थापन में पर्वतों की बड़ी भूमिका होती है। पर्वतों पर निर्माण कार्यों की तेजी से संपूर्ण पर्वतीय पारिस्थितिकी ही असंतुलित नहीं हो रही, अपितु धरती का पूरा ऋतुचक्र भी विकृत हो रहा है। फलस्वरूप पूरे भारत और विश्वभर में अतिवृष्टि, भूकंपन, हिमस्खलन, शीताधिकता, ग्रीष्माधिकता की ऋतुविकृतियां उत्पन्न हो रही हैं। समशीतोष्ण पारिस्थितिकी में कमी और महामारियों की प्राकृतिक परिस्थितियों में वृद्धि हो रही है। भला मनुष्य के लिए ऐसे आधुनिक, भौतिक और प्रगतिपरक विकास के क्या मायने होंगे, जो उसके सशरीर होने के मुख्य आधार पंचतत्त्वों को ही दिन-प्रतिदिन लील रहा हो। इस पर गंभीर होकर सोचना होगा। इस पर बार-बार और निरंतर विचार-विमर्श करना होगा। यदि संपूर्ण पृथ्वी के ऋतु असंतुलन पर विचार करते हुए इस दिशा में चिंतन किया जाए, तो यही निष्कर्ष निकलता है कि अखिल भारत व भारतीय महाद्वीप की मौसम संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए हिमालय पर्वत और इससे संबद्ध पूरी पर्वतमाला को प्राकृतिक रूप-स्वरूप में संरक्षित रखना अति अनिवार्य है। हिमालयी शैल-श्रृंखला को विद्युत उत्पादन, पर्यटन वद्र्धन और सडक़ मार्ग निर्माण के माध्यम से विकास की अंधभेंट चढ़ाना पर्यावरणीय व मानवीय दृष्टि से अत्यंत हानिकारक होगा।

कुछ अलग

# जल-थल में प्लास्टिक

**तमाम** नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

देश दुनिया से

# नेपाली राजशाही के लिए हिंसक प्रतिरोध के निहितार्थ

**इसके** बाद नेपाली राजशाही के 240 साल के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्यमय और दुर्भाग्यपूर्ण पल सामने आया। वर्ष 2001 में बीरेंद्र के परिवार को भारी सुरक्षा वाले शाही महल में गोली मार दी गई। इसके बाद शुरू शाही जांच में तत्कालीन युवराज दीपेंद्र को नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि वे कुछ दिनों तक बेहोश रहे, उन्हें कोमा में राजा घोषित किया गया, और उनकी मृत्यु हो गई। यह जांच बीरेंद्र के दो भाइयों में से पहले, ज्ञानेंद्र की निगरानी में हुई। ज्ञानेंद्र की नीयत पर सवाल भी उठाये गए। फिर जांच की लीपापोती हो गई। ज्ञानेंद्र और उनके पुत्र प्रिंस पारस की सार्वजनिक छवि उतनी अच्छी नहीं थी। लोग यह मानने को तैयार नहीं थे कि युवराज दीपेंद्र ने अकेले ही अपने पिता, माता, भाई, बहन और दादी को गोली मार दी होगी। दरबार हत्याकांड विदेशी षड्यंत्र भी साबित नहीं हो पाया। ज्ञानेंद्र 1950 के दशक में पहली बार चार साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे थे। तब ज्ञानेंद्र के दादा, राजा त्रिभुवन ने राणाओं के खिलाफ विद्रोह किया था, और दिल्ली निर्वासित हो गए थे। हालात ने उन्हीं ज्ञानेंद्र को 4 जून, 2001 को दोबारा से ताज पहनने का अवसर दिया। ज्ञानेंद्र ने पांच साल के कालखंड में लोकतांत्रिक ताकतों को अलग-थलग कर दिया। अंततः सत्ता में आये माओवादियों ने 28 मई, 2008 को नेपाल की संविधान सभा के ज़रिये राजशाही समाप्त कर दी। लेकिन, पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र और उनके परिवार को आवास, सुरक्षा सुविधाएं शासन द्वारा दिया जाना जारी रहा। नेपाल में जब तक राजाशाही थी, नरेश भगवान विष्णु के अवतार और हिन्दू राष्ट्र के संरक्षक माने जाते थे। विगत कुछ वर्षों से राजशाही समर्थक हिंदू राष्ट्र की वापसी के एजेंडे को सुलगाने लगे थे। 11 मार्च, 2025 को खबर आई कि नेपाल में इस एजेंडे के समर्थकों ने राजा ज्ञानेंद्र के साथ उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर भी लहराते हुए नारे लगाए। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र उससे पहले, 30 जनवरी, 2025 को गोरखपुर अपने इष्ट देव, गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आये थे, तब उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। गत 1 अप्रैल, 2014 को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता अशोक सिंघल ने कहा था, कि अगर नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हैं, तो नेपाल हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। फिर चौतारा में एक मंच योगी आदित्यनाथ के साथ साझा करते हुए, अशोक सिंघल ने वही बात दोहराई कि हिन्दू राष्ट्र और राजतंत्र की वापसी होगी। 17 नवंबर, 2015 को 89 वर्ष के अशोक सिंघल, गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में सिधार गए, नेपाल को हिन्दू राष्ट्र दोबारा से बनाने का सपना अधूरा रह गया। इस बीच, परदे के पीछे से ज्ञानेंद्र के लोग दिल्ली दरबार से संपर्क साधते रहे. अपरोक्ष रूप से ज्ञानेंद्र ने अपने दो निकटस्थ ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. कर्ण सिंह से भी राजशाही वापसी में मदद की उम्मीद तोड़ी नहीं थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां, माधवी राजे (किरण राज्य लक्ष्मी देवी), नेपाल के शाही परिवार से थीं। और डॉ. कर्ण सिंह की पत्नी महारानी यशो राज्य लक्ष्मी नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर परिवार से। दोनों अब दिवंगत हैं, लेकिन नेपाल के शाही परिवारों से भारतीय रजवाड़ों का भावनात्मक रिश्ता बरक़रार है। यह कहना कठिन है, कि हिन्दू राष्ट्र समर्थक दिल्ली के राजनीतिक गलियारों से कितनी मदद ज्ञानेंद्र के लोगों को मिल रही है, लेकिन नैतिक समर्थन मिलने से कोई इंकार नहीं कर सकता। विगत शुक्रवार को जो कुछ काठमांडो में हुआ, वो वीभत्स और विनाशकारी था। उस दिन टिंकुने में राजभक्तों का प्रदर्शन हिंसा में परिवर्तित हो गया, जब दुर्गा प्रसाई जीप दौड़ाकर सुरक्षाकर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों को कुचलने की कोशिश करने लगे। हिंसक भीड़ ने जड़ीबूटी प्रोसेसिंग एंड प्रोडक्शन कंपनी के आठ वाहनों को जला दिया, सीपीएन (एकीकृत समाजवादी) के मुख्यालय में आग लगा दी। कोटेश्वर में उन्होंने भटभटेनी सुपरमार्केट को लूट लिया, और जमकर तोड़फोड़ की। उग्र भीड़ ने पत्रकार सुरेश रजक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे उनकी वहीं झुलसकर मौत हो गई। पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान सबिन महर्जन की गोली लगने से मौत हो गई। एक बात तो है, नेपाल में लोग लगातार विफल गवर्नेंस से ऊबे हुए हैं। इसका दुष्परिणाम तो आना था। राजशाही

समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के डॉ. दुर्गा प्रसाई, 87 वर्षीय नवराज सुवेदी समेत 52 नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया गया है। ज्ञानेंद्र की सुरक्षा कम कर दी गई, पासपोर्ट ज़ब्त है। इस तांडव के बाद भी राजा समर्थकों ने आगामी दो हफ्ते देशव्यापी प्रदर्शन, और 20 अप्रैल को राजधानी में आंदोलन की घोषणा की है। राजा समर्थकों को लगता है, लोहा गरम है, इसलिए आंदोलन की धार बनाये रखो। मंगलवार को आरपीपी केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व में राजतंत्र की बहाली के लिए अपने अभियान को आगे बढ़ाने का फैसला किया गया। राजेंद्र लिंगडेन के साथ पूर्व प्रजातंत्रवादी कमल थापा कन्धा मिलाने लगे हैं। पार्टी के उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। राजा समर्थक शीर्ष समूह में आरपीपी नेता पशुपति शमशेर राणा, प्रकाश चंद्र लोहानी सदस्य हैं। लेकिन, ये दोनों 'बूढ़े घोड़े' अब राजशाही की मशाल को आगे बढ़ाने की ताकत नहीं रखते हैं। फिर भी, पार्टी के नेताओं में लीड लेने की रेस लग गई है। चुनांचे, आरपीपी विभाजन की ओर भी बढ़ रही है। लेकिन, ये सारे उपक्रम करने के बाद, 80 की उम्र छूने वाले ज्ञानेंद्र सत्ता का सुख भोग भी पाएंगे? उनके बेटे, पारस की छवि एक लापरवाह, 'ड्रग एडिक्ट', गंभीर रूप से बीमार राजकुमार की है। ज्ञानेंद्र के पोते हृदयेंद्र ने अभी-अभी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है, और उन्हें शासन कला का प्रशिक्षण तक नहीं मिला है। नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की वापसी भी होती है, तो वहां का 'मोदी' कौन होगा? ये तमाम सवाल, विक्रम के कंधे पर वेताल जैसे हैं।

आप का नजरिया

# संघ-भाजपा में तालमेल

**भले** ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं.धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता–पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्त्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

# आज का पंचांग

दिनांक : 03 अप्रैल 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 09:44 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 07:03 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 12:00 तक
करण : कौलव प्रातः 10:43 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 06:22 तक
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:29 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:31 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:24 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:20 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी ,
कात्यायनी पूजनम् , खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए डिस्कॉम्स उठाएं प्रभावी कदम : भजनलाल

**जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत् मॉनिटरिंग करें और लाइनों में सुधार, ट्रांसफार्मर और जीएसएस स्थापित करने से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करें। साथ ही, डिस्कॉम्स बिजली छीजत घटाने को प्राथमिकता देते हुए इसे न्यूनतम करने का लक्ष्य प्राप्त करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम्स) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स उन ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करें, जहां गत वर्ष विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं थी। टीएण्डडी और एटीएण्डसी लॉसेज को न्यूनतम करने के लिए फीडर्स लेवल मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, खराब मीटर्स का रिपेयर और रिप्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन निगम को पीक टाइम से पहले मेंटेनेंस पूरा करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम) ए तथा सी कम्पोनेन्ट्स मील का पत्थर साबित होंगे। इन कम्पोनेंट में अपेक्षित गति लायी जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण में आरडीएसएस योजना की अहम भूमिका है। इस योजना की प्रभावी क्रियान्विति से घरेलू एवं अघरेलू उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी और उन्हें ट्रिपिंग की समस्या से भी निजात मिलेगी। जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम्स इस योजना की प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें। जो कॉन्ट्रेक्टर्स योजना के कार्यों को संपादित करने में अनावश्यक देरी कर रहे हैं, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को सोलर प्लांट लगाते हुए निःशुल्क 150 यूनिट्स बिजली प्रतिमाह उपलब्ध कराएगी। जिन अल्प आय वर्ग के घरों पर सोलर प्लांट का स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां पर सामुदायिक सोलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस योजना की त्वरित क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने डिस्कॉम्स को लंबित घरेलू एवं अघरेलू कनेक्शन शीघ्र जारी करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लंबित कृषि कनेक्शन्स को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए। डिस्कॉम्स के अधिकारी प्रतिदिन कृषि कनेक्शन जारी करने की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेंजे। मुख्यमंत्री ने पीएचईडी कनेक्शनों को जारी करने की स्थिति, 33 और 11 केवी जीएसएस के निर्माण और खराब ट्रांसफार्मर के रिप्लेसमेंट की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। बैठक में ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, डिस्कॉम्स चैयरमेन आरती डोगरा, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, जोधपुर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल, अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा उपस्थित रहे।

# राजस्थान फार्मर रजिस्ट्री में देश में अव्वल : राजस्व मंत्री

**जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** प्रदेश के राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में फार्मर रजिस्ट्री में पीएम किसान के 81 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन कर राजस्थान ने देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके सफल प्रयासों का ही परिणाम है कि फार्मर रजिस्ट्री में प्रदेश के 73 लाख से अधिक किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाबद्ध रूप से कार्य कर फार्मर रजिस्ट्री के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए।

मीणा बुधवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से राजस्व तथा उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को सीमाज्ञान, आपसी सहमति से बंटवारा, भू–रूपांतरण के लंबित प्रकरणों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सीमाज्ञान के लिए संचालित ई–धरती पोर्टल में आवश्यक संशोधन कर इसे और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करें। राजस्व मंत्री ने कहा कि राजस्व से संबंधित लंबित प्रकरणों का व्यवस्थित और समयबद्ध निस्तारण कर अधिकारी जीरो पेंडेंसी पर कार्य करना सुनिश्चित करें। बैठक में श्री मीणा ने राजस्व मंडल एवं अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों, संभागीय आयुक्त न्यायालयों, जिला कलक्टर न्यायालयों के लंबित वादों की स्थिति की भी समीक्षा की।

### सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

# 7 करोड़ की लागत से बने फूड कोर्ट पर चला बुलडोजर

**अजमेर,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 7 करोड़ की लागत से बना फूड कोर्ट हटाने की कार्रवाई तेज हो गई है। प्रशासन ने पहले इसके कुछ हिस्से को तोड़ा था, लेकिन अब इसे पूरी तरह से ध्वस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है।17 मार्च को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 7 अप्रैल तक इस अवैध निर्माण को हटाकर रिपोर्ट पेश की जाए। प्रशासन ने आदेश का पालन करते हुए दोपहर चार बजे से फूड कोर्ट को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस दौरान वहां लगे पौधों और पेड़ों को सुरक्षित निकालने का भी प्रयास किया गया।

यह फूड कोर्ट आनासागर झील और उसके आसपास के वेटलैंड क्षेत्र में बना था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया। नगर निगम की टीम ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेश का पालन करते हुए कार्रवाई शुरू की।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत प्रशासन ने तबीजी और हाथीखेड़ा में वेटलैंड विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें तबीजी गांव के पास 9.50 हैक्टेयर, गैस बॉटलिंग प्लांट के पास 10.50 हैक्टेयर और हाथीखेड़ा के पास 0.75 हैक्टेयर भूमि शामिल है।

### कोटा में भव्य महाछप्पन भोग

# मेवों से बनेंगे महल और देव प्रतिमाएं वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज करने पहुंचेगी टीम

**कोटा,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** श्री अग्रसेन संस्कार सेवा समिति के तत्वावधान में 6 से 8 अप्रैल तक एक अद्वितीय धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होने जा रहा है। श्री महालक्ष्मी माता एवं खाटू श्याम बाबा के महाछप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए टीम कोटा पहुंच रही है। समिति के महामंत्री अशोक अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 40 कारीगरों द्वारा देसी घी से तैयार किए गए विविध व्यंजन छप्पन भोग में शामिल होंगे। इस दौरान चिरौंजी, अंजीर, मूंगफली, बादाम, मखाना, नारियल, हल्दी आदि से 18 भव्य महल बनाए जाएंगे। संस्थापक अध्यक्ष टीसी गुप्ता और प्रवक्ता संजय गोयल ने बताया कि राजमा से काली माता, भुने हुए चने से विष्णु भगवान, मिक्स मेवा और सुपारी से दुर्गा माता, बादाम और मूंगफली से साईं बाबा, मोती और मखाने से गणेश जी, काबुली चने से गणपति सहितकुल 9 भव्य देव प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं।

# मौसमी बीमारियों से बचाव की हो पुख्ता तैयारियां : खींवसर

**जयपुर,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष भी राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी एवं हीटवेव की चेतावनी दी गई है। इसे देखते हुए सभी जिलों में अधिकारी अलर्ट मोड में रहते हुए जल्द से जल्द आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। किसी भी चिकित्सा संस्थान में जांच, दवा एवं उपचार से संबंधित व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आगामी गर्मियों में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, राज्य स्तर से अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करें।

### भाजपा संकल्प पत्र में दिए हर वादे को पूरा करेगी

# पांच साल पूरा होने पर एक भी वादा शेष नहीं बचेगा : सैनी

**चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** समालखा पानीपत में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की उपलब्धियां गिनवाई और कार्यकर्ताओं को पार्टी की नींव बताया। भाजपा जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मंडल अध्यक्षों को संबोधित करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि संगठन की नींव कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और परिश्रम पर टिकी हुई है। पार्टी के मंडल अध्यक्ष जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण भाव से भाजपा आज इस मुकाम पर पहुंची है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर में पहुंचने पर आभार जताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रशिक्षण शिविर के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के लिए इस तरह के प्रशिक्षण पार्टी के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों में पार्टी की नीतियों, विचारों और कर्तव्यों को समझने का जहां अवसर मिलता है, वहीं संगठनात्मक कौशल निखारने का अवसर भी प्राप्त होता है।

## हरियाणा के लोग दिल खोलकर करेंगे प्रधानमंत्री का स्वागत

**चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को समालखा स्थित सेवा साधना केंद्र में बीजेपी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा को दो बड़ी सौगातें देंगे जिसमें हिसार स्थित एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा और यमुनानगर में 800 मेगावाट बिजली की यूनिट का शिलान्यास करेंगे।

# प्रॉपर्टी टैक्स वृद्धि का भाजपा ने किया कड़ा विरोध

### तत्काल वापसी की मांग

**चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स में की गई बढ़ोतरी को लेकर आज एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महापौर हरप्रीत कौर बबला ने की, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह बबला, और सभी भाजपा पार्षद उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान भाजपा पार्षदों ने सर्वसम्मति से इस अन्यायपूर्ण टैक्स वृद्धि का विरोध किया और इसे जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने वाला फैसला करार दिया। पार्षदों ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय हाउस की मंजूरी के बिना लिया गया है, जो पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के खिलाफ है।

प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने कहा, हम इस अव्यवहारिक और बिना किसी समुचित परामर्श के लागू किए गए कर वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। यह फैसला आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने वाला है और भाजपा इसकी तत्काल वापसी की मांग करती है।

# बंडारू ने राष्ट्रीय और हरियाणा के विकास में ओडीशा के लोगों के योगदान की सराहना की

**चंडीगढ़,02 अप्रैल (एजेंसियां)।** हरियाणा राजभवन में मंगलवार को ओडीशा दिवस का आयोजन किया गया। 1 अप्रैल, 1936 को ओडीशा का अलग राज्य के रूप में गठन हुआ। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की। उन्होंने हरियाणा और पूरे देश के विकास में ओडीशा के लोगों के अमूल्य योगदान की सराहना की।

राज्यपाल ने ओडीशा की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत पर प्रकाश डाला, और भारत की विरासत पर इसके गहन प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओडिशा न केवल प्राचीन मंदिरों और समृद्ध परंपराओं की भूमि है, बल्कि एक ऐसा राज्य भी है जिसने भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ओडिशा के मेहनती और कुशल कार्यबल ने विभिन्न क्षेत्रों में हरियाणा के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरियाणा में रहने वाले ओडिया समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भी इस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, राज्यपाल के एडीसी अमित यशवर्धन और राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने विविधता में एकता के महत्व को दोहराते हुए कहा कि ओडिशा की सांस्कृतिक समृद्धि भारत के बहुलवादी लोकाचार को मजबूत करती है। उन्होंने हरियाणा के प्रगतिशील वातावरण के साथ सहजता से जुड़ते हुए अपनी परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में ओडिया समुदाय के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में पद्मश्री डॉ. डी. बेहरा, निदेशक, पल्मोनरी मेडिसिन, फोर्टिस हेल्थकेयर, मोहाली, डॉ. आर.के. राठो, प्रोफेसर और वायरोलॉजी विभागाध्यक्ष, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, डॉ. सूर्य नारायण पांडा, यूरोसर्जरी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, डॉ. रघुनाथ साहू, अधीक्षक फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमईआर, और भाभाग्रही पात्रा, संयुक्त सचिव, उत्कल सांस्कृतिक संघ, चंडीगढ़ शामिल रहे।

# दंगाई, कसाई, राष्ट्रवाद सिर्फ शब्द नहीं, ये चुनावी शंखनाद है : योगी

**बरेली, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** बरेली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, दंगाई, कसाई, राष्ट्रवाद ये सिर्फ शब्द नहीं हैं, यह चुनावी शंखनाद है। बरेली कॉलेज के मंच से सीएम विरोधियों पर जमकर बरसे। कभी विपक्षियों का नाम लेकर तो कभी इशारों-इशारों में उनकी पोल खोली। अपनी सरकार की खूबियां गिनाना भी नहीं भूले।

रुहेलखंड की धरती से उन्होंने अघोषित रूप से विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंक दिया। मुख्यमंत्री की कट्टर हिंदूवादी नेता की छवि पूरे आयोजन में दिखी। भगवा मंच से विकास की चर्चा के बीच नवरात्र, मां भगवती, नाथ नगरी, भगवान शिव और अंत में जय श्रीराम बोलकर इरादे जता दिए। मंच पर मौजूद अन्य नेताओं ने भी राष्ट्रवाद की विचारधारा संग भाजपा की चुनावी तैयारियों का संदेश दिया। सीएम की मौजूदगी में आंवला विधायक और पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने आयोजन को धार्मिक और सियासी जामा पहनाया।

मंच से ही उन्होंने नारा लगवाया, योगीजी सब पर भारी, अयोध्या, वाराणसी के बाद अब मथुरा की बारी। इस नारे के साथ उन्होंने यह संदेश भी दे दिया कि अब सरकार मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मामले में कुछ बड़ा करने की तैयारी में है। जानकारों का कहना है कि सुन्नी बरेलवी मुसलमानों के सबसे बड़े मरकज आला हजरत दरगाह वाले शहर में सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी के बड़े मायने हो जाते हैं। उनका एक-एक लफ्ज यह बता रहा था कि यह सिलसिला अब विधानसभा चुनाव तक जारी रह सकता है।

अटल आवासीय स्कूल में राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्तों की फौज का जिक्र कर उन्होंने साफ संदेश दिया कि प्रदेश का भविष्य अब राष्ट्रवाद की विचारधारा से ही तय होगा। राष्ट्रवाद के रास्ते पर चलकर ही प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री ने जहां प्रदेश के विकास के पथ पर अग्रसर होने की बात कही, वहीं उन्होंने गोसेवा से पुण्य कमाने और दंगाइयों पर सख्त कार्रवाई की बात कर यह भी साफ कर दिया कि भारतीय परंपरा का निर्वहन करते हुए वह कानून-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं करने वाले हैं।

## बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा

# वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है

**मथुरा, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** मथुरा में एक कार्यक्रम में आए बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है। राज्यपाल ने वक्फ जमीनों का इस्तेमाल गरीबों के लिए करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जब वह उत्तर प्रदेश में मंत्री थे, तब वक्फ विभाग उनके पास था। उस समय वहां 90 प्रतिशत मुकदमे के सिवाय कुछ भी नहीं था। वह बुधवार को लोहवन स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

राज्यपाल ने सवाल करते हुए कहा कि मथुरा में जितने वक्फ हैं, उसमें समाज के लिए कोई काम हो रहा है? कहा कि एक जमीन पर कई मुकदमे हैं, जिसका निदान होना चाहिए। गरीबों को इससे कोई फायदा नहीं पहुंच रहा है, आज वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि गरीबों के फायदे के लिए इसका प्रयोग हो। किसी राजनेता के बयान पर कोई टिप्पणी करने से उन्होंने इन्कार कर दिया। इस दौरान विधायक पूरनप्रकाश भी मौजूद रहे।

# आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस जांच शुरू

**लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** 2006 बैच के आईएएस अभिषेक प्रकाश के तकरीबन पूरे कार्यकाल की विजिलेंस द्वारा जांच की जाएगी। इससे संबंधित आदेश सीएम योगी ने जारी किया था। इन्वेस्ट यूपी में निवेशक से वसूली के आरोप में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद से निलंबित किए गए आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस ने भी गोपनीय जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसूली के आरोप के बाद अभिषेक प्रकाश की सभी चल-अचल सम्पत्तियों की जांच का आदेश दिया था, जिसके बाद नियुक्ति विभाग ने गृह विभाग को पत्र लिखा था। गृह विभाग ने परीक्षण के बाद विजिलेंस को जांच शुरू करने का निर्देश दिया है।

वर्ष 2006 बैच के आईएएस अभिषेक प्रकाश के तकरीबन पूरे कार्यकाल की विजिलेंस द्वारा जांच की जाएगी। इन्वेस्ट यूपी में तैनाती से पूर्व वह लखीमपुर खीरी, बरेली, हमीरपुर, लखनऊ, अलीगढ़ के डीएम रह चुके हैं। वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के पद भी तैनात रहे हैं। लखीमपुर और बरेली में डीएम रहने के दौरान कई बीघा कृषि योग्य भूमि खरीदने के आरोपों की बीते दिनों जांच भी कराई गई थी, हालांकि यह भूमि उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदे जाने की वजह से उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी।

अब विजिलेंस उनकी और उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदी गई सभी चल-अचल सम्पत्तियों का ब्योरा जुटाएगा। साथ ही, यह पड़ताल भी करेगा कि पूरे कार्यकाल के दौरान कुल वैध आय कितनी रही और उन्होंने चल-अचल सम्पत्तियों को खरीदने और भरण-पोषण पर कितना व्यय किया। विजिलेंस गोपनीय जांच पूरी करने के बाद अभिषेक प्रकाश का स्पष्टीकरण लेगा और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगा। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर विजिलेंस शासन के निर्देश पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करेगा।

इन्वेस्ट यूपी मामले में अभिषेक प्रकाश के करीबी बिचौलिए निशांत जैन की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने भी इस प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर आयकर विभाग डिफेंस कॉरिडोर भूमि घोटाले की जांच करने जा रहा है।

इस घोटाले के दौरान अभिषेक लखनऊ के डीएम थे। राजस्व विभाग की जांच रिपोर्ट में उन्हें भी दोषी बताया गया है। इसके अलावा उनके खिलाफ नियुक्ति विभाग विभागीय जांच भी कर रहा है। नियुक्ति विभाग ने उन्हें आरोप पत्र भी थमाया है।

## लखनऊ में हुआ बहुचर्चित घोंघा बसंत हास्य आयोजन

# ब्रजेश पाठक का विद्या बालन से हुआ गंधर्व विवाह

## पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिया 11 रुपए का नेग

**लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** लखनऊ के चर्चित घोंघा बसंत आयोजन में ब्रजेश पाठक का गंधर्व विवाह डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साथ कराया गया। इस मौके पर कई लोगों को मूर्खरत्न का सम्मान मिला। इस वर्ष भी रंगभारती संस्था की ओर से एक अप्रैल को मूर्ख दिवस के रूप में हास्य उत्सव घोंघा बसंत का आयोजन चारबाग स्थित रवींद्रालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बनाए गए गधे से कराया गया। कवियों ने रचनाओं से खूब ठहाके लगवाए। डॉ. सुरेश अवस्थी को बेढब बनारसी रंगभारती सम्मान और डॉ. ताराचंद तनहा को सूंड़ फैजाबादी रंगभारती सम्मान दिया गया।

वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका पद्मा गिडवानी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पत्नी नम्रता पाठक के साथ मौजूद

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि रंगभारती के अध्यक्ष श्याम कुमार 64 वर्षों से इस आयोजन को कराते चले आ रहे हैं, यह उनकी जिजीविषा को दर्शाता है।

मंच पर पांच विभूतियों का गंधर्व विवाह भी कराया गया। इनमें डॉ. सुरेश अवस्थी का करीना कपूर के साथ, डॉ. अम्मार रिजवी का महबूबा मुफ्ती, आईएएस अभिषेक प्रकाश का ईडी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का विद्या बालन और श्याम कुमार का माधुरी दीक्षित के साथ गंधर्व विवाह कराया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की ओर से हर जोड़े की वधू को सदा सुहागन रहो के आशीर्वाद के साथ 11-11 रुपये का नेग दिया गया।

रंगभारती के अध्यक्ष श्याम कुमार इस बार किन्नर अखाड़े की नामांकित महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी की वेशभूषा में कमांडो के साथ मंच पर जब आए तो पूरा सभागार ठहाकों और तालियों से गूंज उठा। हास्य कलाकार राजेंद्र विश्वकर्मा हरिहर ने उनका स्वागत जूतों से बनी माला से किया।

महाकुंभ के दौरान अपनी टिप्पणियों से चर्चा में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य, रामगोपाल यादव, जया बच्चन, लालू यादव, स्टालिन, मल्लिकार्जुन खड़गे, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को मूर्खरत्न का राष्ट्रीय सम्मान दिया गया। ढेंचू सम्मान से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नवाजा गया। कुंभकर्ण सम्मान नगर निगम के अतिक्रमण उन्मूलन प्रभाग, एलडीए, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, वन विभाग, मुख्यमंत्री पोर्टल को नवाजा गया।

कवि सम्मेलन में डॉ. सुरेश अवस्थी (कानपुर) ने सुनाया- इनको पूरी छूट है, उनको पूरी छूट।हम हैं लुटने के लिए, जो चाहे ले लूट। अयोध्या के डॉ. ताराचंद तनहा ने पढ़ा- गोरी तेरे होंठ यूं, ज्यों फागुन के छंद। जाने किसके नाम है, निविदा मोहरबंद। विनोद सिंह कलहंस (बलरामपुर) ने सुनाया- हुई कुटाई, हुई धुनाई, तब मुझको ये इल्म हुआ, इश्क में इतने डंडे खाना सबके बस की बात नहीं। संदीप अनुरागी (बाराबंकी) ने सुनाया- पत्नी ने जब प्यार से कहा- खाना खाइए। टिंडे वाली सब्जी भी खीर लगने लगी।

अरविंद झा, श्याम कुमार, जमुना प्रसाद पांडेय अबोध, अमित अनपढ़, निर्भय निश्छल, कमलेश मौर्य मृदु (सीतापुर), समीर शुक्ल (फतेहपुर), राज बनारसी (वाराणसी), शेखर त्रिपाठी ने भी खूब हंसाया। कवियों को हास्य से भरे सम्मान दिए गए। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल की ओर से पत्तलों की जयमाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की ओर से गोबर के कंडे से बने जयमाल। लखनऊ के डीएम विशाख जी की ओर से स्वास्थ्य लाभ हेतु टमाटर। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल की ओर से राजमुकुट। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर से लॉलीपॉप भेंट किया गया।

# ताजिया का साइज छोटा करें हाइटेंशन लाइन से बचें

**लखनऊ, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों को सलाह दी है कि वे मुहर्रम में ताजिये की साइज छोटा रखें, वरना हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने का खतरा रहता है। योगी ने कांवड़ यात्रियों को भी सलाह दी कि डीजे का साइज छोटा करो। ऐसा नहीं किया तो सरकार कार्रवाई करेगी। योगी ने कहा, कानून सबके लिए बराबर है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास से लेकर कानून व्यवस्था तक की बात की और कहा कि राज्य तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है। 2030 तक यह देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर होगी। उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। पिछले कुछ दशकों में राज्य के विकास की उपेक्षा करने के लिए योगी ने पिछली सरकारों की आलोचना की।

योगी ने कहा, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी। 2016-17 में यह

राष्ट्रीय औसत के एक तिहाई तक कम हो गई। हम इसे 2016-17 के स्तर से दोगुना करने में सफल रहे हैं। मेरे आकलन के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था होगी। सीएम ने कहा कि हमने एक समय सीमा तय की है और जिस तरह से हम विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि हम 2029-30 तक अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

आठ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों से जुड़े सवाल के जवाब में सीएम ने कहा पिछले आठ वर्षों में हमने उन कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया है, जो पिछली सरकारें 70 वर्षों में हासिल नहीं कर सकीं। 1947 से 2017 के बीच 70 वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12-12.5 लाख करोड़ रुपए के दायरे में थी और देश में सातवें या आठवें स्थान पर थी। उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था 27.5 लाख करोड़ रुपए को पार कर गई है और देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा धर्म को स्वार्थ से नहीं जोड़ती है। क्या वह खुद को एक धार्मिक व्यक्ति या एक राजनीतिक नेता के रूप में अधिक मानते हैं? इस पर सीएम ने जोर देकर कहा, मैं एक नागरिक के रूप में काम करता हूं और खुद को विशेष नहीं मानता। एक नागरिक के रूप में, मेरे संवैधानिक कर्तव्य पहले आते हैं। मेरे लिए, राष्ट्र सर्वोपरि है। अगर देश सुरक्षित है, तो मेरा धर्म सुरक्षित है। जब धर्म सुरक्षित है, तो कल्याण का मार्ग अपने आप खुल जाता है।

यह पूछे जाने पर कि वह कैसे चाहते हैं कि उन्हें या उनकी विरासत को याद किया जाए? इस पर सीएम ने जबाव दिया कि दूसरों को उन्हें याद करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह हमेशा मौजूद हैं। उन्होंने कहा, नाम नहीं बल्कि काम को याद रखना चाहिए। किसी की पहचान उसके काम से होनी चाहिए, नाम से नहीं। उन्होंने कहा मैं वर्तमान में जी रहा हूं।

मुस्लिमों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि उन्हें राज्य के विकास में उचित हिस्सा मिलेगा, लेकिन सिर्फ इसलिए विशेष रियायतों की उम्मीद न करें कि वह अल्पसंख्यक हैं। मुसलमानों के साथ भेदभाव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुसलमान राज्य की आबादी का 20 प्रतिशत हैं, लेकिन सरकारी कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों में उनकी हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत है। हम न तो भेदभाव में विश्वास करते हैं और न ही तुष्टिकरण में।

मेरठ में उनके प्रशासन द्वारा सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ चेतावनी पर विवाद के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सड़कें चलने के लिए होती हैं और जो लोग (फैसले के खिलाफ) बोल रहे हैं, उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। प्रयागराज में 66 करोड़ लोग पहुंचे। कोई डकैती, सम्पत्ति का विनाश, आगजनी, अपहरण नहीं हुआ। इसे धार्मिक अनुशासन कहा जाता है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करने वालों की आलोचना करते हुए सीएम ने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ लूट खसोट (सम्पत्ति हड़पने) का अड्डा बन गए हैं और मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है। हिंदू मंदिरों और मठों द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में दान के उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने पूछा कि क्या किसी वक्फ बोर्ड ने कई गुना अधिक सम्पत्ति होने के बावजूद इस तरह का कल्याणकारी काम किया है। उन्होंने पूछा कि पूरे समाज की बात तो छोड़िए, क्या वक्फ सम्पत्तियों का इस्तेमाल मुसलमानों के कल्याण के लिए किया गया है।

एक सवाल के जवाब में सीएम ने कहा बुलडोजर मॉडल को अब अन्य राज्यों में भी त्वरित न्याय के रूप में अपनाया जा रहा है, हालांकि इसकी वैधता पर अक्सर सवाल उठते रहते हैं।

# रामनवमी पर रामलला का 18 घंटे तक होगा दर्शन

**अयोध्या, 02 अप्रैल (एजेंसियां)।** राम मंदिर ट्रस्ट छह अप्रैल को रामलला के दर्शन की टाइमिंग बढ़ाए जाने की तैयारी कर रहा है। मंदिर को सुबह पांच बजे से ही भक्तों के लिए खोला जा सकेगा। रामनवमी के मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ागी। इस दिन रामलला 18 घंटे तक दर्शन देंगे। मंदिर सुबह पांच बजे से लेकर रात 11 बजे तक खुलेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किए जाने की संभावना है। हालांकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रामनवमी मेले के आखिरी तीन दिन चार, पांच और छह अप्रैल को अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इन तीनों दिनों के दौरान रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव किए जाने की तैयारी है। ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर सकें। अनुमान है कि मुख्य पर्व रामजन्मोत्सव पर 20 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच सकते हैं। इसे देखते हुए राममंदिर ट्रस्ट और प्रशासन सुविधाएं भी विकसित करने में जुटा है।

रामजन्मभूमि पथ पर अस्थाई कैनोपी लगाई जा चुकी है और मुख्य पर्व तक पथ पर लाल कारपेट भी बिछा दिया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 200 स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की जा रही है।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय ने रामनवमी पर हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी है। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि प्रभु श्रीराम के ललाट पर सूर्य अभिषेक की तैयारियां चल रही हैं और विशेषज्ञों की एक टीम इस काम में जुटी हुई है।

उन्होंने यह भी बताया कि सूर्य अभिषेक का प्रसारण पूरे विश्व में किया जाएगा। चंपत राय ने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रामलला के दर्शन की अवधि बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

भक्तिपथ पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। 600 मीटर लंबे भक्तिपथ पर अस्थाई रूप से शेड लगाया गया है। श्रद्धालु इस मार्ग से होकर सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी और कनक भवन दर्शन के लिए जाते हैं, जहां लंबी कतारें लगती हैं। रोजाना 70 हजार से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं और मुख्य पर्व पर यह संख्या कई गुना बढ़ सकती है। शेड लगाने से श्रद्धालुओं को तेज धूप से राहत मिलेगी। भक्तिपथ पर पेयजल की व्यवस्थाएं भी बढ़ाई जा रही हैं, और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी।

राममंदिर के शिखर पर कलश की विधिपूर्वक पूजा की गई। राममंदिर के अलावा परिसर में स्थित सभी 16 मंदिरों के शिखरों पर कलश स्थापित किए जाएंगे। इन सभी कलशों का सामूहिक पूजन नवरात्र की पंचमी तिथि को वैदिक आचार्यों के मार्गदर्शन में किया गया।

# उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक, पुरुष जिम्नास्टिक टीम ने प्राप्त किया तीसरा स्थान

प्रयागराज,02 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित अंतर रेलवे प्रतियोगिताओं में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ज़ोन को गौरवान्वित किया। उत्तर मध्य रेलवे की टीमों और खिलाड़ियों को महाप्रबंधक उत्तर उपेंद्र चंद्र जोशी ने शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह उपलब्धियां हासिल करेंगे।

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि 22 से 28 मार्च तक एमसीएफ रायबरेली (यूपी) में आयोजित अंतर रेलवे महिला हॉकी चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने कांस्य पदक जीता। टीम की कोच नीलम व मैनेजर रचना चौरसिया थीं। गुरजीत कौर और निशा वारसी सहित अन्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों से सज्जित उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में पिछली बार की चैम्पियन साउथ ईस्टर्न रेलवे को 5-3 से हराया।

उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 28 से 30 मार्च तक कोलकाता में आयोजित अंतर रेलवे जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने टीम चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इस टीम के कोच देवेंद्र झा और सहायक कोच देवेश थे। प्रतियोगिता में आदित्य सिंह राणा टूर्नामेंट के ऑल राउंड बेस्ट जिम्नास्ट और अंकुर शर्मा टूर्नामेंट के ऑल राउंड दूसरे बेस्ट जिम्नास्ट बने।

आदित्य सिंह राणा ने फ्लोर में रजत और रिंग्स में स्वर्ण पदक, आशीष कुमार ने फ्लोर में स्वर्ण, सिद्धार्थ वर्मा ने पॉमेल हॉर्स में गोल्ड और अंकुर शर्मा ने पैरेलल बार में रजत पदक प्राप्त किया।

इसके अलावा 24 से 26 मार्च तक वाराणसी के बीएलडब्ल्यू में आयोजित इंटर रेलवे गोल्फ चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में कार्यरत अमित कुमार ने रजत पदक जीता। इवेंट में इनका स्कोर 36 होल में 4 अंडर स्कोर रहा। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एसपी द्विवेदी, उपाध्यक्ष बीपी सिंह, महासचिव सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अजय सिंह, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमित मालवीय उपस्थित रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रैल में होने वाले विश्व कप चरण-1 के लिए नहीं मिला अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी टीम ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी वीज़ा प्राप्त करने में असमर्थ है और संभवतः 8 से 13 अप्रैल तक फ्लोरिडा में होने वाले विश्व कप स्टेज-1 प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएगी। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने खुलासा किया कि 16 सदस्यीय टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एएआई ने इंस्टाग्राम पर कहा, दुर्भाग्य से पिछले 40 दिनों में हमारे अथक प्रयासों और कई फॉलो-अप के बावजूद भारतीय तीरंदाजी टीम को अप्रत्याशित सिस्टम मुद्दों के कारण अमेरिकी वीजा अपॉइंटमेंट प्राप्त करने में अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, हम आगामी विश्व कप प्रतियोगिता से बाहर होने के कगार पर हैं, जिसका हमारी भागीदारी और प्रतिस्पर्धी संभावनाओं पर गंभीर असर पड़ेगा। इस मुद्दे को हल करने और हमारी टीम के लिए संभावित झटके को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप जरूरी है। 2025 विश्व कप में पांच प्रतियोगिताएं शामिल हैं और यह 8 अप्रैल से 19 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें फ्लोरिडा, शंघाई, अंताल्या, मैड्रिड और नानजिंग मेजबान शहर होंगे। 2025 के लिए भारतीय टीम रिकर्व पुरुषः धीरज बोम्मदेवरा, तरूणदीप राय, अतनु दास और पार्थ सुशांत सालुंखे। रिकर्व महिलाः अंकिता भक्त, दीपिका कुमारी, सिमरनजीत कौर और अंशिका कुमारी। कंपाउंड मैनः अभिषेक वर्मा, ऋषभ यादव, ओजस प्रवीण देवताले और उदय कंबोज। मिश्रित महिलाएंः मधुरा धमनगांवकर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, तानीपर्थी चिकिथा और अदिति स्वामी।

### हार के बाद लखनऊ की पिच पर फूटा जहीर खान का गुस्सा, कहा-ऐसा लग रहा था जैसे पंजाब के क्यूरेटर ने तैयार की हो

लखनऊ। आईपीएल 2025 में घरेलू मैदान की पिच से परेशान होने वाली टीमों की सूची में अब लखनऊ

सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी शामिल हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद, अब एलएसजी भी अपने होम ग्राउंड की पिच से निराश नजर आई। टीम के मेंटॉर ज़हीर खान ने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली 8 विकेट की हार के बाद अपनी नाराजगी ज़ाहिर की और कहा कि ऐसा लग रहा था मानो यहां पंजाब का क्यूरेटर काम कर रहा हो। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एलएसजी को आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद ज़हीर खान ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी जताई। मैच के बाद जहीर खान ने कहा, यह थोड़ा निराशाजनक है, क्योंकि यह हमारा घरेलू मैदान है। आईपीएल में आपने देखा होगा कि टीमें अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोशिश करती हैं। लेकिन यहां क्यूरेटर ने इस बारे में नहीं सोचा। ऐसा लग रहा था जैसे यह पंजाब का क्यूरेटर था। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए भी एक नई जिम्मेदारी है, लेकिन उम्मीद है कि यह पहला और आखिरी मैच होगा जहां ऐसा हुआ। हमारे प्रशंसक हमें यहां जीतते हुए देखना चाहते हैं। हमें अपनी घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की जरूरत है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जहीर से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कप्तान ऋषभ पंत ने पिच को गलत पढ़ा, तो उन्होंने जवाब दिया, देखिए, हम तो वही करेंगे जो क्यूरेटर कहेगा, नहीं इसे बहाने के रूप में नहीं ले रहे, लेकिन पिछले सीजन में भी हमने देखा कि यहां बल्लेबाजों को दिक्कत होती थी और गेंदबाज हावी रहते थे।

### अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी :फ्लेमिंग

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा

नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है।

# गुजरात ने बेंगलुरु को आठ विकेट से हराया

## सिराज के बाद सुदर्शन और बटलर चमके

बेंगलुरु,02 अप्रैल (एजेंसियां)। पहले मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी और फिर जोस बटलर की तूफानी फिफ्टी से गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को उसके घर में 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात की टीम की ये 18वें सीजन में दूसरी जीत है, जबकि आरसीबी को लगातार दो मैच में मिली जीत के बाद पहली हार का स्वाद चखना पड़ा है। गुजरात टाइटंस और आरसीबी के बीच यह मुकाबला एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। मैच में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। टॉस हारने के बाद आरसीबी की टीम ने लियाम लिविंगस्टोन और जितेश की पारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर खेल में 8 विकेट के नुकसान पर जैसे-तैसे 169 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम ने 13 गेंद रहते ही 170 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस तरह आरसीबी को अपने घर में ही हारकर शर्मसार होना पड़ा।गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में एक बार फिर से साईं सुदर्शन ने बल्लेबाजी में कमाल किया था। साईं सुदर्शन ने शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 36 गेंद में 49 रनों की पारी खेली। वह सिर्फ 1 रन से अपनी फिफ्टी चूक गए। अपनी इस पारी में सुदर्शन ने 7 चौके और 1 छक्का भी लगाया। वहीं कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर से बल्लेबाजी में असरदार नहीं रहे।

शुभमन के विकेट के बाद जोस बटलर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। कुछ देर तक क्रीज पर समय बिताने के बाद उन्होंने भी अपनी रफ्तार पकड़ी। इसके बाद तो मानों वह आरसीबी के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे। बटलर गुजरात की तरफ से तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए 39 गेंद में 73 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 5 चौके भी लगाए। वहीं उनके साथ इंपैक्ट सब के रूप में शेफरन रदरफोर्ड 18 गेंद में 30 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात के लिए रदरफोर्ड ने विनिंग शॉट लगाया।

गुजरात के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी के गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। आरसीबी की टीम कसी हुई फील्डिंग के बावजूद सिर्फ 2 विकेट ही निकाल पाई। टीम की करफ से ये दोनों विकेट तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के नाम रहा। इसके अलावा और कोई भी गेंदबाज विकेट निकालने में सफल रहे।

# आईपीएल 2025: एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर लगा मैच फीस का 25प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

**मंगलवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी)और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए आईपीएल 2025 मैच के दौरान एलएसजी के तेज गेंदबाज दिग्वेश सिंह को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके चलते उन्हें उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना भरना होगा और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है।**

दिग्वेश ने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया, आर्या डग-आउट की ओर जा रहे थे, तो दिग्वेश ने उनका पीछा किया और एक काल्पनिक नोटबुक पर लिखना शुरू कर दिया। हालांकि बल्लेबाज ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की। गौरतलब है कि पिछले साल दिल्ली प्रीमियर लीग में दोनों ने एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया था। दिग्वेश की इस हरकत को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन माना गया। दिग्वेश ने लेवल 1 अपराध के तहत अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करना स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। आईपीएल के नियमों के अनुसार, यदि किसी खिलाड़ी के चार डिमेरिट पॉइंट जुड़ जाते हैं, तो उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया जा सकता है। हालांकि, दिग्वेश पर अभी सिर्फ एक डिमेरिट पॉइंट लगा है, इसलिए उन्हें किसी निलंबन का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन अगर आगे भी इस तरह की कोई घटना दोहराई जाती है, तो उन पर सख्त कार्रवाई हो सकती है।

### आरसीबी बनी इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली आईपीएल टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंस्टाग्राम पर अपनी लोकप्रियता के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीम ने 18 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी बन गई है। आरसीबी ने अपने अनोखे और आकर्षक कंटेंट के जरिए फैंस से गहरा जुड़ाव बनाया है, जिससे सोशल मीडिया उनके लिए ब्रांड ग्रोथ और कमर्शियल एंगेजमेंट का एक मजबूत जरिया बन गया है। यह जानकारी फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में दी गई। पिछले साल नवंबर 2023 तक आरसीबी, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) से पीछे थी। हालांकि, टीम की प्रभावी सोशल मीडिया रणनीति और फैंस की जबरदस्त निष्ठा ने उसे इस रेस में आगे ला दिया। अब आरसीबी के 18.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि सीएसके के 17.8 मिलियन और एमआई के 16.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आरसीबी ने 23 मार्च को 17 मिलियन का आंकड़ा छुआ था और महज 10 दिनों में 18 मिलियन तक पहुंच गई। आरसीबी की सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के पीछे उनकी हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ऐतिहासिक जीत भी एक बड़ी वजह रही। टीम ने 17 साल बाद सीएसके को उनके घरेलू मैदान पर हराया, जिससे फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम को जबरदस्त सपोर्ट मिला और फॉलोअर्स की संख्या में तेजी आई।

# शार्लेट एडवर्ड्स बनीं इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की नई हेड कोच

लंदन,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

**इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को शार्लेट एडवर्ड्स को इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। पूर्व इंग्लैंड कप्तान एडवर्ड्स ने अपने देश के लिए 300 से अधिक मैच खेले हैं और अपने 20 साल के क्रिकेट करियर में दो वर्ल्ड कप और पाँच बार एशेज ट्रॉफी जीती है। 2017 में संन्यास लेने के बाद, एडवर्ड्स ने इंग्लिश घरेलू क्रिकेट और वैश्विक टी20 लीगों में कोचिंग की है। उन्होंने दक्षिणी वाइपर, द हंड्रेड में साउदर्न ब्रेव, विमेंस बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स और विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के साथ सफलता हासिल की है।**

अपनी नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुए एडवर्ड्स ने कहा, इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के नेतृत्व का फिर से हिस्सा बनने पर मैं बेहद रोमांचित हूं। इस टीम को आगे ले जाना और सफलता की ओर बढ़ाना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरे लिए फिर से तीन शेरों (इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम का लोगो) को धारण करना दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान है। इंग्लैंड की कप्तानी करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है और मैं हमेशा इस टीम और इसकी विरासत के प्रति समर्पित रहूंगी। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है, और मैं उनके साथ काम करने और उन्हें व्यक्तिगत और टीम स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा, हमारे सामने दो घरेलू सीरीज का त्वरित चुनौती है, जिसके बाद इस साल के अंत में भारत में आईसीसी महिला विश्व कप खेला जाना है।

अगले साल इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप भी होगा और इसके बाद 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में महिला क्रिकेट की पहली उपस्थिति होगी। मैं इस टीम के साथ ट्रॉफी जीतने और इसे आगे ले जाने के लिए तैयार हूं।

ईसीबी की डिप्टी सीईओ और इंग्लैंड महिला क्रिकेट की मैनेजिंग डायरेक्टर क्लेयर कॉनर ने कहा, जब हमने इस पद के लिए मानदंड तय किए, तो यह जल्दी स्पष्ट हो गया कि शार्लेट एडवर्ड्स सबसे बेहतरीन उम्मीदवार हैं।

उन्होंने आगे कहा, उनके पास अनुभव, जुनून और विशेषज्ञता है, जो इस टीम को सफलता की ओर ले जा सकती है। बतौर हेड कोच उन्होंने अलग-अलग टीमों के साथ बेहतरीन नतीजे दिए हैं। यह उनके निरंतर प्रयास और उच्च मानकों का प्रमाण है। वह एक सिद्ध विजेता हैं, जिन्होंने एक खिलाड़ी और अब कोच के रूप में लगातार सफलता हासिल की है।

शार्लेट एडवर्ड्स वर्तमान में हैम्पशायर से ईसीबी में शामिल हो रही हैं। इंग्लैंड महिला टीम की हेड कोच के रूप में उनका पहला मैच 21 मई को वेस्टइंडीज के खिलाफ कैंटरबरी में होगा। इंग्लैंड महिला टीम के नए कप्तान की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

# वेस्ट इंडीज़ 1975 विश्व कप की ऐतिहासिक जीत की 50वीं वर्षगांठ मनाएगा

नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

**वेस्ट इंडीज़ अपनी ऐतिहासिक 1975 विश्व कप जीत की 50वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है, जिसे लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन में 21 जून 1975 को हासिल किया गया था। उस समय इसे प्रूडेंशियल वर्ल्ड कप कहा जाता था। इस टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लाइव लॉयड की शानदार सेंचुरी ने वेस्ट इंडीज़ को 17 रन से जीत दिलाई थी और लॉयड ने ट्रॉफी उठाई थी।**

वेस्ट इंडीज़ के इस ऐतिहासिक सम्मान समारोह का आयोजन बारबाडोस में होगा, हालांकि अभी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

विश्व प्रसिद्ध क्रिकेटर माइकल होल्डिंग ने इस योजना का स्वागत करते हुए कहा, यह एक बेहतरीन विचार है। मैं विस्तार से तो नहीं जानता, लेकिन यह बहुत अच्छा है कि हम अपनी उपलब्धियों को मान्यता दे रहे हैं।

होल्डिंग, जो 1975 के विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा नहीं थे, 1979 और 1983 के विश्व कप में वेस्ट इंडीज़ का हिस्सा रहे। 1983 में भारत ने वेस्ट इंडीज़ को फाइनल में हराया था।

होल्डिंग ने आगे कहा, सभी अन्य देश अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं और हमें भी अपनी कहानी लिखनी चाहिए और अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए। 1975 की विश्व कप जीत वेस्ट इंडीज़ क्रिकेट इतिहास के सबसे महान क्षणों में से एक मानी जाती है, जो उनके विश्व क्रिकेट में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने के समय पर आई। वेस्ट इंडीज़ का प्रभुत्व अगले दशक तक बना रहा, लेकिन उसके बाद टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई, और तब से वह पूरी तरह से वापस नहीं आ सकी है। सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने हाल ही में मीडिया सम्मेलन में इस आयोजन की योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा, इस साल हम 1975 में हुई अपनी पहली विश्व कप जीत की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हम आयोजन के अंतिम चरण में हैं, कुछ चीज़ों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डॉ. शैलो ने स्पोर्ट्समैक्स वेबसाइट को बताया,यह हमारे वार्षिक कैलेंडर का एक प्रमुख हिस्सा होगा। इस जीत के 12 जीवित सदस्य हैं, और हम उनका सम्मान बारबाडोस में होने वाले इस समारोह में करेंगे। यह हमारे लिए एक शानदार आयोजन होगा, साथ ही हम अपनी घरेलू सीरीज का भी इंतजार कर रहे हैं, वर्तमान में जीवित 12 सदस्य हैं: गॉर्डन ग्रीनिज़ (73), अल्विन कालिचरन (76), रोहन कन्हाई (89), क्लाइव लॉयड (80), विव रिचर्ड्स (73), बर्नार्ड जूलियन (75), डेरेक मरे (81), वैनबर्न होल्डर (79), एंडी रॉबर्ट्स (74), कॉलिस किंग (73), लांस गिब्स (90) और मौरिस फोस्टर (81)। इस टीम के दो खिलाड़ी अब इस दुनिया में नहीं रहे - रॉय फ्रेडरिक्स (सितंबर 2000 में 57 वर्ष की आयु में निधन) और कीथ बॉयस (अक्टूबर 1996 में 53 वर्ष की आयु में निधन)।

# एसयूवी की मांग के बीच, इस साल मारुति की वैगनआर ने बेची सबसे ज्यादा गाड़ी

**नई दिल्ली,02 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

एसयूवी गाड़ियां का चलन दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है, लेकिन देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी की पुरानी गाड़ी वैगनआर ने फिर लोगों को चौंका दिया है। फाइनेंशियल ईयर 2025 में वैगनआर देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी है। उसने टाटा की पंच को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। पिछले वित्त वर्ष में देश में वैगनआर की बिक्री 1.98 लाख यूनिट रही जबकि टाटा की पंच 1.96 लाख यूनिट के साथ दूसरे नंबर पर रही। हुंडई की क्रेटा 1.94 लाख यूनिट के साथ तीसरे नंबर पर रही।

वैगनआर की जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टॉप 5 में ये अकेली छोटी गाड़ी है। बाकी सब एसयूवी या यूपी हैं। मारुति की अर्टिगा 1.90 लाख यूनिट के साथ चौथे और ब्रेजा 1.89 लाख यूनिट के साथ पांचवें नंबर पर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने कहा कि कई लोगों को लगता था कि हैचबैक गाड़ियां अब नहीं चलेंगी, लेकिन वैगनआर की बिक्री ने दिखा दिया कि अभी भी इस कैटगरी में दम है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा देश है और यहां हर तरह के ग्राहक हैं। कुछ लोग हैचबैक गाड़ियों को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि मारुति हर तरह की गाड़ियां बनाने और बेचने पर ध्यान दे रही है। इसमें एसयूवी भी शामिल हैं, जो कंपनी के लिए एक अहम क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि मारुति हर कैटगरी में गाड़ियां बेचती है। हम एसयूवी या किसी और कैटगरी को कम नहीं आंकते। हम ग्राहकों को विकल्प देकर उनकी पसंद को सीमित नहीं करना चाहते। बाजार में एसयूवी गाड़ियों की बहुत मांग है। पिछले कुछ साल में एसयूवी की बिक्री दोगुनी हो गई है। अब ये सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ियां हैं। इस साल में एसयूवी की बिक्री 54 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान कुल मिलाकर 43 लाख गाड़ियां बिकीं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

## गोरी ने की...

आइए, इसकी पूरी कहानी को विस्तार से समझते हैं।

भारत में वक्फ की औपचारिक शुरुआत का श्रेय अक्सर अफगानी आक्रमणकारी और लुटेरे शासक मोहम्मद गोरी को दिया जाता है। गोरी अफगानिस्तान के घोर प्रांत से आया एक तुर्की शासक था, जिसने 12वीं सदी के अंत में भारत पर कई हमले किए। 1175 में उसने मुल्तान के इस्माइली शासक को हराया और 1192 में तराइन के दूसरे युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा किया। गोरी का मकसद सिर्फ सत्ता हासिल करना नहीं था, बल्कि इस्लामी संस्थानों को मजबूत करना भी था।

इतिहासकार विपुल सिंह की किताब इंटरप्रेटिंग मेडिएवल इंडिया और अयनुल मुल्क मुल्तानी की फारसी किताब इन्शा-ए-मेहरु के अनुसार, गोरी ने 1185 में मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव दान में दिए। इन गांवों का मैनेजमेंट शेख-अल-इस्लाम को सौंपा गया, जो उस समय एक प्रमुख मजहबी नेता की उपाधि थी। यह भारत में वक्फ का पहला दर्ज उदाहरण माना जाता है। गोरी का यह कदम धार्मिक और सामुदायिक कल्याण के लिए था, ताकि मस्जिद की देखभाल और मुसलमानों की शिक्षा के लिए संसाधन जुटाए जा सकें। हालांकि, कुछ वामपंथी इतिहासकार जैसे प्रोफेसर इरफान हबीब मानते हैं कि वक्फ की अवधारणा इससे पहले भी व्यक्तिगत स्तर पर मौजूद थी, लेकिन गोरी ने इसे शासकीय पहचान दी। इन दो गांवों से शुरू हुई यह परंपरा आगे चलकर लाखों एकड़ तक फैल गई। गोरी की मृत्यु 1206 में हुई, लेकिन उसके गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाया।मोहम्मद गोरी का गुलाम और सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक साल 1206 में दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान बना। उसने 1206 से 1210 तक शासन किया और भारत में इस्लामी शासन की नींव रखी। ऐबक के दौर में वक्फ को औपचारिक रूप से लागू करने का कोई स्पष्ट दस्तावेज नहीं मिलता, लेकिन उसने इस्लामिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए, जो वक्फ के विकास में मददगार साबित हुए। ऐबक ने दिल्ली में कुतुब मीनार और कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद की नींव रखी। ये मजहबी स्थल बाद में वक्फ सम्पत्तियों का हिस्सा बने। इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी की किताब तारीख-ए-फिरोज शाही के मुताबिक, उस दौर में शासक अक्सर मस्जिदों और मदरसों के लिए जमीनें दान करते थे। ऐबक का शासन छोटा था, लेकिन उसने इस्लामी कानूनों को लागू करने की शुरुआत की, जिसने वक्फ को मजबूत करने का रास्ता खोला। उसकी मृत्यु के बाद उसका दामाद इल्तुतमिश सत्ता में आया, जिसने वक्फ को और व्यवस्थित किया।

दिल्ली सल्तनत का तीसरा सुल्तान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश 1211 से 1236 तक शासक रहा। उसे भारत में इस्लामी शासन को मजबूत करने वाला पहला शासक माना जाता है। इल्तुतमिश ने न सिर्फ सल्तनत को संगठित किया, बल्कि इस्लामी कानूनों और परंपराओं को व्यवस्थित करने में भी अहम भूमिका निभाई। वक्फ इसकी एक बड़ी मिसाल है। इल्तुतमिश के शासन में मस्जिदों, मदरसों और अन्य मजहबी कार्यों के लिए सम्पत्तियां दान करने की प्रथा बढ़ी। बदायूं में शम्सी मस्जिद, जिसका निर्माण उसके शासनकाल में हुआ, एक वक्फ सम्पत्ति का उदाहरण है। इतिहासकार बताते हैं कि इल्तुतमिश ने वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर कमेटियां बनाईं, जिन्हें मुतवल्ली कहा जाता था। ये कमेटियां सम्पत्ति की देखभाल और उससे होने वाली आय को जन-कल्याण में लगाने का काम करती थीं। इल्तुतमिश के दौर में ज्यादातर सम्पत्ति शासकों के पास होती थी, इसलिए वे ही वाकिफ (दानदाता) बनते थे।उसकी बनाई मस्जिदें और मदरसे वक्फ के तहत संरक्षित किए गए। विद्वान अमीर अफाक अहमद फैजी के मुताबिक, बदायूं में मिरान मुलहिम की कब्र और बिलग्राम में ख्वाजा मजद अल-दीन का मकबरा भी इल्तुतमिश के समय की वक्फ सम्पत्तियों के उदाहरण हैं। इल्तुतमिश ने वक्फ को एक संस्थागत रूप दिया, जो बाद के शासकों के लिए आधार बना। मुगल काल में वक्फ ने नया आयाम लिया। बाबर (1526-1530) ने 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई जीतकर मुगल साम्राज्य की नींव रखी। उसके बाद हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब जैसे शासकों ने वक्फ को और संगठित किया। बाबर और हुमायूं: बाबर ने अपने छोटे शासन में वक्फ को बढ़ावा दिया। उसने दिल्ली में मस्जिदें बनवाईं, जो बाद में वक्फ सम्पत्ति बनीं। हुमायूं का शासन अस्थिर रहा, लेकिन उसने भी इस काम को जारी रखा।अकबर (1556-1605): अकबर ने वक्फ को व्यापक रूप दिया। उसने लखनऊ में फरांगी महल को वक्फ किया, जो एक बड़ा इस्लामिक शिक्षण केंद्र बना। अकबर ने मजहबी कार्यों के लिए जमीनें दान कीं और वक्फ के प्रबंधन को मजबूत करने के लिए नियम बनाए। शाहजहां (1628-1658): शाहजहां ने ताजमहल के रखरखाव के लिए 30 गांव और एक परगना वक्फ में दिया। विद्वान अमीर अफाक अहमद फैजी लिखते हैं कि यह मुगल काल में वक्फ का सबसे बड़ा उदाहरण था। शाहजहां ने दिल्ली में जामा मस्जिद भी बनवाई, जो वक्फ सम्पत्ति का हिस्सा बनी। औरंगजेब (1658-1707): औरंगजेब ने भी वक्फ को बढ़ावा दिया, लेकिन उसका फोकस मजहबी कार्यों पर ज्यादा था। उसने कई मस्जिदों और कब्रिस्तानों के लिए जमीनें दान की। मुगल काल में वक्फ सम्पत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी। शासकों के अलावा आम लोग भी अपनी जमीनें दान करने लगे। ग्रामीण इलाकों में मुस्लिम समुदाय के फैलने और धर्म परिवर्तन के साथ वक्फ का दायरा बढ़ता गया।ब्रिटिश शासन में वक्फ को कानूनी और संगठित रूप मिला। उससे पहले यह व्यक्तिगत और समुदाय स्तर पर चलता था। प्रोफेसर इरफान हबीब बताते हैं कि ब्रिटिश सरकार ने वक्फ को नियंत्रित करने की कोशिश की, ताकि उसकी सम्पत्तियों का प्रबंधन व्यवस्थित हो सके। साल 1913 में वक्फ बोर्ड की शुरुआत: 1913 में ब्रिटिश सरकार ने मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट पारित किया। इसका मकसद वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी करना और उनके दुरुपयोग को रोकना था। यह पहला मौका था जब वक्फ को सरकारी स्तर पर मान्यता मिली। साल 1923 का वक्फ एक्ट: 5 अगस्त 1923 को मुसलमान वक्फ एक्ट 1923 लाया गया, जिसने वक्फ को कानूनी आधार दिया। इस एक्ट के तहत वक्फ सम्पत्तियों का रजिस्ट्रेशन और प्रबंधन शुरू हुआ। बोर्ड बनाए गए, जिनमें समुदाय के लोग और सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे।

हबीब कहते हैं, ब्रिटिश काल में जमींदार और नवाब अपनी अतिरिक्त सम्पत्तियां दान कर दिया करते थे। यह प्रथा पहले से थी, लेकिन इसे संगठित करने की कोशिश ब्रिटिश सरकार ने की। इस दौर में वक्फ की सम्पत्तियां मस्जिदों, कब्रिस्तानों और मदरसों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि इसमें नकदी और इमारतें भी शामिल हुईं। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में लाई। इसे लेकर सरकार और विपक्ष में जमकर रस्साकशी चली। इसी बीच बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र छेड़ दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 1911 में जिन्ना मुस्लिम वक्फ एक्ट लेकर आए थे, और 1954 तक इसे जिन्ना लॉ के नाम से जाना जाता था। हिंदुओं और मुसलमानों के अलग-अलग कानूनों ने इस देश में विभाजन को जन्म दिया। तो आखिर क्या है ये जिन्ना का मुस्लिम वक्फ एक्ट? ये भी समझ लेते हैं।

मोहम्मद अली जिन्ना 20वीं सदी की शुरुआत में कांग्रेस का नेता था। वो एक बड़ा वकील था और उस समय तक उसका इस्लामी कट्टरता वाला चेहरा सामने नहीं आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1911-1913 के दौरान जिन्ना ने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के तहत इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल में एक महत्वपूर्ण कानून को पेश करने में अहम भूमिका निभाई, जिसे मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट, 1913 कहा जाता है। यह एक्ट वक्फ सम्पत्तियों से संबंधित कानूनी विवादों को सुलझाने के लिए बनाया गया था। 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश अदालतों और प्रिवी काउंसिल ने कई फैसले दिए, जिनमें वक्फ की वैधता पर सवाल उठे। खास तौर पर, 1894 के अब्दुल फतह बनाम सईदन मामले में प्रिवी काउंसिल ने फैसला दिया कि अगर कोई वक्फ अपने परिवार के लाभ (वक्फ-अलाल-औलाद) के लिए बनाया गया है, तो वह इस्लामी कानून के तहत वैध नहीं होगा। इस फैसले ने भारत में मुस्लिम समुदाय में चिंता पैदा की, क्योंकि पारिवारिक वक्फ उनकी परंपरा का हिस्सा थे।

इस समस्या को हल करने के लिए मुस्लिम नेताओं ने ब्रिटिश सरकार से एक नया कानून बनाने की मांग की। जिन्ना तब इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य था। उसने इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया। 7 मार्च 1911 को यह बिल पेश किया गया, जिसे बाद में संशोधनों के साथ 1913 में पारित किया गया। यह कानून 7 मार्च 1913 को लागू हुआ। इसका मकसद था कि पारिवारिक वक्फ को कानूनी मान्यता मिले और प्रिवी काउंसिल के फैसले से सामने आया असमंजस खत्म हो। निशिकांत दुबे का दावा है कि 1954 तक इसे जिन्ना लॉ कहा जाता था, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेजों में कहीं भी इसका जिक्र नहीं मिलता। चूँकि यह जिन्ना के प्रयासों से आया था, इसलिए इसे जिन्ना लॉ के रूप में जोड़ा जाता है। लेकिन आधिकारिक तौर पर इसका नाम हमेशा मुसलमान वक्फ वैलिडेटिंग एक्ट-1913 ही रहा।साल 1923 में मुसलमान वक्फ एक्ट 1923 पारित हुआ, जो वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन से जुड़ा था। आजादी के बाद भारत सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए 1954 में एक नया वक्फ एक्ट बनाया। इसके बाद 1995 और 2013 में इसमें संशोधन हुए और अब 2025 में वक्फ संशोधन बिल पेश किया जा रहा है। वक्फ की कहानी सिर्फ शासकों तक सीमित नहीं है। 7वीं सदी में अरब व्यापारियों ने दक्षिण भारत में इस्लाम के साथ वक्फ की परंपरा लाई। मालाबार क्षेत्र में मस्जिदें और कब्रिस्तान इसके शुरुआती उदाहरण हैं।इतिहासकार सतीश चंद्रा की किताब मेडिएवल इंडिया के मुताबिक, दक्कन के बहमनी सल्तनत और विजयनगर साम्राज्य के बीच संपर्क में भी वक्फ का जिक्र मिलता है। स्वतंत्रता के बाद 1954 में वक्फ एक्ट आया, जिसे 1995 और 2013 में संशोधित किया गया। आज वक्फ बोर्ड के पास 9.4 लाख एकड़ जमीन है, जो इसे देश का तीसरा सबसे बड़ा जमींदार बनाती है। दो गांवों से शुरू हुआ वक्फ आज 9.4 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। इसमें 8.7 लाख से ज्यादा सम्पत्तियां शामिल हैं। मस्जिदें, दरगाहें, कब्रिस्तान और इमामबाड़े इसके बड़े हिस्से हैं।वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब की चिंता है, जिस सम्पत्ति का कोई मालिक नहीं होता, उसके सब मालिक बन जाते हैं। वक्फ के साथ भी यही हुआ। कई जगह इसका दुरुपयोग हुआ। वे कहते हैं कि लोग संशोधन बिल पर शक करते हैं कि सरकार इसके जरिए जमीनों पर कब्जा करना चाहती है। हबीब कहते हैं, वक्फ समाज के लिए बना था। इसे उसी भावना से चलाना चाहिए। मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली कहते हैं, वक्फ में कोई गैर-कानूनी कब्जा नहीं होता। यह आरोप बेबुनियाद हैं। मुसलमानों ने अपनी जमीनें दान की हैं। मौलाना खालिद कहते हैं, वक्फ इस्लाम में नमाज और हज जितना अहम है। यह 1400 साल से चली आ रही परंपरा है। लेकिन वे मानते हैं कि इसमें नीयत बदल गई है। आज वक्फ बोर्ड की ताकत और उससे जुड़े विवाद सरकार के लिए चुनौती हैं। यह संशोधन कितना कारगर होगा, यह वक्त बताएगा। लेकिन राजगोपाल जैसे लोगों का दर्द और सवाल अभी अनसुने हैं।

## नया वक्फ...

तीसरा, तिलकायत श्री गोविंदलाल जी महाराज बनाम राजस्थान सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिरों की सम्पत्तियों के प्रबंधन का अधिकार सेक्युलर मामला है, धार्मिक नहीं।

किरेन रिजिजू ने 2014 में हुए संशोधन की बात करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले 123 सम्पत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दिया। ये सरकारी सम्पत्ति थी। उन्होंने कहा कि लोग समझदार हैं, ऐसे काम करने से वोट नहीं मिलता है। उन्होंने बताया कि 1995 में जो प्रावधान नहीं थे, उन्हें 2013 में जोड़ा गया था। इसमें बताया गया है कि वक्फ बोर्ड को जमीन वही व्यक्ति दान कर सकता है, जिसने कम से कम 5 वर्ष इस्लाम की प्रैक्टिस की हो। वक्फ बोर्ड में सब शिया, सुन्नी, बोहरा और पिछड़े मुस्लिम भी रहेंगे, महिलाएं भी रहेंगी। इसमें मुस्लिम विशेषज्ञों को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल में 4 गैर-मुस्लिम सदस्य रह सकते हैं और 2 महिलाएं होनी ही चाहिए। साथ ही किसी भी धर्म/मजहब के 3 सांसद इसमें रहेंगे। इसके अलावा 10 सदस्य मुस्लिम समिति से होंगे, इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के 2 पूर्व जज रहेंगे। एक वकील भी रहेगा। 4 प्रतिष्ठित लोग विभिन्न क्षेत्रों से रहेंगे। एक अधिकारी भी रहेंगे। 10 मुस्लिम सदस्यों में ही 2 महिलाएं रहेंगी।किरेन रिजिजू ने बताया कि वक्फ बोर्ड में जो प्रावधान जरूरी नहीं थे, उन्हें देश के कानून के हिसाब से कर दिया गया है। किरेन रिजिजू ने इस आंकड़े की भी चर्चा की, जिसमें बताया गया है कि रेलवे और डिफेंस के बाद सबसे अधिक जमीनें वक्फ बोर्ड की है। उन्होंने बताया कि रेलवे की सम्पत्तियां देश की सम्पत्ति है, इसी तरह डिफेंस की सम्पत्ति भी देश की है। वहीं उन्होंने कहा कि वक्फ की प्रॉपर्टी प्राइवेट होती है, दुनिया में सबसे अधिक वक्फ सम्पत्ति भारत में है। उन्होंने सवाल उठाया कि इसके बावजूद देश के मुस्लिम गरीब क्यों है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार दलित मुस्लिमों के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि चंद वोटों और सत्ता के लिए मुस्लिमों को गुमराह किया जा रहा है। किरेन रिजिजू ने कहा कि 2006 में 4.90 लाख वक्फ सम्पत्तियां थीं, जिसकी आय थी 163 करोड़ रुपए। 2013 में बदलाव के बाद भी मात्र 3 करोड़ रुपए ही आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सच्चर कमिटी ने भी कहा है कि अच्छे से प्रबंधन होता तो उसी वक्त वक्फ प्रॉपर्टी से 12,000 करोड़ रुपए का राजस्व आता। किरेन रिजिजू ने कहा कि सोचिए इससे कितने मुस्लिमों को फ़ायदा होता। आज कुल वक्फ सम्पत्तियां 8.72 लाख वक्फ सम्पत्तियां हो गई हैं।

लोकसभा में बुधवार 2 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल पेश करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि नया कानून बनने के बाद वक्फ बोर्ड एक कानून-सम्मत संस्था होगी, इसमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी सदस्य होंगी। सम्पत्ति का आधिकारिक लेखा-जोखा होगा। उसकी ऑडिट होगी। इस कानून का मजहब से कोई लेना-देना नहीं होगा। इस कानून के जरिए सरकार मस्जिदें छीन लेंगी, सम्पत्ति अधिग्रहीत कर लेगी वगैरह वगैरह महज अफवाहें हैं जिसे जानबूझ कर फैलाया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम सब किसी न किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से आते हैं, लेकिन सब भारतीय हैं। राज्य सरकारों को अधिकार दिए गए हैं कि जो सम्पत्ति पंजीकृत है, उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो विवादित सम्पत्तियां हैं और अदालत में पेंडिंग हैं, उनमें सरकार कैसे हस्तक्षेप कर सकती है?

इसी तरह, रिजिजू ने याद दिलाया कि कैसे सीएए बिल के समय कुछ लोगों ने कहा था कि इसके लागू होने से मुस्लिमों की नागरिकता चली जाएगी, आज ये कानून लागू है लेकिन गलत साबित होने के बावजूद ऐसी बातें करने वालों ने माफी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि कोई भी मुस्लिम जब वक्फ क्रिएट करता है तो उस परिवार में महिला का अधिकार सुनिश्चित करने के बाद ही वो ऐसा करेगा। उसी प्रॉपर्टी पर वक्फ बनाया जा सकता है जिसमें शत-प्रतिशत हिस्सा हो, महिलाओं-बच्चों का अधिकार नहीं छीना जा सकता है।किरेन रिजिजू ने कहा कि समाज में महिलाओं को दबाने का काम करने वाले यहां जोर-जोर से बोल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेपीसी का सुझाव मानते हुए कलक्टर के ऊपर के अधिकारियों को विवादित वक्फ सम्पत्ति के मामले में जाँच का अधिकार दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनजातीय समाज के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किया गया है कि अनुसूचित जनजाति की सम्पत्तियों में वक्फ सम्पत्तियां क्रिएट नहीं की जा सकेंगी। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अब कोर्ट भी जाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने वाले प्रावधान को हटा दिया गया है। जमीन हड़पने के लिए इस प्रावधान का गलत इस्तेमाल किया गया। किरेन रिजिजू ने कहा कि आज पूरे देश का ईसाई समुदाय और चर्चों के लोग आज कह रहे हैं कि वक्फ संशोधन बिल जल्दी पारित हो, क्योंकि इसके सेक्शन-40 का दुरुपयोग होता था। उन्होंने इस दौरान विपक्षी दलों को याद दिलाया कि इस बिल का विरोध करने पर उन्हें केरल के ईसाईयों का विरोध झेलना पड़ेगा। उन्होंने तमिलनाडु के तिरुचांदुराई स्थित 1500 वर्ष पुराने मंदिर को और यमुनानगर में स्थित एक गुरुद्वारे के अलावा केरल में 600 ईसाई परिवारों की जमीनों को वक्फ सम्पत्ति घोषित किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें अब जमीन वापस मिल जाएगी। किरेन रिजिजू ने कहा कि अब भी मौका है, विपक्षी दल इस वक्फ बिल का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके जैसे एक साधारण व्यक्ति को इस पुण्यकार्य का मौका दिया है, करोड़ों गरीब उन्हें दुआ देने वाले हैं। उन्होंने अपील की कि सब इस दुआ में शामिल हों, ये दुआ उन्हें अकेले क्यों मिले। उन्होंने अंत में एक शेर के साथ अपनी बात खत्म की : मेरी हिम्मत को तो सराहो, मेरे हमराही बनो / मैंने एक शमा जलाई है हवाओं के खिलाफ...

## 13000 वर्ग ...

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मार्च 2024 तक अतिक्रमण के तहत कुल वन भूमि से इस क्षेत्र को बाहर रखा गया था या नहीं। वन क्षेत्र या रिकॉर्डेड फॉरेस्ट एरिया (आरएफए) में सरकार की तरफ से आधिकारिक तौर पर वन के रूप में नामित भूमि शामिल है, भले ही उस पर पेड़ न हों।

## लोकतंत्र में शासन...

कनिमोझी ने सवाल किया था कि सरकार प्रवेश के लिए परीक्षाओं को अपने संस्थानों तक सीमित नहीं रख सकती। वह इन परीक्षाओं का विकेंद्रीकृत क्यों नहीं कर सकती, जहां राज्य बोर्ड परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर राज्य भरते हैं। केंद्रीय मत्री धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली का बचाव करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत पिछली यूपीए सरकार ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है और मेडिकल प्रवेश परीक्षा केंद्रीकृत है।

उन्होंने कहा, प्रश्न का मूल यह है कि आप नीट परीक्षा को खत्म क्यों नहीं कर देते और राज्यों को अधिकार क्यों नहीं दे देते। उन्होंने कनिमोझी को संबोधित करते हुए कहा, पिछली यूपीए सरकार ने इस मॉडल की शुरुआत की थी। हमें इसे आगे बढ़ाना है। आप उस सरकार का हिस्सा थीं। वह उस समय इस पर राजी हो सकती थीं।

## नेपाल सीमा से ...

सिद्धार्थनगर से लगती सीमा पर तो ब्रिटेन के पाउंड स्टर्लिंग, अमेरिकी डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात के दिरहम, दक्षिण कोरियाई वॉन और चीनी युआन करेंसी के भी एक्सचेंज की सुविधा खुलेआम मिल रही है। बॉर्डर पर मिले आबिद ने दावा किया कि कितनी भी करेंसी हो एक्सचेंज होगी। बस कुछ समय लगेगा। महराजगंज जिले में सोनौली बॉर्डर पर मनी एक्सचेंज की दुकानें खुलेआम सजी हुई हैं। नौतनवा में डॉलर और दिरहम का एक्सचेंज हो रहा है। कमीशन पर सौदेबाजी होती है। इसका तीसरा बड़ा केंद्र ठूठीबारी है। निचलौल रोड से कोतवाली गेट से पहले तक भारतीय रुपए को नेपाली और नेपाली को भारतीय में बदलने की सुविधा खुलेआम मिलती है, लेकिन दिरहम और डॉलर के लिए थोड़ी मुश्किल और थोड़ा मोलभाव ज्यादा होता है। पान के एक दुकान में ही सारी करेंसी बदली जा रही है, खुलेआम।नेपाल से लगते भारतीय क्षेत्रों में अवैध मनी एक्सचेंज देश की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। आईबी और एसएसबी के अधिकारी यह कहते तो हैं, लेकिन इस धंधे को रोकना अब इनके बस में नहीं है। सोनौली बॉर्डर पर मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि अवैध मनी एक्सचेंज में कमीशन सोने की तस्करी पर निर्भर करता है। सोना तस्करी बढ़ेगी तो कमीशन भी बढ़ेगा। तस्करी घटी तो कमीशन भी उसी के साथ घटेगा। नवंबर से जनवरी के बीच कमीशन सात प्रतिशत तक पहुंच गया था। यानि, नेपाल से सोना भारत लाया जा रहा है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार नेपाल से हर साल करीब 10 टन सोने की तस्करी भारत में की जाती है। फाउंडेशन का दावा है कि सोने के बाद नेपाल से सबसे ज्यादा मानव तस्करी होती है।

मनी एक्सचेंज का सीधा जुड़ाव मनी लॉन्ड्रिंग से है। इसका उपयोग नेपाल में टेरर फंडिंग के रूप में किया जा रहा है। इसके प्रमाण मिलने के बाद एफएटीएफ ने नेपाल को ग्रे सूची में शामिल कर दिया है। भारत-नेपाल संबंधों के जानकार बताते हैं कि इस सूची में उन देशों को ही शामिल किया जाता है जो आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन के लिए सुरक्षित माने जाते हैं। विदेशों से नेपाल के बैंक खातों में धन भेजा जाता है। नेपाली करेंसी में रकम निकालकर भारत पहुंचाई जाती है। यहां से भारतीय रुपए में बदलकर काठमांडू पहुंचाया जाता है। यह पैसा टेरर फंडिंग के काम आता है।

## भारतीय सेना ने...

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में पाकिस्तान सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की है। भारत की ओर से पड़ोसियों के इस दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। एक अप्रैल को कृष्णा घाटी इलाके में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से एक लैंड माइन में विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरदस्त गोलीबारी की गई। उनकी ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की ओर हालात पर काबू पाया। फिलहाल स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन मंगलवार दोपहर 1.10 बजे किया गया। तत्काल ही भारतीय सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया। विस्फोट और दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में दुश्मन के पांच सैनिक घायल हुए हैं।जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने एक बयान में बताया कि 1 अप्रैल 2025 को एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित तरीके से प्रभावी ढंग से जवाब दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने के लिए 2021 के महानिदेशक सैन्य अभियान की समझ के सिद्धांतों को बनाए रखने की अहमियत को दोहराती है। 25 फरवरी 2021 को दोनों देशों के बीच समझौते को नया रूप देने के बाद से जम्मू और कश्मीर की सीमाओं पर संघर्ष विराम उल्लंघन दुर्लभ हो गया है।

## भारत में वापस...

लेकिन पुरानी राजनीति को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने (एआईएडीएमके) की सरकार पर भी सवाल उठाए। साथ ही कहा कि जब आपकी सरकार 10 साल तक सत्ता में थी, तब आपने इस मुद्दे पर क्या किया? क्या आपने कभी इस पर बात की? इसके साथ ही स्टालिन ने कच्चातीवु द्वीप के पास श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि 2024 में अब तक 500 से अधिक मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है, और यह स्थिति रोज़ बढ़ती जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कच्चातीवु द्वीप को वापस पाना ही इस समस्या का हल है और केंद्र सरकार को श्रीलंका के साथ समझौते में संशोधन करना चाहिए।हालांकि इससे पहले विपक्ष के नेता एडप्पादी पलानीस्वामी ने कच्चातीवु के श्रीलंका को हस्तांतरण का इतिहास बताया। सात ही डीएमके पर आरोप लगाया कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए इस मुद्दे की अनदेखी की। पलानीस्वामी ने कहा कि 1974 में जब कच्चातीवु श्रीलंका को दिया गया था, तब तमिलनाडु में डीएमके की सरकार थी। पलानीस्वामी ने यह भी याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता ने 2008 में कच्चातीवु को वापस पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था, लेकिन यह मामला अभी भी अनसुलझा है। इसके साथ ही पलानीस्वामी ने डीएमके पर आरोप लगाते हुए कहा कि डीएमके ने इस मुद्दे को राजनीतिक कारणों से उठाया है, क्योंकि 2026 के चुनाव से पहले यह एक चुनावी मुद्दा बन गया है।

## मनमाने किराये ...

विधेयक पर विपक्षी सांसदों के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। इससे पहले चर्चा का जवाब देते हुए नायडू ने कहा यह विधेयक भारत में विमानन के क्षेत्र में नई क्रांति का उदय करेगा। इसके माध्यम से केपटाउन संधि एवं प्रोटोकॉल को मंजूर किया है। इस पर भारत पहले ही हस्ताक्षर कर चुका है। अभी विमानन कंपनियों के विवादों के कारण उनके विमान खड़े हो जाते हैं। इससे उद्योग को खासा नुकसान पहुंचता है। खासतौर पर जो भी विमान को पट्टे पर देता है, उसे कई तरह से हानि उठानी पड़ती है। इसलिए केंद्र का मानना था कि विमान को पट्टे पर देने के लिए एक स्पष्ट कानून होने चाहिए। इसीलिए यह विधेयक लाया गया है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस कानून से विमानन क्षेत्र को कई तरह की सुविधाओं को लाभ मिलेगा। विधेयक पारित होने से पट्टे पर विमान लेने की लागत में 8 से 10 फीसदी की कमी आएगी। इसका सीधा लाभ यात्री किराये में मिल सकेगा। नायडू ने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय विमानन क्षेत्र ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। देश के विमानन क्षेत्र की तरक्की दुनिया के लिए मिसाल है। देश में करीब 359 विमान थे जो कि अब 840 हो गए हैं। इसमें हर दिन चार हजार यात्राओं का प्रबंधन किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि देश के बहुत से हिस्सों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से जोड़ा जाए।

नायडू विपक्ष की तरफ से किराये की विसंगतियों को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब भी दिया और कहा कि किसी भी देश में किराये के लिए सामान नीति नहीं होती। इस पर संतुलित रुख अपनाना होता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि किसी तरह की अनियमितता और कानून के खिलाफ काम करने पर सरकार की तरफ से कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने हवाईअड्डे पर मिलने वाले खाने के महंगे सामान से जल्द निजात दिलाने का आश्वासन भी दिया और कहा कि 25 रुपए में समोसा मिल सकेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 03 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# महाराजा अग्रसेन जी व महा लक्ष्मी जी की रथ यात्रा के संदर्भ में पोस्टर विमोचित

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना द्वारा चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास महाराजा अग्रसेन जी व महा लक्ष्मी जी की रथ यात्रा का पोस्टर विमोचित किया गया।आभास तेलंगाना अध्यक्ष योगेश जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि हैदराबाद में

महाराजा अग्रसेनजी की रथ यात्रा एवं महा लक्ष्मी जी की साक्षात अखंड दिव्य ज्योत 11अप्रैल को प्रातः पधारेगी और 15 अप्रैल तक रहेगी। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु महावीर प्रसाद अग्रवाल को कार्यक्रम का प्रधान संयोजक बनाया गया है।

महावीर प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि रथ यात्रा तेलंगाना के प्रमुख शहरों में घुमाई जाएगा और इस की व्यस्था हेतु संयोजक मंडल का विस्तार करना होगा, अतः सभी से निवेदन किया गया के हैदराबाद के अतिरिक्त तेलंगाना प्रांत के सभी अग्र बंधु स्वेच्छा से इस पुनीत कार्य में जुड़कर अपना सहयोग दे। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य केवल सभी अग्र बंधुओं को महा लक्ष्मीजी की अखंड ज्योत जो महाराजा अग्रसेन जी को साक्षात दर्शन देने के समय से चली आ रही के दर्शन करना और आशीर्वाद दिलाना और साथ ही सभी अग्र बंधुओं को जोड़ना है। अग्रोहा धाम के दर्शन हेतु प्रेरित करना है जहां ठहरने के लिए 104 वातानुलित कमरे और भोजन की व्यवस्था निशुक है।आभास के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने रथ यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रथ यात्रा अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के चांदमल अग्रवाल के संयोजन में पूरे उत्तर भारत के भ्रमण के बाद आंध्र प्रदेश से तेलंगाना के खम्मम में 4 अप्रैल को प्रवेश करेगी और वहा से वारंगल होते हुए करीमनगर, रामागुंडम, गोदावरी खनी, मानचिरियाल पहुंचेगी और आगे बेलमपल्ली से होते हुए सिरपुर कागजनगर में विश्राम करेगी। आगे आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद से 11 अप्रैल हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगी। रथ यात्रा पांच दिनों में हैदराबाद में होने की वजह से हमने शहर को पांच जोनों में बाट दिया है और उसी प्रकार एक एक दिन एक एक जोन में भ्रमण करेंगे। 13 अप्रैल रविवार को हैदराबाद के पुराने शहर के ऐतिहासिक भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार से विशाल रथ यात्रा के साथ महिलाओं द्वारा कलश यात्रा, ध्वज यात्रा, बैंड ,बाजा, बग्गी, भजन कीर्तन आदि के साथ पुराने शहर का भ्रमण करेगी। जिस में पुराने शहर के शाहअलीबंडा शाखा, चेलपुरा शाखा, उर्दूगली शाखा, रिकाबगंज शाखा, घांसीबाजार झूला शाखा, रानी सती दादी शाखा, मुरली नगर शाखा, आदि अपना सहयोग देगी। सभी प्रांतों में अग्र बंधुओं द्वारा भोजन एवं अल्पाहार की व्यस्था की जा रही है। इस पुनीत कार्य में कोई भी शाखा अपने प्रांत में रथ यात्रा बुलाना चाहते है तो संपर्क कर सकते है।

आभास के मानद मंत्री विनय जैन ने बताया कि इस रथ यात्रा में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने समाज के कार्यकारणी की सभा में बताया कि उस रथ यात्रा को समाज की सभी 95 शाखाओं के अग्र बंधुओं का पूरा समर्थन रहेगा।प्रचार मंत्री अशोक बंसल ने सभी का आभार प्रकट करते हुए बताया कि समय सीमा कम होने की वजह से हर प्रांत की शाखाएं आपस में मिलकर किसी एक जगह पर पूजा अर्चना की व्यस्था करे जिस से समय बच जाएगा और अधिक से अधिक अग्र बंधु दर्शन लाभ ले सकेंगे।अवसर पर भाग्यलक्ष्मी मंदिर की न्यासी शशिकला, विनोद जैन, शिवकुमार भाल-वाले, बजरंगलाल भालवाले, रेखा अग्रवाल, रिंकू गर्ग, ऋतु जैन,कमल गर्ग,पंकज मित्तल आदि उपस्थित थे।

एफटीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत इनाणी ने एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल को वर्ष 1930 (हिंदी में 95 वर्ष पूर्व) में प्रकाशित हैदराबाद शहर/राज्य की व्यापार निर्देशिका भेंट की।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी सेंट्रल जोन के सदस्यों ने सेंट्रल जोन डीसीपी शिपवल्लई से भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर शिपवल्ली ने राम नवमी और हनुमान जयंती की शोभा यात्रा पर शांति स्थापित करने पीस कमेटी को सेवा देने पर बधाई दी। कार्यक्रम में सेंट्रल जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकृष्ण शर्मा, डॉ. रविंदर, उदयश्री रेड्डी, मो. अब्दुल खादर, चंद्रशेखर, जीतेंद्र विजयवर्गी, मो. अली, सतीश व अन्य उपस्थित ।

## राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को श्री सीताराम कल्याणम में आमंत्रित किया गया

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री सीताराम कल्याणम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है। आयोजकों ने इस भव्य महोत्सव में राज्य के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को भी आमंत्रित किया है। भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और निमंत्रण दिया। आयोजकों ने राज्यपाल को बताया कि भगवान राम का विवाह सीताराम बाग स्थित सीताराम मंदिर में हर साल भव्य रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका इतिहास लगभग 300 साल पुराना है। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें आमंत्रित किये जाने पर खुशी है। उन्होंने कार्यक्रम में भाग ले की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद सभी सदस्यों का नाम लेकर परिचय कराया गया और उन्हें बधाई दी गई। राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव के अध्यक्ष डॉ. भगवंतु राव, महासचिव गो-विंदराती, उपाध्यक्ष मेट्टू वैकुंटम, कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, सदस्य राम राजू और विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य अभियान के अध्यक्ष पागुडाकुला बालास्वामी शामिल थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आगामी 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायतार्थ चैक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को आमंत्रित करते राधे राधे ग्रूप हैदराबाद, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल , महेश अग्रवाल एवं आगामी 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायतार्थ चैक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को आमंत्रित करते राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल , महेश अग्रवाल एवं आरजे इंस्पायरेशन के चेयरपर्सन उमा कार्तिक तथा संस्था के सदस्य।

## बीडीएल ने वर्ष 2024-25 के दौरान दर्ज किया रिकार्ड टर्नओवर

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बी डी एल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 3300 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) बिक्री मूल्य का कारोबार दर्ज करते हुए पिछले वित्तीय वर्ष के 2369 करोड़ के कारोबार के मुकाबले लगभग 40% की रिकार्ड वृद्धि की है।

2) इसमें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान की गई लगभग 1200 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) की अब तक की सर्वाधिक निर्यात बिक्री भी शामिल है जो पिछले वित्तीय वर्ष 161 करोड़ रुपये की थी और इसमें भी लगभग 640% की निर्यात बिक्री की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई है।

3) वित्तीय वर्ष 2024-25 में बी डी एल ने रु. 6668 करोड़ के नए ऑर्डर भी हासिल किए हैं।

जिससे दिनांक 01 अप्रैल 2025 की तारीख को कंपनी की ऑर्डर बुक (अनंतिम और अलेखापरीक्षत) रु. 22700 करोड़ है।

# सिडबी का 35वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), देश में सूक्ष्म , लघु एवं माध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास के लिए शीर्ष वित्तीय संस्था है। 2 अप्रैल 2025 को सिडबी ने अपना 35 वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मनोज मित्तल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएँ दी और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बैंक के लिए बढ़िया कारोबार करने पर बधाई दी तथा इसी तरह आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

सिडबी के हैदराबाद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी श्री वी. चंद्रमौली, महाप्रबंधक ने किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री चंद्रमौली ने सभी को सिडबी स्थापना दिवस की बधाई दी तथा सिडबी की यात्रा की जानकारी दी और एमएसएमई के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर, अतिथि के रूप में, श्री सी. रवि चंद्रमौली, प्रबंध निदेशक, क्वालिटी टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित थे जो सिडबी के काफी पुराने ग्राहक हैं। उन्होंने अपने व्यवसाय का अनुभव, सिडबी से प्राप्त सकारात्मक सहयोग एवं ऋण सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए सिडबी की बहुत प्रशंसा की। उन्होंने अपनी कारोबारी यात्रा की चुनौतियों का भी जिक्र किया और उनसे उबरने के अनुभव साझा किए। इस अवसर पर, श्री पी. वी. एस. लक्ष्मी नारायणा, उप महाप्रबंधक, श्री टी. विद्यासागर, उप महाप्रबंधक और अन्य अधिकारीगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

शमशाबाद स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत बुधवार को हवन का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति दी। अवसर पर उपस्थित , सचिव भोलाराम पवार, शिक्षा समिति अध्यक्ष केसाराम काग , हेमाराम काग ,रतन लाल परिहार , महिला मंडल, इंदिरा देवी पंवार, सन्तोष देवी काग, ममता परिहार , सन्तोष देवी काग वं अन्य।

# विभिन्न क्षेत्रों में गौ ग्रास के लिए गौ दान पात्र वितरित

## गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपया दान योजना अभियान का प्रचार प्रसार

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** गत 5 वर्षे पूर्व में आयी भयंकर कोरोना महामारी के कारण नगरद्वय के आस पास चल रही विभिन्न गौशालाओ को हो रही आर्थिक कठीनाइया के समाधान अंतर्गत लव फोर काऊ फाण्डेशन के पदाधिकारीयो द्वारा गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये दान योजना अभियान कार्याम का विभिन्न क्षेत्रो में जोर दार प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में लव फोर काऊ फाउण्डेशन की ट्रस्टी रंजना शाह एवं विरेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि आज नई दिल्ली में दिल्ली की नवनिर्वाचीत मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से उनके कार्यालय में फाउंडेशन की परमेश्वरी शर्मा ने भेट कर उन्हे लव फॉर काऊ फाउंडेशन की विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हे आगामी मई माह में आयोजित होने वाले गौ महा आरती कार्याम में विशेष रूप से पधारने का निवेदन किया गया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि फाउंडेशन की गतिविधियो से वह प्रभावीत है और आगामी कार्याम में यथा संभव आने का प्रयास करने का विश्वास दिलाया।

गौमाता के प्रतिदन एक रूपये के दान के संकल्प अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रो में गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो का वितरण तथा इसका जोरदार प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसके अंतर्गत लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, आर.के. जैन, मुकेश चौहान, प्रविण वाणीगोता ने हैदराबाद महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी, तेलुगु फिल्म अभिनेत्री एवं नवनिर्वाचीत एम.एल.सी. विजय शांति से भेंटकर उनके स्वहस्तो से गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो में दान राशी को पात्र में डालकर इसफेंसहयोग किया गया। महापौर गद्वाल विजयलक्ष्मी एवं एम.एल.सी विजय शांति ने फाउंडेशन द्वारा चल रहे इस संकल्प कार्याम से वह अत्यंत प्रभावीत है। उन्होने आगे कहा कि हम सभी को संकल्प करना है कि आज के बाद यथा संभव अपने परिवार में गाय के दूध का ही प्रयोग करेंगे। इसके साथ ही साथ अपने इष्ट मित्रों को ही गाय के दूध को प्रयोग लाने की प्रेरणा देंगे यह गो भक्ती के प्रति यह मेरा संकल्प है।

गौ ग्रास हेतु गौ दान पात्रो का विभिन्न क्षेत्रो में वितरण किया गया जिसके अंतर्गत शंकरपल्ली के पास स्थित श्री ब्रह्म सुत्र मरकठ शिवलिंगम मंदिर के अध्यक्ष डी गोपाल रेड्डी, उपाध्यक्ष पी. शंकर, पूर्व अध्यक्ष के. सदानंद गौड, डी. जनार्दन, दर्शन गौड, देवेनद्र रेड्डी, इंद्रसेन रेड्डी, शंकर रेड्डी आदि से मंदिर के जिर्णोद्धार के संदर्भ में चर्चा की तथा मंदिर परिसर में नूतन गौशाला प्रारंभ करने का निवेदन किया गया जिसका मदीर के पदाधिकारीयो ने जल्दी इस विषय पर मिटींग बुलाकर तुरंत ही गौशाला प्रारंभ एवं जिर्णोद्धार के संदर्भ में निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया।

शंकरपल्ली के एम. राघवुलु, डी. राजेश्वर, डी. रमणा से गौ दान पात्रो का ज्यादा से ज्यादा वितरण करने का निवेदन किया गया जिसे उन्होने एवं अन्यो ने गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये योजना के लिए विशेष रूप से प्रयास करने एवं सहयोग करने का आश्वासन दिया।

फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल ने कहा कि यह योजना को प्रारंभ करके 10 वर्ष पूर्ण हुए है और आगामी 1 वर्ष में 20 हजार दान पात्रो का वितरण करने की योजना है। उन्होने सभी से निवेदन किया की गौभक्तो से निवेदन है कि गौमाता की सेवार्थ हेतु आप अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, बच्चो के जन्मदिन, पित्तरो की पुण्य दिवस आदि किसी भी प्रसंग पर गौमाता के लिए दान देकर जीवन को धन्य बनायें। बुंद बुंद सरोवर भरें इस वाक्य अनुसार अगर हम रोज गौमाता के नाम एक रूपया निकालते है तो वह महिने के 30 या साल के 365रू होते है जो एक छोटी रकम है पर जब यह एक विशाल रूप धारण करता है तो इससे सरोवर समान राशी जमा हो जायेगी जिसके फल स्वरूप हम एक बडे लक्षय को साध सकते है। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि हमारा शहर के आस पास करीब 40 गौशाला है एवं कई गौशालाओ को आर्थिक कठीनाईया है। लव फोर काऊ फाउण्डेशन के माध्यम से प्रतिदिन एक रूपये दान योजना चलाई जा रही है तथा गोवत्स फाउंडेशन के माध्यम से हम गो ग्रास के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रो में दान पात्र लगाकर उससे प्राप्त होने वाले आय से विभिन्न गौशाला आर्थिक अव्यवस्थाओं को दुरू करने एवं गोग्रास के लिए सहयोग करना आदि शामिल है।


**दक्षिण मध्य रेलवे**

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

**ई-निविदा सूचना संख्या 461/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दिनांक 01.04.2025** PUB/0327

अधोहस्ताक्षरित द्वारा 23.04.2025 के 15:30 बजे तक निम्न कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

**क्रम.सं. 1 निविदा आईडी:** 2761 **सीनियर डेन/डेन सेक्शन:** उत्तर कार्य का विवरण: गुंटूर डिवीजन: तेनाली गुंटूर सेक्शन: एडीईएन/उत्तर/जीएनटी सेक्शन में 20.19 किमी की कुल बाड़ लंबाई के लिए एनएचएआई एंटी-क्रैश बैरियर/डब्ल्यू-बीम स्टील बाड़ लगाने के प्रकार के ट्रैक के साथ सुरक्षा बाड़ लगाने का प्रावधान **अनुमानित मूल्य:** रु. 68848385/- **पूधरा:** रु. 494300/-

**क्रम.सं. 2 निविदा आईडी:** 2762 **सीनियर डीईएन/ डीईएन सेक्शन:** उत्तर कार्य का विवरण: गुंटूर डिवीजन: तेनाली गुंटूर सेक्शन: एडीईएन/उत्तर/जीएनटी सेक्शन में 20 किमी की कुल बाड़ लंबाई के लिए एनएचएआई एंटी-क्रैश बैरियर / डब्ल्यू-बीम स्टील बाड़ लगाने के प्रकार के ट्रैक के साथ सुरक्षा बाड़ लगाने का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य:** रु. 68200221/- **पूधरा:** रु. 491000/-

**क्रम.सं. 3 निविदा आईडी:** 2763 **सीनियर डीईएन/ डीईएन सेक्शन:** उत्तर कार्य का विवरण: 12 महीने की अवधि के लिए एडीईएन/उत्तर/जीएनटी सेक्शन में अतिक्रमित स्थानों पर सुरक्षा गश्ती और रेल बैरिकेडिंग, मानसून और सर्दियों में गश्त, जलभराव वाले आरयूबीएस और कूड़ा बीनने वाले स्थानों पर स्थिर चौकीदार। **अनुमानित मूल्य:** रु. 6861994/- **पूधरा** रु. 137200/-

**क्रम.सं. 4 निविदा आईडी:** 2764 **सीनियर डीईएन/ डीईएन अनुभाग:** उत्तर कार्य का विवरण: 12 महीने की अवधि के लिए एडीईएन/एनएलडीए अनुभाग में अतिक्रमण वाले स्थानों पर सुरक्षा गश्ती और रेल बैरिकेडिंग, मानसून और सर्दियों में गश्त, जलभराव वाले आरयूबीएस पर स्थिर चौकीदार और कूड़ा बीनना। **अनुमानित मूल्य:** रु. 5572309/- **पूधरा:** रु. 111500/-

1. ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 23.04.2025 को 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉगऑन करें।
2. आगे कोई भी संचार/शुद्धिपत्र ई-पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

**मंडलीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुंटूर**

**निविदा सूचना सं.: ईएलई-टीआरएस-जीटीएल-24-25-ई-टीएन-12 दिनांक 19.03.2025** PUB/0328

अधोहस्ताक्षरी द्वारा 10.04.2025 को 16.00 बजे तक निम्नलिखित कार्य के लिए निविदाएं आमंत्रित है

**क्रम.सं. : 1 निविदा सं. :** ईएलई-टीआरएस-जीटीएल-24-25-ई-टीएन-12 दिनांक 19.03.2025 **विवरण:** लोकोमोटिव शेड गुंटकल एससीआर में 2 वर्ष की अवधि के लिए पारंपरिक इलेक्ट्रिक इंजनों के प्रमुख ओवरहालिंग शेड्यूल (टीओएच/आईओएच) के लिए रखरखाव पुर्जो के लिए सभी सहायक मोटर्स की मरम्मत/पुनर्वास। **अनुमानित मूल्य:** रु. 31,35,577.15 **बयाना राशि जमा:** रु. 62,800.00 **अनुबंध की अवधि:** दो वर्ष **अंतिम तिथि और समय:** 10.04.2025 को 16.00 बजे

निविदा और अन्य विवरण के लिए https://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। यदि निविदा के लिए कोई शुद्धिपत्र जारी किया जाना है, तो वह केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

**निविदाकर्ताओं के लिए नोट:**
1) इस ई-निविदा में भाग लेने/बोली लगाने के लिए, ठेकेदार के पास वैध डीएससी (डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र) होना चाहिए। 2) निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा जमा करने से पहले रेलवे द्वारा ऑनलाइन माध्यम से जारी किए गए उपरोक्त निविदाओं से संबंधित शुद्धिपत्र को नोट करें और उसके अनुसार कार्य करें।
3) निविदाकर्ताओं को केवल नेट-बैंकिंग के माध्यम से बयाना राशि जमा करनी चाहिए। ऐसा न करने की स्थिति में प्रस्ताव को अनुत्तरदायी माना जाएगा और अस्वीकार कर दिया जाएगा।

**वरिष्ठ मंडलीय यांत्रिक इंजीनियर, लोकोमोटिव शेड, गुंतकल**

**निविदा सं. एन-एसजी-36-2024-25-ईआई-एम-48 दिनांक 28.03.2025** PUB/0329

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति, वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/नांदेड़ मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा नांदेड़ की ओर से 21.04.2025 को 15.00 बजे तक ई-टेंडरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

**क्रम.सं. : 1 निविदा सं.:** एन-एसजी-36-2024-25-ईआई-एम-48 दिनांक 28.03.2025 **कार्य का नाम:** नांदेड़ मंडल में दो वर्ष की अवधि के लिए नागरसोल (एनएसएल) स्टेशन पर मेधा मेक के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) सिस्टम का वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **अनुमानित मूल्य:** रु. 15,31,640/- **बोली सुरक्षा जमा:** रु 30,600/- **समापन अवधि:** 24 महीने **निविदा फॉर्म की लागत:** शून्य

उपर्युक्त निविदा **21.04.2025 को 15.00** बजे बंद हो जाएगी।

A0406 **वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, नांदड़**

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।


# मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा अमृत धारा का शुभारंभ

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिकंदराबाद स्थित मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प अमृत धारा के तहत दुसरी स्थाई अमृत धारा का शुभारंभ प्रातः11.30 बजे आर पी रोड स्थित दरगाह के पास किया गया। कार्यक्रम में पधारे विशेष अतिथि बीआरएस के पूर्व पार्षद सी. किशोर का शाखा की और से शॉल, माला पहनाकर स्वागत किया ।उक्त कार्यक्रम में राह चलते 1100 राहगीरों को ठंडी छाछ भी वितरण की गई। छाछ वितरण के भामाशाह युवा पप्पू कुमार घोड़ेला । शाखा की और से भामाशाह का बहुत बहुत आभार ।आज के इस सेवाकार्य में पधारे शाखा संस्थापक द्वारिकाप्रसाद मायछ ,पूर्व अध्यक्ष मदन सांखला,पूर्व अध्यक्ष धनराज तिवाडी , पूर्व अध्यक्ष पप्पू घोड़ेला, अध्यक्ष पंकज राठौर, निवर्तमान प्रांतीय रक्तदान संयोजक मनोज भाई जैन ,नारायण चावड़ा, मंत्री पन्नालाल भाटी,कृष्णा लोहार , हरीश माली, दिनेश गहलोत,मंगलाराम चौधरी, रमेश प्रजापत ,सेसाराम सीरवी, कैलाश वैष्णव , पेमाराम जाखड़,सुरज प्रजापत,रवि तिवारी, करण सांखला, ईश्वर सांखला एवं सभी युवा साथियों ने आज की इस सेवा का लाभ लिया ! कार्यकर्म के अंत में पधारे हुए सभी अतिथियों का एवं सदस्यगणो को शाखा के अमृत धारा संयोजक जीतू चावड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# साध्वी गवेषणा श्री द्वारा प्रवृत्ति से निवृत्ति की ओर प्रस्थान- पडिमा प्रत्याख्यान का आयोजन

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी के सान्निध्य में चौथी पडिमा प्रत्याख्यान का भव्य कार्यक्रम श्री रमेश संचेती के निवास के विशाल प्रागंण में रखा गया। श्री मानकचंदजी रांका माधावरम (चेन्नई) से समागत ने श्रावक की चौथी पडिमा स्वीकार की ।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री ने कहा- जैन आगमों में अनेक प्रकार की श्रावक की भूमिकाओं का वर्णन आता है जैसे सुलभ बोधि श्रावक, पडिमाधारी श्रावक आदि। पडिमाधारी का अर्थ है-प्रतिज्ञा या अभिग्रह। साधना की दृष्टि से विशेष प्रकार की प्रतिज्ञा स्वीकार कर निश्चित कालावधि तक उनका पालन किया जाता है।

जैन आगमों में पड़िमा को 3 भागों में वर्गीकृत किया है, प्रथम छः पडिमाओं को धारण करनेवाला उत्कृष्ट श्रावक, सात से नौ तक ब्रह्मचारी और शेष दो धारण करने वाला भिक्षुक कहलाता है। श्री माणकचंदजी रांका आज तीसरी पडिमा संपन्न कर चौथी पडिमा स्वीकार कर रहे है। ये प्रेक्षा प्रशिक्षक , सेवाभावी, श्रद्वाशील और निःस्पृह साधक है।साध्वी मेरुप्रभाजी ने जीवन-चरित्र से संबंधित गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी दक्ष प्रभा जी ने पडिमा से संबंधित भावपूर्ण सुमधुर संगान किया। केशर रांका एवं चेतना रांका ने विचार रखे । कार्यक्रम की शुरुवात सुजाता संचेती परिवार के मंगलाचरण से हुई। स्वागत भाषण रमेशजी संचेती ने दिया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष सुशीलजी संचेती, चैन्नई से समागत सुरेश जी रांका, निष्ठा रांका, कुलदीप रांका ने अपने विचार रखें। युवक परिषद् से अभिनन्दन नाहटा, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम से वीरेन्द्र घोषल, सभामंत्री हेमंत संचेती ने विचार रखे, बाबुलालजी बैद ने अभिनन्दन पंत्र का वाचन किया ।धन्यवाद ज्ञापन विनोद संचेती ने किया। महिला मंत्री सुशीला मोदी ने भी महिला मंडल की ओर के स्वागत किया।

श्री सिखवाल बाह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्री राम दरबार पंचायतीबाड़ा में भगवान श्री विष्णु जी के प्रथम अवतार मत्स्य अवतार एवं गणगौर महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज बंधु व गणगौर महोत्सव मनाती हुईं महिलाएं।

केबीआर में गणेश पूजा की आरती करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल), गोपाल बलदेवा, राजेंद्र अग्रवाल, विट्ठल दास जी, भोज रेड्डी बाबूलाल केडिया, शीतल केडिया, संध्या राधेश्याम जी, प्रमोद सरायवाला, अशोक लाकोटिया, शशैया, प्रवीण अग्रवाल, मोहन मित्तल, राहुल सिंगल व अन्य।

# ऑपरेशन के लिए दिव्यांग जांच चयन और कैलिपर्स माप शिविर 6 को

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नारायण सेवा संस्थान हैदराबाद शाखा के तत्वावधान मे आगामी रविवार 6 अप्रैल 2025 को ऑपरेशन हेतु दिव्यांग जांच चयन व नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स माप शिविर (दिव्यांकता जांच निःशुल्क अंग विहीन (कटे हुए हाथ-पाँव) दिव्यांगो के कृत्रिम अंग हेतु नाप शिविर) का आयोजन किया जा रहा है।

यहाँ नारायण सेवा संस्था के हैदराबाद शाखा प्रभारी महेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि आगामी रविवार दि. 6 अप्रैल 2025 प्रातः 9.00 बजे से सायं 5 बजे तक मिनरवा गार्डन सागर रोड, चंपापेट हैदराबाद के पास विशाल निःशुल्क अंग विहीन (कटे हुए हाथ-पाँव) दिव्यांगो के कृत्रिम अंग हेतु नाप शिविर (ऑपरेशन हेतु दिव्यांग जांच चयन व नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स माप शिविर) का आयोजन किया जा रहा है । नारायण सेवा संस्था की ओर से जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, आर.के. जैन, मुकेश चौहान, प्रवीण वाणीगोता आदि ने कार्याम मे विशेष अतिथि के रूप मे पधारने का केन्द्रीय मंत्री बंडी संजय, केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, सांसद कोण्डा विश्वेर रेड्डी, सांसद ईटेला राजेन्द्रा, बीजेपी पूर्व एम.एल.सी. एम. रामचंद्र राव, नवनिर्वाचीत एम.एल.सी. विजय शांति, हैदराबाद मेयर गद्वाल विजय लक्ष्मी आदि को पधारने का निवेदन किया गया।

अवसर पर जसमत पटेल ने कहा कि शिविर मे दिव्यांगो को ऑपरेशन के लिये चयनित किया जाएगा और दुर्घटना मे अंगविहिन हुए दिव्यांग भाई - बहेनो का माप लेकर लाभान्वित किया जायेगा। इन दिव्यांगो को फोलोअप शिविर मे अत्याधुनिक मोड्युलर आर्टीफिशयल लिम्ब निःशुल्क भेंट किये जायेंगे ।

महेन्द्र सिंह रावत ने आगे कहा कि शिविर मे आने वाले सभी भाई-बहेनो से निवेदन है कि अपना पहचान पत्र, दिव्यांग प्रमाण-पत्र की फोटोकोपी अवश्य साथ लावे । अन्य गाँव से आने वाले विकलांग रोगी भाई-बहनों से निवेदन है कि अपने साथ सरपंचय/पटवारी/तहसीलदार से प्रमाणित 5000/- से कम के आय प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि साथ मे अवश्य लावे ।

शल्य चिकित्सा के लिए चयनीत रोगियों को उदयपुर स्थित पोलियों हॉस्पीटल मे लाकर निःशुल्क ऑपरेशन किये जायेंगे एवं वहां उन्के रहने एवं भोजन की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी । उन्होने आगे कहा कि विकलांग सहायक उफकरण हेतु चयनित रोगियों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर तथा बैसाखियों निःशुल्क वितरित किये जायेंगे । अधिक जानकारी के लिये फोन 9866708473 पर संपर्क करें।

# राजस्थानी जागृति समिति का सामूहिक विवाह कार्यक्रम स्थगित

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह का आयोजन बाहेती भवन में किया जाना था, सामूहिक विवाह में मारवाडी समाज के जोडों का पंजीकरण में न हो पाने के कारण समिति ने सामूहिक विवाह को स्थगित करने निर्णय लिया है। प्रेस को जारी एक संयुक्त विज्ञप्ति में उक्त जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी एवं मंत्री महेश अग्रवाल ने दी गई।विज्ञप्ति में श्रीनिवास सोमाणी ने कहा मारवाडी समाज के बन्धुओं की सोच को समिति नहीं बदल सकी कि लोग क्या कहेंगे। समिति का उद्देश्य समाज को बाल विवाह, दहेज प्रथा से मुक्त करना था, जिससे आम आदमी पर कर्ज न थोपा जा सके, लेकिन समाज के बन्धुओं ने अपने परिवार को सामूहिक विवाह से दूर रखा। समिति ने तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र सभी समाज के परिवार से आग्रह किया फिर भी कोई बदलाव नहीं देखा गया। लोग क्या कहेंगे पर सबकी बात अटक गई।समिति के अध्यक्ष ने जानकारी दी कि लोगों की सोंच के कारण कई वर्षों से सामूहिक विवाह नहीं हो पा रहें है।


DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, M RACHEL Spouse of Service No. IC 25172A Lt Col (Retd) MUTYALA LURDU MARIYANNA, R/o.Flat No.110, Block 5, GK's Pride, Balaji Nagar Road, Yapral, Secunderabad, Telangana - 500087 have changed my name and DOB from M RACHEL, DOB:1950 to KAMURI RACHEL, DOB:01-07-1942 vide affidavit dt:2-4-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

**CHANGE OF NAME**

I, SANJAY MEHTA, S/o. ABHAY KUMAR MEHTA, Occ: Business, R/o H.No. 3-6-677/2, Street No.12, Flat No.308, MSK Towers, Near Oxford School, Himayatnagar, Hyderabad, Telangana State-500029. Have changed my name from SANJAY KUMAR MEHTA to SANJAY MEHTA and my Aadhaar Card No. Is 4615-7041-2918, vide affidavit dt:02-04-2025 before D. Ramalingam, Advocate and notary, Doolapally, Secunderabad. My name SANJAY KUMAR MEHTA as per PassPort No. M7687272 which is not correct.

# गर्मी बढ़ने के साथ हैदराबाद में बिजली की मांग 5000 मेगावाट से अधिक हुई

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बुधवार को बंजारा हिल में कर्मचारियों के साथ एक बैठक में प्रमुख सचिव (ऊर्जा) संदीप कुमार सुल्तानिया ने कहा कि इस गर्मी में ग्रेटर हैदराबाद में बिजली की खपत 5,000 मेगावाट से अधिक हो गई है।

पिछली गर्मियों में बिजली की खपत 4352 मेगावाट दर्ज की गई थी।

बैठक के दौरान स्टाफ सदस्यों से सुझाव लेते हुए सुल्तानिया ने बताया कि ग्रेटर हैदराबाद की उच्च बिजली मांगों को पूरा करने के लिए नए बिजली ट्रांसफार्मर, वितरण ट्रांसफार्मर और अतिरिक्त फीडर लगाए गए हैं।

सुल्तानिया ने कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और बिना किसी बड़ी परेशानी के बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, लाइनमैन और कारीगरों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाएँ बेहद महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा, शहर के लिए मौसम पूर्वानुमान में पिछले साल की तुलना में अधिकतम तापमान और अधिक गर्मी की भविष्यवाणी की गई है। हम आने वाले महीनों, अप्रैल और मई में बिजली की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में बिजली की मांग बढ़ रही है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग कम है।

उन्होंने आगे बताया कि भीषण गर्मी से निपटने के लिए तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू और बिजली विभाग के अन्य मुख्य अधिकारियों के साथ कई बैठकें की गई हैं। लाइनमैन और कारीगरों को तैयार करने के लिए फील्ड स्तर के कर्मचारियों के साथ विशेष बैठकें भी की जा रही हैं।

# उबर ने हैदराबाद और अन्य शहरों में किशोरों के लिए उबर की शुरुआत की

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

परिवहन कंपनी उबर ने हैदराबाद, दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, अहमदाबाद, कोच्चि, चंडीगढ़, लखनऊ और भुवनेश्वर सहित प्रमुख शहरों में 13 से 17 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए उबर फॉर टीन्स की घोषणा की है।यह घोषणा बुधवार, 2 अप्रैल को की गई। उबर फॉर टीन्स के माध्यम से, कंपनी का लक्ष्य किशोरों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन तथा माता-पिता के लिए मानसिक शांति प्रदान करना है।

माता-पिता अपने बच्चे के लिए एक किशोर खाता स्थापित कर सकते हैं और जीपीएस ट्रैकिंग, वास्तविक समय ट्रैकिंग और इन-ऐप आपातकालीन बटन द्वारा उनकी यात्रा को ट्रैक भी कर सकते हैं।

उबर साउथ इंडिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने स्वीकार किया कि किशोरों और उनके परिवारों को यात्रा के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, किशोरों के लिए उबर के साथ, हम ऐसी सेवा प्रदान करके इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिस पर माता-पिता भरोसा कर सकें और जिसे किशोरों के लिए उपयोग करना आसान और मजेदार हो।

हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, किशोरों के 72 प्रतिशत अभिभावकों ने कहा कि वे सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण अपने बच्चों को अकेले यात्रा करने की अनुमति नहीं देंगे, जबकि 92 प्रतिशत ने माना कि टैक्सी की सवारी विश्वसनीय नहीं है।सर्वेक्षण में आगे बताया गया कि 63 प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि वे स्कूल की गतिविधियों के लिए कैब की बजाय अपने स्वयं के परिवहन पर निर्भर रहेंगे, जबकि 61 प्रतिशत अभिभावक स्कूल के बाद कोचिंग कक्षाओं पर निर्भर रहेंगे।

# टीजीएससीएससी ने टीएसपीएससी ग्रुप-1 परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना अनुसूचित जाति अध्ययन मंडल (टीजीएस-सीएससी) ने 30 मार्च, 2025 को आयोजित मुख्य परीक्षा के तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ग्रुप- 1 सामान्य रैंकिंग सूची के हाल ही में घोषित परिणामों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

सरकार के प्रधान सचिव और टीजीएससीएससी के अध्यक्ष एसएन श्रीधर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अध्ययन मंडल के 68 छात्रों ने टीएसपीएससी ग्रुप-1 परीक्षा में 400 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से 40 से अधिक छात्रों को ग्रुप-1 सेवाओं में नियुक्ति मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक और वाणिज्यिक कर अधिकारी जैसे प्रमुख पद शामिल हैं।बी वनजा ने 38वीं रैंक हासिल की, आर मेरी गोल्ड ने 56वीं रैंक हासिल की, एम रवितेजा ने 66वीं रैंक हासिल की, किशन पटेल ने 72वीं रैंक हासिल की, ई राकेश ने 78वीं रैंक हासिल की, बी श्रवण ने 84वीं रैंक हासिल की और डी प्रवीण ने 105वीं रैंक हासिल की।

इसके अतिरिक्त, संस्थान के छात्रों ने अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी में दूसरा, तीसरा, चौथा और दसवां स्थान, अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में दूसरा स्थान तथा बीसी-डी श्रेणी में दसवां स्थान प्राप्त किया।

एन श्रीधर ने एससी, एसटी, बीसी और दिव्यांग समुदायों के बेरोजगार युवाओं के लिए कोचिंग कार्यक्रम चलाने के लिए समय पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया।


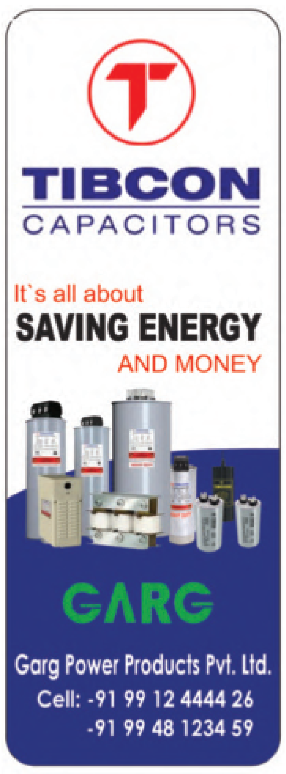



# हैदरगुडा में यूट्यूबर गिरीश दरमोनी पर हमला करने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

राजेंद्रनगर पुलिस ने बुधवार को हैदरगुडा में यूट्यूबर गिरीश दरमोनी पर हमले के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

हैदराबाद अचल संपत्ति

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 50 से अधिक सदस्यों, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं, ने केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय के खिलाफ कथित अपमानजनक सामग्री पर आपत्ति जताई, जिसे हाल ही में गिरीश के 'चित्रगुप्त' नामक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया था और यूट्यूबर के साथ मारपीट की।

शिकायत के आधार पर राजेंद्रनगर पुलिस ने 45 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनकी पहचान और गिरफ्तारी अभी बाकी है।इस बीच, गंभीर रूप से घायल गिरीश का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

# तेलंगाना सरकार ने एलआरएस पंजीकरण शुल्क पर 25 प्रतिशत छूट 30 अप्रैल तक बढ़ा दी

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भूमि नियमितीकरण योजना (एलआरएस) 2020 मॉड्यूल के तहत अपने अस्वीकृत लेआउट को पंजीकृत करने वाले लोग 30 अप्रैल तक 25 प्रतिशत नियमितीकरण शुल्क का लाभ उठा सकते हैं।

राज्य सरकार ने पहले एलआरएस 2020 मॉड्यूल के तहत अस्वीकृत लेआउट के पंजीकरण पर छूट का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की थी।

नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशालय (डीटीसीपी) की सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने बुधवार, 2 अप्रैल को समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया।

नगर प्रशासन एवं शहरी विकास के प्रमुख सचिव एम दाना किशोर ने संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से आदेश लागू करने का निर्देश दिया है।

# संगारेड्डी में 3 बच्चों की हत्या के आरोप में मां और 10वीं कक्षा का प्रेमी गिरफ्तार

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

संगारेड्डी जिले के अमीनपुर में अपने विवाहेतर संबंध को जारी रखने के लिए तीन बच्चों को जहर देने के आरोप में 45 वर्षीय एक महिला और 10वीं कक्षा के एक छात्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान रजिता के रूप में हुई है।

शुरुआत में इस घटना को आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या का प्रयास माना गया था। लेकिन बाद में जांच में पता चला कि आरोपी ने 10वीं कक्षा के छात्र के साथ अपने प्रेम संबंध को जारी रखने के लिए अपने बच्चों को जहर दिया था।

यह अपराध 27 मार्च की रात को हुआ, जब आरोपी का पति चेन्नईया पास के सप्लाई टैंक से पानी लाने के लिए बाहर गया था। जब वह 2 बजे घर लौटा, तो उसने पाया कि उसके तीन बच्चे, साईकृष्णा, 12, मधु प्रिया, 10, और गौतम, 8, बेहोश पड़े थे। संदेह को दूर करने के प्रयास में, आरोपी ने पेट दर्द होने का भी नाटक किया, जिसके कारण चेन्नैय्या उसे अस्पताल ले गए।

पुलिस को पति की संलिप्तता पर भी संदेह था, लेकिन कबूलनामे के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच जारी है।

# केंद्र ने आदिलाबाद हवाई अड्डे पर नागरिक परिचालन को मंजूरी दी

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

रक्षा मंत्रालय ने नागरिक परिचालन के लिए आदिलाबाद हवाई अड्डे को विकसित करने के तेलंगाना सरकार के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने अनुरोध की जांच करने के बाद, नागरिक विमान परिचालन की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की है, साथ ही उस स्थान पर एक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान स्थापित करने की भविष्य की योजनाओं पर भी विचार किया है।

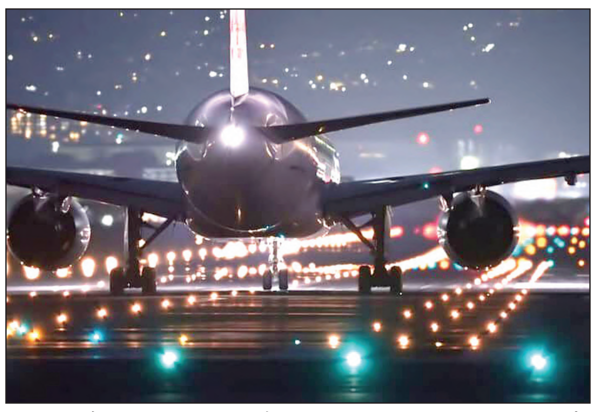

तेलंगाना सरकार के परिवहन, सड़क और भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव को लिखे एक आधिकारिक पत्र में, भारतीय वायुसेना ने सुझाव दिया कि इस हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के साथ संयुक्त उपयोगकर्ता हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।इसके लिए एएआई को सिविल टर्मिनल, विमान पार्किंग एप्रन और सहायक बुनियादी ढांचे के लिए निकटवर्ती भूमि का अधिग्रहण करना होगा।इसके अतिरिक्त, मौजूदा रनवे को फिर से तैयार करने की आवश्यकता होगी, और टैक्सी ट्रैक के माध्यम से सिविल एप्रन को रनवे से जोड़ना होगा। एएआई को भारतीय वायुसेना से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने की सलाह दी गई है।

इस परियोजना से यात्रियों और माल परिवहन की सुगमता में सुधार होगा तथा क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

## शेयर मार्केट

बीएसई : 76,617.44
+592.93 +0.78% ↑
एनएसई :23,332.35
166.65 (0.72%) ↑

## सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 93,740/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,02,250/-
(प्रति किलोग्राम)

# अंतरराज्यीय ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अंतरराज्यीय सट्टेबाजी रैकेट में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 4 लाख रुपये की नकदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।आरोपियों की पहचान 32 वर्षीय पेनुगोंडा सदाशिवुडु के रूप में हुई है; मदिशेट्टी यदागिरी, 40; येलुगु कार्तिक, 23; फैजान खान, 25; और तल्लापल्ली पुन्नम चंदर गौड़, 26।रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य आरोपी येलादंडी राजेंद्र, हसनपार्थी, वारंगल का निवासी है और तीन साल से अवैध सट्टेबाजी का धंधा चला रहा था। उसने चिलकलगुडा में एक कमरा किराए पर लिया था और अपने भतीजे पेनुगोंडा सदाशिवुडु को चार अन्य लोगों के साथ वेतन के आधार पर सट्टेबाजी का काम संभालने के लिए नियुक्त किया था।

व्हाट्सएप और फोनपे और गूगल पे जैसे यूपीआई भुगतान प्लेटफार्मों का उपयोग करके, आरोपियों ने तेलंगाना भर में व्यक्तियों से दांव स्वीकार किया।विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने सट्टे के अड्डे पर छापा मारा और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $37^{0}$
न्यूनतम : $26^{0}$

# दासिमय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक हैं : मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे

**बीदर, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

वन, जीव एवं पर्यावरण मंत्री तथा बीदर जिला प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने कहा कि प्रथम वचनक देवर दासिमय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक है। वे बुधवार को जिला प्रशासन, जिला पंचायत तथा कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बीदर में आयोजित देवर दासिमय्या जयंती उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे।महिलाओं को स्वतंत्रता, समानता और सशक्तीकरण प्रदान करना,समाज की बेहतरी में देवर दासिमय्या का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने अपनी वचनों के माध्यम से असमानता और मूर्खता की खंडन की है।उन्होंने कहा कि बुनकर और व्यापारी अपने काम के प्रति समर्पित हैं और सभ्यता की बेहतरी में उनका योगदान बहुत बड़ा है।लिंगायत महामठ के श्री प्रभुदेव महास्वामीजी ने अतिथि व्याख्यान दिया।इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवकुमार शिलवंत, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के उप निदेशक सिद्धराम सिंधे और समुदाय के नेता सोमशेखर अमलापुरे, रामकृष्ण साले, नागप्पा जमगी, महादेव चौड़ेकर, शरणप्पा हावगोंड, प्रशांत सिंड्रे, धनराज हंगरगी और अन्य नेता उपस्थित थे। इससे पहले सुबह बीदर में श्री देवर दासिमैया के चित्र की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

# व्यक्तिगत मामलों को गोपनीय रखें : एसपी

**आसिफाबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

कोमुराम भीम आसिफाबाद जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस के निर्देशानुसार, श्री प्रभाकर राव एडिशनल एसपी की देखरेख में, श्री विश्वशांति स्कूल के छात्रों को शीट टीम के तत्वावधान में आज कागजनगर टाउन में कानूनों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए शीट टीम की प्रभारी एएसआई सुनीता ने कहा... जो भी व्यक्ति महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, छेड़छाड़ या साइबर अपराध का शिकार हुआ है, उसे तुरंत एसएच टीम से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। उन्हें सोशल मीडिया, विशेषकर फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम का उपयोग करते समय बहुत सावधान रहने और फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा से संबंधित अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के संबंध में सभी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई। इसी प्रकार, बताया गया कि शी टीम जिले में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम कर रही है तथा किसी भी आपात स्थिति में उन्हें डायल 100 पर कॉल करना चाहिए। उन्हें शी टीम नंबर 87126 70565, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने के लिए कहा गया।इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कृष्ण प्रसाद, शिक्षकगण एवं शी टीम बी के स्टाफ सदस्य रमादेवी, सुनीता एवं श्रीनिवास ने भाग लिया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा में दिए गए बयान को लेकर रेवंत रेड्डी को फटकार लगाई

**नई दिल्ली/हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार, 2 अप्रैल को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को राज्य विधानसभा में दलबदल विरोधी कानून का मजाक उड़ाने वाले उनके बयान को लेकर फटकार लगाई।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि यदि विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो जाते हैं तो भी कोई उपचुनाव नहीं होगा।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने पिछले साल कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली बीआरएस नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा, यदि यह बात सदन में कही गई है, तो आपके माननीय मुख्यमंत्री 10वीं अनुसूची का मजाक उड़ा रहे हैं।

बीआरएस विधायक पी. कौशिक रेड्डी ने बीआरएस टिकट पर चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायकों टी वेंकट राव, दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए याचिका दायर की।पिछले वर्ष नवंबर में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर 'उचित समय' के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

**बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका**

बाद में, कौशिक रेड्डी और एक अन्य बीआरएस विधायक के पांडु विवेकानंद और भाजपा विधायक ए महेश्वर रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं, जिसमें स्पीकर को समयबद्ध तरीके से अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का निर्देश देने की मांग की गई।

सर्वोच्च न्यायालय बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव की याचिका पर भी सुनवाई कर रहा है, जिसमें कांग्रेस में शामिल हो गए सात अन्य बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई है। बुधवार को याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील सी आर्यमन सुंदरम ने 26 मार्च को विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान को अदालत के संज्ञान में लाया।

प्रतिवादियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि वर्तमान मामले में विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नगत नहीं है।

**सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के सीएम को विवादित बयानों के खिलाफ चेतावनी दी**

न्यायमूर्ति गवई ने सुझाव दिया कि वरिष्ठ वकील मुख्यमंत्री को विधायिका में इस तरह के विवादास्पद बयान देने के खिलाफ चेतावनी दें।

उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि हम अवमानना नोटिस जारी करने में धीमे हैं, लेकिन हम शक्तिहीन भी नहीं हैं। पीठ ने कहा कि विधानसभाओं में दिए गए बयानों की पवित्रता होती है।

पीठ ने कहा, जब राजनेता विधानसभा में कुछ कहते हैं, तो उसे पवित्रता प्राप्त होती है। वास्तव में, फैसले में कहा गया है कि जब हम कानूनों की व्याख्या करते हैं, तो सदन में दिए गए भाषण का इस्तेमाल व्याख्या के लिए किया जा सकता है।न्यायमूर्ति गवई ने रोहतगी से कहा कि वह मुख्यमंत्री को यह गलती दोबारा न दोहराने की चेतावनी दें।

जज जाहिर तौर पर दिल्ली शराब नीति मामले में बीआरएस एमएलसी के. कविता को दी गई जमानत के बारे में पिछले साल अगस्त में की गई सीएम की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे। रेवंत रेड्डी ने कथित तौर पर कहा था कि कविता को पांच महीने के भीतर जमानत मिल सकती है क्योंकि बीआरएस का वोट बैंक भाजपा को हस्तांतरित हो गया है।

क्या हम राजनीतिक दलों के परामर्श से अपने आदेश पारित करते हैं? हमें इस बात की परवाह नहीं है कि राजनेता किस पार्टी से संबंधित हैं... हमें राजनेताओं द्वारा हमारे आदेशों की आलोचना से कोई परेशानी नहीं है। हम संविधान और अपनी शपथ के अनुसार अपना कर्तव्य निभाते हैं, न्यायमूर्ति गवई ने रेवंत रेड्डी की ओर से पेश रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा को संबोधित करते हुए कहा था।

**सीएम रेवंत रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद खेद व्यक्त किया**

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मुख्यमंत्री की टिप्पणी को गलत ठहराए जाने के बाद उन्होंने बिना शर्त खेद व्यक्त किया।

पिछले महीने विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों से कहा था कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उपचुनाव नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस के शासनकाल में दलबदलुओं ने मंत्री पद की शपथ ली थी और पिछली सरकार में कोई उपचुनाव नहीं हुआ था। उन्होंने पूछा, अब उपचुनाव कैसे होंगे?मुख्यमंत्री के बयान पर बीआरएस नेता रामा राव ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी और कहा था कि वे इस मामले को अदालत के संज्ञान में लाएंगे।

# 'वारंगल चपाता चिली' को जीआई टैग मिला

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** वारंगल की चपाता मिर्च भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग पाने वाली तेलंगाना की 18वीं और यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली बागवानी उत्पाद बन गई है। इसके जीआई पंजीकरण के लिए 2022 में आवेदन किया गया था।

जीआईटैग के लिए आवेदन थिम्ममपेट चिली फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) और महबूबाबाद जिले के मलयाल स्थित जन्ना रेड्डी वेंकट रेड्डी बागवानी अनुसंधान स्टेशन (जेवीआर एचआरएस) द्वारा दायर किया गया था, जो श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय (एसकेएलटीजीएचयू) के तत्वावधान में काम करता है।

वारंगल चपाता मिर्च सोलानेसी परिवार और एनुअम प्रजाति के अंतर्गत कैप्सिकम वंश से संबंधित है । यह वाणिज्य के लिए सूखी मिर्च का मुख्य स्रोत है, जबकि इसके ताजे फलों का उपयोग अचार बनाने में किया जाता है।

वारंगल जिले के कुछ गांवों के किसानों का कहना है कि जम्मीकुंटा मंडल के नागरम गांवों में वारंगल चपाता मिर्च की खेती 80 साल से भी ज्यादा समय से हो रही है, जबकि कुछ का यह भी दावा है कि नादिकुडा मंडल इसका सबसे पुराना स्रोत हो सकता है। बाद में रिश्तेदारों के बीच बीजों के आदान-प्रदान से इसकी खेती आसपास के गांवों में भी फैल गई।इसकी खेती भारत के मध्य तेलंगाना कृषि जलवायु क्षेत्र में की जाती है। यह एक विशिष्ट किस्म है जो अपनी अनूठी विशेषताओं, रूप और आकार के लिए जानी जाती है। इसकी फलियों में नमी बनाए रखने की अच्छी क्षमता होती है और सूखने पर यह कम भंगुर होती है। यह अपने चमकीले लाल रंग और स्वाद और गंध में नगण्य तीखेपन के लिए जानी जाती है।

स्थानीय मिट्टी और जलवायु की स्थिति मिर्च की गुणवत्ता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये परिस्थितियाँ सुनिश्चित करती हैं कि फलियों में नमी बनी रहे और सूखने पर वे कम भंगुर हों, जिससे वे निर्यात और प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त हों।श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय (एसकेएलटीजीएचयू) के कुलपति डॉ. डी राजी रेड्डी ने बुधवार, 2 अप्रैल को मीडिया को दिए एक बयान में कहा, वारंगल, हनमकोंडा, मुलुगु और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में 6,738 एकड़ में चपाता मिर्च की खेती की जाती है। हर साल इस किस्म का लगभग 10,951 टन उत्पादन होता है। जीआई टैग से क्षेत्र के 20,574 किसानों को मदद मिलेगी।

उम्मीद जताते हुए कि जीआई टैग आने वाले दिनों में जीआई पंजीकरण के लिए और अधिक बागवानी उत्पादों को प्रोत्साहित करेगा, कुलपति ने यह भी बताया कि बालानगर कस्टर्ड सेब और अरमूर हल्दी के लिए जीआई पंजीकरण की प्रक्रिया भी एसकेएलटीजीएचयू के माध्यम से की जा रही है।

जीआई प्रैक्टिशनर और रेसोल्यूट4आईपी के संस्थापक सुभाजीत साहा, जिन्होंने कानूनी और वैधानिक अनुपालन के साथ जीआई टैग को सुरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने कहा कि वारंगल में मिर्च के किसान अब अपनी उपज को मौजूदा 300 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 450-500 रुपये प्रति किलोग्राम तक ऊंचे मूल्य पर बेच सकते हैं।

# तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांचा गच्चीबावली भूमि पर पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार, 2 अप्रैल को कांचा गच्चीबावली भूमि पर सर्वे संख्या 25 में पेड़ों की कटाई पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया।

यह आदेश वात फाउंडेशन और हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) के छात्रों द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में आया है। अदालत ने अधिकारियों को कल यानी 3 अप्रैल तक भूमि पर काम बंद करने का निर्देश दिया है, जब अगली सुनवाई होनी है।

याचिकाकर्ताओं ने पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए अदालत से कांचा गाचीबोवली भूमि को राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने का आग्रह किया है।

एचसीयू का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता एल रविशंकर ने तर्क दिया कि तेलंगाना सरकार ने पिछले साल जून में जीओ 54 जारी किया था, जिसके तहत 400 एकड़ सरकारी भूमि तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) को आवंटित की गई थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भले ही यह सरकारी भूमि है, लेकिन अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों को खाली करने से पहले पर्यावरण आकलन अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पालन करना चाहिए।

अदालत को बताया गया कि हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि पर कई प्रकार के जानवर, पौधे, मशरूम चट्टानें और भैंस तथा मोर झीलें हैं। खंडपीठ ने सुनवाई 7 अप्रैल तक स्थगित कर दी थी और राज्य सरकार तथा टीजीआईआईसी के प्रतिवादियों को 10 दिनों में जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया था।

राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल (एजी) सुदर्शन रेड्डी ने भूमि आवंटन का बचाव करते हुए तर्क दिया कि यह वन क्षेत्र नहीं है। उन्होंने बताया कि 2004 में यह भूमि आईएमजी अकादमी को सौंप दी गई थी, जो समझौते के अनुसार इसका उपयोग करने में विफल रही, जिसके कारण सरकार ने आवंटन रद्द कर दिया।

उन्होंने आगे तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं की मांग को स्वीकार करने का मतलब हैदराबाद में सभी विकास परियोजनाओं को रोकना होगा, क्योंकि कई शहरी क्षेत्रों में वन्यजीव मौजूद हैं। उन्होंने कहा, अगर हम याचिकाकर्ताओं के तर्क का पालन करते हैं, तो हैदराबाद में कहीं भी कोई निर्माण नहीं होना चाहिए।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को कल, 3 अप्रैल तक भूमि पर सभी कार्य रोकने का निर्देश दिया।

**कांचा गाचीबोवली भूमि नीलामी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज**

तेलंगाना सरकार द्वारा कांचा गाचीबोवली की भूमि की नीलामी की 3 मार्च की घोषणा के बाद पिछले तीन सप्ताहों में विरोध प्रदर्शन तेज़ हो गए हैं। इस कदम का छात्र समूहों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया है, जिनका तर्क है कि नियोजित विकास से पर्यावरण पर गंभीर परिणाम होंगे।

उनकी प्राथमिक चिंताओं में हरित क्षेत्र की हानि, वन्यजीव आवासों का विनाश और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान शामिल हैं।

2 अप्रैल को स्थिति और भी गंभीर हो गई, जब प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शिक्षकों का मार्च टकराव में बदल गया। यूओएच परिसर के पास छात्रों और पुलिस के बीच हाथापाई हुई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए अत्यधिक बल का प्रयोग किया, ऑनलाइन सामने आए वीडियो में पुलिस कर्मियों को छात्रों को लाठियों से खदेड़ते हुए दिखाया गया है।

ऑनलाइन वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में जेसीबी को हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) क्षेत्र में पेड़ों को हटाने के लिए जाते हुए दिखाया गया है।

# जीएचएमसी ने हैदराबाद में 2 हजार से अधिक भवन परियोजनाओं को मंजूरी दी

**हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की नगर नियोजन शाखा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधिभोग प्रमाण पत्र के साथ कुल 13,421 भवन और लेआउट अनुमति जारी की है, जिससे 1,138.44 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

इस वर्ष दी गई 13,421 अनुमतियों में से अधिकांश को तत्काल स्वीकृति मार्ग के माध्यम से संसाधित किया गया, जो 8,377 मामलों के लिए जिम्मेदार है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम ने बड़ी परियोजनाओं के लिए 2,422 स्वीकृतियां प्रदान कीं, जबकि 523 अनुमतियां तत्काल पंजीकरण के तहत जारी की गईं।इसके अतिरिक्त, नगर निकाय ने पूर्ण हो चुकी संरचनाओं के लिए 2,088 अधिभोग प्रमाणपत्रों को मंजूरी दी। लेआउट अनुमोदन अपेक्षाकृत सीमित थे, जिसमें हैदराबाद में केवल छह गेटेड सामुदायिक भवन, आवास परियोजनाएं और पांच खुले भूखंड लेआउट को हरी झंडी मिली। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने बिल्डिंग/लेआउट अनुमति और अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल कर दिया है। 500 वर्ग गज तक के भूखंडों पर अधिकतम 10 मीटर की ऊंचाई वाले व्यक्तिगत आवासीय निर्माणों के लिए, निगम ने स्व-प्रमाणन प्रणाली लागू की है। तत्काल पंजीकरण और तत्काल स्वीकृति के रूप में जाना जाने वाला यह तरीका नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से तुरंत बिल्डिंग अनुमति आदेश प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।स्वचालित अनुमोदन के बाद, प्रणाली विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए अंतिम कार्य प्रारंभ पत्र जारी करने से पहले सत्यापन का कार्य करती है।

पारदर्शिता और दक्षता को और बढ़ाने के लिए, तेलंगाना सरकार ने हाल ही में बिल्डनाउ एप्लीकेशन लॉन्च किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित, इस प्लेटफ़ॉर्म को विनियामक अनुपालन को बनाए रखते हुए अनुमोदन प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।ये स्वीकृतियां हैदराबाद में विकास की विविध श्रेणी को कवर करती हैं, जिनमें आवासीय भवन परियोजनाओं के लिए 2,236 स्वीकृतियां सर्वाधिक हैं।इसके बाद वाणिज्यिक विकास के लिए 140 स्वीकृतियां दी गईं, जबकि अस्पतालों और शैक्षणिक सुविधाओं जैसी संस्थागत परियोजनाओं को 46 स्वीकृतियां प्राप्त हुईं।कोंडापुर के सेरिलिंगमपल्ली इलाके में हैदराबाद की सबसे नई सबसे ऊंची आवासीय इमारत के लिए एक असाधारण मंजूरी दी गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.